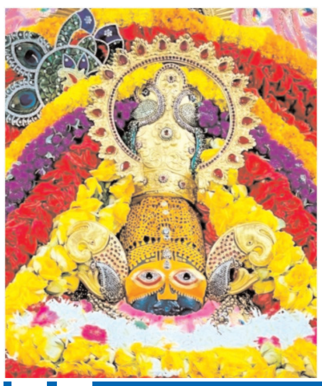

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:289। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 10 जून 2026 (बुधवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

हादसेः

जयपुर के खो नागोरियान इलाके में बड़ा हादसा

अवैध पटाखा फैक्ट्री में लगी भीषण आग

3 लोगों की मौत, कई घायल

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर के खो नागोरियान थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। आयशा नगर के तलाई इलाके में एक मकान के अंदर संचालित की जा रही कथित अवैध पटाखा फैक्ट्री में अचानक भीषण आग लग गई। हादसे में अब तक तीन लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि कई अन्य लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं।

जानकारी के अनुसार, रिहायशी क्षेत्र में स्थित इस मकान में पटाखा बनाने और संग्रहित करने का काम किया जा रहा था। सुबह अचानक आग भड़क उठी और देखते ही देखते पूरे परिसर को अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी तेजी से फैली कि

अंदर मौजूद कई लोगों को बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिल सका। आग में झुलसे लोगों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से गंभीर रूप से घायल लोगों को बेहतर इलाज के लिए जयपुर के सवाई मानसिंह (एसएमएस) अस्पताल रेफर किया गया है।

सीतामढ़ी में आंधी के दौरान कच्चे मकान पर गिरा पीपल का पेड़

एक परिवार के पांच लोगों की मौत

एजेंसी

पटना । बिहार के सीतामढ़ी जिले में सोमवार देर रात तेज आंधी के दौरान बड़ा पीपल का पेड़ उखड़कर एक घर पर गिर गया। इस हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। यह घटना रीगा थाना क्षेत्र के रेवासी धनुशी टोला (वार्ड नंबर 1) में हुई। मृतकों की पहचान पूजा देवी (28), बेटी शिवानी (5) और तीन बेटों राजकुमार (7), वीरभद्र कुमार (2) और एक महीने के लायगर कुमार के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, परिवार कच्चे मकान में सो रहा था, जो एक पुराने पीपल के पेड़ के पास बना हुआ था। रात करीब 11:30 बजे तेज हवाएं और भारी बारिश शुरू हुई, जिससे पेड़ उखड़ गया और सीधे घर पर गिर पड़ा। इससे पूरा मकान ढह गया और सभी पांच लोग मलबे में दब गए। सभी की मौके पर ही मौत हो गई।घटना की सूचना मिलने पर सदर एसडीपीओ, बीडीओ और रीगा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय ग्रामीणों ने भी राहत और बचाव कार्य में मदद की और मलबा हटाया। जिला प्रशासन ने प्रभावित परिवार को सरकारी नियमों के अनुसार मुआवजा और अन्य सहायता देने की प्रक्रिया

मौसम विभाग ने बिहार के कई जिलों के लिए चेतावनी जारी की है

शुरू कर दी है।भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, मानसून 10 से 15 जून के बीच बिहार में प्रवेश कर सकता है। शाम पश्चिम चंपारण जिले के बगहा क्षेत्र में भी तेज आंधी और बारिश से व्यापक नुकसान हुआ। तेज हवाओं के कारण कई पेड़ उखड़ गए। घरों को नुकसान पहुंचा और कई मुख्य सड़कें बाधित हो गईं। रामनगर-बखरी मुख्य सड़क पर बंजारिया चौक के पास एक बड़ा पेड़ गिरने से भारी जाम लग गया।

महाराष्ट्र के जलगांव में वाहनों की टक्कर में गुजरात के पांच लोगों समेत छह की मौत

कार, बाइक और एसटी बस की हुई आमने-सामने टक्कर

एजेंसी

अमलनेर। महाराष्ट्र के जलगांव जिले में मंगलवार सुबह हुए एक भीषण सड़क हादसे में गुजरात के एक परिवार के पांच सदस्यों समेत एक स्थानीय बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। कार, मोटरसाइकिल और राज्य परिवहन (एसटी) बस के बीच हुई जोरदार टक्कर से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। हादसा इतना भयानक था कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

बताया गया कि गुजरात राज्य के व्यारा निवासी एक परिवार के सदस्य जलगांव जिले की अमलनेर तहसील के मंगरूल गांव के पास आयोजित सगाई समारोह में शामिल होने के लिए कार से जा रहे थे। मंगरूल गांव के पास तेज रफ्तार कार, बाइक और एसटी बस के बीच आमने-सामने की टक्कर हो गई। दुर्घटना की तीव्रता इतनी अधिक थी कि कार में सवार लोग वाहन के अंदर ही फंस गए। टक्कर की तेज आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस ने ग्रामीणों की

मदद से वाहनों में फंसे लोगों को बाहर निकालने का प्रयास किया। कुछ घायलों को समय रहते बाहर निकाल लिया गया, जबकि कार के अंदर फंसे एक छोटे बच्चे को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए बहुत मशक्कत करनी पडी जबकि इस हादसे में गुजरात निवासी पांच लोगों सहित छह लोगों की जान चली गयी।

मानसून 13 राज्यों में पहुंचा

यूपी के उन्नाव में पेड़ उखड़े, कर्नाटक में गाड़ियां बहीं

एमपी-राजस्थान के 25 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली । मानसूनी हवाओं के असर से कई मैदानी राज्यों में गर्मी कम हुई है। साथ ही प्री-मानसून के कारण कई जगह 50-60kmph रफ्तार से आंधी और तेज बारिश हो रही है। उत्तर प्रदेश के उन्नाव में मंगलवार को आंधी से कई पेड़ उखड़ गए। केरल और कर्नाटक में पिछले 4 दिनों से लगातार बारिश जारी है। मंगलवार को बेंगलुरु और बेलगावी में भारी बारिश के बाद कई सड़कों पर पानी भर गया। कुछ जगहों पर गाड़ियां पानी में बहती नजर आईं।

8 राज्यों में लू का अलर्ट

राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के कुछ इलाकों में गर्मी फिर तेज हो गई है। IMD ने आज 8 राज्यों में लू का अलर्ट दिया है। मौसम विभाग के मुताबिक 10 जून तक तापमान में और बढ़ोतरी हो सकती है। राजस्थान के श्रीगंगानगर में तापमान एक बार फिर 45°C से ज्यादा रिकॉर्ड किया गया। वहीं, दिल्ली में भी अधिकतम तापमान 43.4°C दर्ज किया गया।

वहीं राजस्थान, पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में गर्मी का असर अभी बना हुआ है। कई जिलों में हीटवेव का अलर्ट जारी है। श्रीगंगानगर का अधिकतम तापमान 45.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मानसून 5 दिन में यह 13 राज्यों तक पहुंच गया है। तेलंगाना में एंट्री कर चुका है। फिलहाल यह मुंबई से करीब 150 किमी दूर है और अगले 48 घंटे में शहर में दस्तक दे सकता है। वहीं, अगले दो दिनों में मानसून गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल और ओडिशा तक पहुंच सकता है।

पीएम मोदी के 12 साल के कार्यकाल में देश में क्या-क्या बदल गया

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने गिनाई उपलब्धियां

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए मंगलवार को कहा कि विदेश मंत्रालय और भारत की विदेश नीति में पिछले 12 वर्षों में बदलाव आया है। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई पहलों पर प्रकाश डाला। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने एक्स पर लिखा, '12 साल पहले नरेंद्र मोदी ने भारत के प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ ली थी। पिछले 'सेवा के 12 साल' में, विदेश मंत्रालय और भारत की विदेश नीति में बदलाव आया है। पासपोर्ट जारी करने और दस्तावेज के अटेस्टेशन को आम नागरिक के लिए एक आसान अनुभव बनाया गया है। विदेश में खुले दूतावासों और भारतीय समुदाय के लिए वेलफेयर फंड के ज्यादा इस्तेमाल के जरिए भारतीयों को पूरी मदद दी।' उन्होंने कहा कि शिकायत सुलझाने और फीडबैक के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म बनाए। मुश्किल हालात में लोगों को निकालने के जरिए असरदार तरीके से जवाब दिया। यूक्रेन, इजरायल, अफगानिस्तान और सूडान इसके कुछ उदाहरण हैं। भारतीयों को ग्लोबल वर्कप्लेस तक पहुंचने और ग्लोबल वर्कफोर्स का हिस्सा बनने में मदद की। अब तक 21 मोबिलिटी पार्टनरशिप की हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय व्यवसाय को विदेश में मार्केट एक्सेस दिलाने और एक्सपोर्ट बढ़ाने में मदद की। विकास परियोजनाओं के जरिए भारतीय प्रोडक्ट्स और सर्विसेज को नए मार्केट में एंट्री दिलाने में मदद की।

भारतीय विदेश मंत्री ने कहा, 'विदेश में रहने वाले भारतीय स्टूडेंट्स के लिए कल्याणकारी उपाय शुरू किए।

भारतीय विदेश मंत्री ने कहा, 'विदेश में रहने वाले भारतीय स्टूडेंट्स के लिए कल्याणकारी उपाय शुरू किए। भारतीय संस्कृति का प्रचार-प्रसार किया और अन्य देशों में हमारी विरासत और परंपराओं के प्रति सम्मान और समझ को बढ़ावा दिया। विदेश में रहने और जाने वाले भारतीयों की जरूरतों को पूरा करने के लिए 44 दूतावास और कॉन्सुलेट खोले। भारतीय डिप्लोमेसी देश के लिए 24/7 काम करती है। आज भारतीय ज्यादा विश्वास और गर्व के साथ विदेश यात्रा करते हैं। '

मेहसाणा पुलिस की नाक के नीचे करोड़ों का एडमिनिस्ट्रेशन!

एडमिनिस्ट्रेटर तरुण डाभी की तानाशाही के आगे खाकी क्यों बेबस है ?

होम मिनिस्टर हर्ष संघवी को सीधी चुनौती!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मेहसाणा। गुजरात में शराबबंदी सिर्फ कागजों पर है और जुए के अड्डे बेखौफ चल रहे हैं, इसका जीता जागता सबूत मेहसाणा जिले में देखने को मिल रहा है। 'पक्को गुजरात' के आज के सनसनीखेज खुलासे में देखिए कि कथित एडमिनिस्ट्रेटर तरुण डाभी पूरे जिले में कानून-व्यवस्था की कैसे धज्जियां उड़ा रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, इस काले धंधे में तरुण डाभी का सीधा 20' हिस्सा है और हर महीने करोड़ों रुपये की वसूली का नेटवर्क चल रहा है!

ब्लास्ट नंबर 1: बावलू और नंदासण पुलिस की हद में लाखों का जुआ!

बावलू पुलिस स्टेशन एरियाः लोर गांव में ठाकोरवास के पास खुले मैदान में रमेश ठाकोर नाम का बूटलेगर लाखों रुपये का जुआ खेलता है। क्या पुलिस को पता नहीं है या वो आंखें मूंदे हुए है?

नंदासन पुलिस स्टेशन एरियाः फ्लोर होटल के पीछे, राजपुर गांव में खास अधिकार वाले जुए का अड्डा फल-फूल रहा है। एडमिनिस्ट्रेटर तरुण डाभी के रोज़ाना 1 लाख रुपये कमाने की बात हो रही है।

ब्लास्ट नंबर 2: लांगंज और लिंच में विदेशी शराब की तस्करी!

गोजरिया रेलवे गेट (लांगंज बाउंड्री): बेचार ठाकोर नाम का एक बूटलेगर ठाकोरवास के पास बेरोकटोक अंग्रेजी शराब बेच रहा है।

भसिया गांवः यहां भी विरसंगजी ठाकोर के कहने पर ठाकोरवास में अंग्रेजी शराब का काला धंधा चल रहा है।

लिंच गांवः हाईवे के बगल में एक बोर्डवॉक के पास विदेशी शराब बेची जा रही है।

सबसे बड़ा सवालः राजस्थान कनेक्शन और होम मिनिस्टर को सीधी चुनौती?

सूत्रों से मिली बेहद चौंकाने वाली जानकारी के मुताबिक, यह पूरा नेटवर्क राजस्थान से जुड़ा है। तरुण डाभी राजस्थान के बड़े अंग्रेजी शराब बूटलेगरों के सीधे संपर्क में है और वहां से हर दिन करोड़ों रुपये की शराब गुजरात में स्मगल की जाती है। इतना ही नहीं, मेहसाणा जिले में एक बिना लिखा नियम है कि शराब उसी व्यापारी से खरीदनी होगी जिसे तरुण डाभी तय करेंगे! चर्चा तो यह भी है कि यह एडमिनिस्ट्रेटर राज्य के सख्त होम मिनिस्टर हर्ष संघवी को सीधी चुनौती दे रहा है, कह रहा है, 'जिले में सिर्फ मेरी चलेगी! '

SP और LCB PI चुप क्यों हैं?

इतने गंभीर मामलों और करोड़ों रुपये की वसूली के साम्राज्य के बावजूद, डिस्ट्रिक्ट सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस और LCB PI कोई एक्शन क्यों नहीं ले रहे हैं? क्या पुलिस एडमिनिस्ट्रेशन ने इस कथित एडमिनिस्ट्रेटर के खिलाफ पहले ही घुटने टेक दिए हैं? या यह सारा खेल कुछ बड़े आकाओं के इशारे पर खेला जा रहा है?

'महानगर मेट्रो' का ज्वलंत सवालः

क्या मेहसाणा पुलिस चीफ करोड़ों के इस एडमिनिस्ट्रेशन को आंखें मूंद लेंगे या हमेशा की तरह शराब तस्करों को आंखें मूंदकर पनाह देते रहेंगे? जनता जवाब मांग रही है।

जोजिला सुरंग की अंतिम चट्टान की खुदाई का गडकरी ने शुभारंभ किया

एजेंसी

गांदरबल। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को जोजिला सुरंग की अंतिम चट्टान की खुदाई का शुभारंभ किया। यह उपलब्धि 13.15 किलोमीटर लंबी जोजिला सुरंग के निर्माण में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। पूरा होने पर यह एशिया की सबसे लंबी द्विदिशात्मक सड़क सुरंग होगी। इस परियोजना से कश्मीर और लद्दाख के बीच हर मौसम में संपर्क सुनिश्चित होने के साथ-साथ क्षेत्र में परिवहन, पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। नेशनल हाईवेज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड के अधिकारियों के मुताबिक ये बड़ी कामयाबी तय समय से 6 महीने पहले ही हासिल कर ली गई है। इस सुरंग का निर्माण हैदराबाद की मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड 11,578 फीट की ऊंचाई पर कर रही है। 13.15 किलोमीटर लंबी सुरंग की खुदाई का 13 किलोमीटर से अधिक हिस्सा पूरा हो चुका है, जिससे यह सुरंग निर्माण के उस महत्वपूर्ण पड़ाव के करीब पहुंच गई है जहां दोनों सिरों से खुदाई के सिरे मिलते हैं।

यह उपलब्धि 13.15 किलोमीटर लंबी जोजिला सुरंग के निर्माण में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता सूरज हेगड़े को राहुल गांधी ने दी श्रद्धांजलि

बेंगलुरु। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के सचिव तथा कर्नाटक राज्य गारंटी योजनाओं की क्रियान्वयन समिति के उपाध्यक्ष रहे वरिष्ठ कांग्रेस नेता सूरज हेगड़े के निधन से कांग्रेस पार्टी में शोक की लहर है। उनके निधन पर कांग्रेस के शीर्ष नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने गहरा दुख व्यक्त किया है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी मंगलवार को बेंगलुरु पहुंचे और डॉलर्स कॉलोनी स्थित सूरज हेगड़े के आवास पर जाकर उनके पार्थिव शरीर के अंतिम दर्शन किए। राहुल गांधी ने पुष्पांजलि अर्पित कर दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि दी तथा शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने परिजनों से मुलाकात कर उन्हें इस कठिन समय में धैर्य रखने का संबल दिया।

कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए डीए में बढ़ोतरी जुलाई से लागू होगीः सीएम

एजेंसी

गुवाहाटी । असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने मंगलवार को कहा कि सरकारी कर्मचारी और पेंशनभोगी राज्य की तरक्की में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए महंगाई भत्ता (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) में 2 फीसदी की बढ़ोतरी का फैसला जुलाई से लागू होगा, जिससे इनकी दर 58 फीसदी से बढ़कर 60 फीसदी हो जाएगी। इस फैसले से राज्य भर में आठ लाख से ज्यादा मौजूदा कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को फायदा होने की उम्मीद है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इस जानकारी को साझा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार अपने कर्मचारियों और रिटायर हो चुके कर्मचारियों की भलाई और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा, 'हमारे कर्मचारी और पेंशनभोगी असम की विकास यात्रा में अहम भागीदार हैं।

टीएमसी में टकराव बढ़ाः

बागी सांसदों को कीर्ति आजाद ने बताया 'गद्दार'

एजेंसी

कोलकाता । तृणमूल कांग्रेस के सांसद कीर्ति आजाद ने पार्टी से बगावत करने वाले सांसदों को 'गद्दार' करार दिया है। उन्होंने राजनीतिक नैतिकता पर सवाल उठाते हुए दो टूक शब्दों में कहा कि अगर उनको (बागी सांसदों) को समस्या है तो उन्हें पार्टी छोड़ देनी चाहिए। पश्चिम बंगाल में हार के बाद करीब 20 सांसदों के बागी होने की चर्चाएं हैं। इस पर मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए टीएमसी सांसद कीर्ति आजाद ने कहा, 'पश्चिम बंगाल में 'मां-माटी-मानुष के नाम पर टीएमसी के 29 सांसद जीतकर आए थे। उनमें से एक का निधन हो चुका है तो 28 सांसद बचे हैं।' बागी 20 सांसदों पर भड़कते हुए कीर्ति आजाद ने कहा, 'मैं 'गद्दारों' से जानना चाहता हूं कि अगर तकलीफ हो रही थी तो तुमने चुनाव के बाद यह परेशानी क्यों जाहिर की। आपको यह परेशानी चुनावों के पहले जाहिर करनी चाहिए थी। चुनावों के बाद आपने अनेकों आरोप भी लगाए। सुखेंदु शेखर रॉय ने आरोप लगाए। वह सही हैं या गलत हैं, वो जांच का विषय है। हालांकि, नैतिकता के तौर पर उन्होंने टीएमसी से इस्तीफा दिया। अगर आपमें (बागी सांसदों) भी राजनीतिक नैतिकता है तो तुम्हें भी इस्तीफा दे देना चाहिए। ' उन्होंने कहा, 'अगर वे (भाजपा) इन लोगों (सांसदों) को ले भी लेंगे तो एनडीए पार्टी नहीं, बल्कि संगठन है। पहले यह स्पष्ट नहीं है कि आपके साथ कितने सांसद हैं। संख्या दो-तिहाई हुई है या नहीं। अगर आपके झूठ को सच भी मान लूं कि आपके पास 20-22 सांसद हैं, तो आपको भाजपा में विलय करना ही होगा। ' कीर्ति आजाद ने कहा, 'अगर आपका यही इरादा है, तो इसे खुलकर कहें, बजाय इसके कि उन कार्यकर्ताओं के साथ धोखा करें जिन्होंने पार्टी को खड़ा किया है।

बोले- 'अगर परेशानी तो छोड़ दें पार्टी'

गांधीनगर में हाई-वोल्टेज ड्रामा: BJP नेता ने बेटे के होटल के लिए शराब का परमिट मांगा, सेक्रेटेरिएट में महिला पुलिस और कमांडो के बीच झगड़ा!

गांधीनगर सचिवालय में हाई-वोल्टेज ड्रामा: बेटे के होटल के लिए शराब परमिट मांगने गए BJP नेता का हंगामा, कमांडो और महिला पुलिस में हाथापाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

गांधीनगर। राज्य की राजधानी गांधीनगर में सेक्रेटेरिएट परिसर में एक चौंकाने वाला और हाई-वोल्टेज ड्रामा सामने आया है। BJP के एक ताकतवर नेता अपने बेटे के होटल के लिए शराब का परमिट लेने की अर्जी देने गांधीनगर पहुंचे थे, जहां एक बड़े अधिकारी के मौजूद न होने के बहाने मामला गरमा गया। इसी बीच सेक्रेटेरिएट की सुरक्षा में तैनात महिला पुलिस और नेता के कमांडो के बीच जमकर मारपीट हो गई, जिससे बड़ा झगड़ा हो गया। इस घटना के बाद सरकारी ऑफिस की लॉबी में भारी भगदड़ और हंगामा मच गया। मिली जानकारी के मुताबिक, सत्ताधारी पार्टी BJP के नेता एक बड़े अधिकारी से मिलने गांधीनगर पहुंचे थे। उनके आने का मुख्य मकसद अपने बेटे के होटल के लिए शराब का परमिट लेने की प्रक्रिया में तेजी लाना था। ड्राई स्टेट माने जाने वाले गुजरात में नेताजी की शराब के परमिट के लिए यह सिफारिश चर्चा का विषय बन गई। लेकिन, जब वह ऑफिस पहुंचे तो ड्यूटी पर मौजूद कर्मचारियों ने उन्हें बाहर इंतजार करने या बाद में आने को कहा और कहा, 'सर, वह मीटिंग में हैं।' नेताजी से न मिलने देने की बात पर बखेड़ा खड़ा हो गया। 'सर, वह मीटिंग में हैं' सुनकर नेताजी और उनके साथ आए उनके समर्थक और कमांडो भड़क गए। ऑफिस के बाहर सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के लिए तैनात महिला पुलिस कर्मियों ने उन्हें रोकने की कोशिश की। इस दौरान मामला इतना बिगड़ गया कि महिला पुलिस और नेता के कमांडो आमने-सामने आ गए। दोनों पक्षों के बीच तीखी नोकझोंक शुरू हो गई, जो जल्द ही एक बड़ी लड़ाई और मारपीट में बदल गई। सेक्रेटेरिएट जैसे बेहद संवेदनशील और हाई-सिक्योरिटी जोन में कानून-व्यवस्था बनाए रखने वाले पुलिस और कमांडो के बीच हुई इस हाथापाई से दूसरे कर्मचारी और आने-जाने वाले हैरान रह गए। एक तरफ बीजेपी नेता द्वारा होटल के लिए शराब का परमिट मांगने का मामला और दूसरी तरफ सरकारी ऑफिस में ही कमांडो की दादागिरी ने राजनीतिक गर्मी पैदा कर दी है। इस चौंकाने वाली घटना के बाद, गांधीनगर पुलिस के सीनियर अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए हैं और मामले को सुलझाने के लि ब्यूरो रिपोर्ट

इको कार सड़क किनारे खड़े आयशर ट्रक से टकराई, दो महिलाओं समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साबरकांठा। साबरकांठा जिले के इदर तालुका से गुजरने वाले इदर-खेड़ब्रह्मा हाईवे पर आज एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा सामने आया है। हाईवे पर सत्यम चौराहे के पास पूरी स्पीड से आ रही एक इको कार सड़क किनारे खड़े एक आयशर ट्रक के पिछले हिस्से से टकरा गई। इस भीषण टक्कर में इको कार में सवार दो महिलाओं समेत कुल तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार, हादसा इतना जोरदार था कि इको कार के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए। हादसे के बाद इको कार का ड्राइवर इंसानियत छोड़कर तुरंत मौके से भाग गया। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के लोग और पैदल चलने वाले लोग बचाव कार्य के लिए दौड़े। घटना की सूचना मिलते ही 108 एम्बुलेंस की टीम मौके पर पहुंच गई। सभी घायलों को खून से लथपथ हालत में तुरंत इलाज के लिए इदर के सिविल हॉस्पिटल ले जाया गया। हालांकि, सभी घायलों की हालत बहुत नाजुक होने की वजह से उन्हें प्राइमरी इलाज के बाद और ज़्यादा इलाज के लिए हिम्मतनगर के सिविल हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया है। एक्सीडेंट में मारे गए लोगों की पहचान हो गई है, जिनमें माबूभाई लक्ष्मणभाई तरार (उम्र 50 साल), लीलाबेन माबूभाई तरार (उम्र 45 साल) और नीलांबेन लाधोभाई तरार (उम्र 17 साल) शामिल हैं, जो एक इको कार में सवार थे। तीनों लोगों का अभी हिम्मतनगर सिविल हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। लोकल पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर लिया है और फरार ड्राइवर की तलाश कर रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

गोविंद गुरु लिमडी के ममलतदार शैलेश प्रजापति का हार्ट अटैक से निधन हो गया।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दाहोद। गोविंद गुरु लिमडी तालुका के ममलतदार के तौर पर काम कर रहे शैलेश प्रजापति का अचानक हार्ट अटैक से निधन हो गया, जिससे पूरे दाहोद जिला प्रशासन में दुख की लहर दौड़ गई है। मिली जानकारी के मुताबिक, गोविंद गुरु लिमडी को नया तालुका घोषित किए जाने के बाद परमानेंट तौर पर पहले ममलतदार का पद संभालने वाले शैलेश प्रजापति आज सुबह ड्यूटी पर जाने के लिए अपने घर से निकले थे। इस दौरान उन्हें अचानक सीने में तेज दर्द हुआ और उनकी तबीयत बिगड़ गई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए उन्हें तुरंत नजदीकी हॉस्पिटल ले जाया गया। शुरुआती इलाज के बाद उन्हें आगे के इलाज के लिए दाहोद के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। हालांकि, इलाज के दौरान दुखद रूप से उनका निधन हो गया। शैलेश प्रजापति की अचानक मौत की खबर मिलने के बाद जिला प्रशासन में शोक की लहर दौड़ गई। घटना की जानकारी मिलने पर दाहोद जिले के प्रशासन के बड़े अधिकारी और अधिकारी अस्पताल पहुंचे और परिवार को सांत्वना दी। गोविंद गुरु लिमडी तालुका के विकास और प्रशासनिक काम में अहम भूमिका निभाने वाले अधिकारी की अचानक मौत से सरकारी कर्मचारियों, स्थानीय नेताओं और नागरिकों में दुख है। शैलेश प्रजापति के निधन से माना जा रहा है कि दाहोद जिला प्रशासन ने एक अनुभवी और समर्पित अधिकारी खो दिया है। उनके निधन की खबर से अधिकारियों और कर्मचारियों में शोक फैल गया है।

विजय उर्फ संतो को हरखोल गांव की सीमा से 1.80 लाख रुपये की विदेशी शराब के साथ पकड़ा गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नडियाद। गुजरात में शराब बैन को सख्ती से लागू करने के बीच, खेड़ा-नडियाद क्राइम ब्रांच पुलिस ने एक टिप-ऑफ के आधार पर थसरा तालुका में रेड मारकर बड़ी मात्रा में विदेशी शराब जब्त करने में कामयाबी हासिल की है। पुलिस की इस तुरंत कार्रवाई से लोकल बूटलेगरों में दहशत फैल गई है। मिली जानकारी के मुताबिक, खेड़ा-नडियाद क्राइम ब्रांच टीम को खास जानकारी मिली थी कि थसरा तालुका के हरखोल गांव की वडवाडिया सीमा में मौजूद एक खेत के कमरे में गैर-कानूनी तरीके से बड़ी मात्रा में विदेशी शराब छिपाई गई है। जानकारी के आधार पर, क्राइम ब्रांच ने बिना समय गंवाए वडवाडिया सीमा में अचानक रेड की। पुलिस की रेड के दौरान कमरे में अलग-अलग ब्रांड की विदेशी शराब की बोतलें मिलीं, जिनकी अनुमानित कीमत 1,80,000 रुपये है। इस गैर-कानूनी शराब के साथ पुलिस ने हरखोल गांव के रहने वाले विजय उर्फ संतो बलवंतभाई परमार को रंगे हाथों पकड़ा। पुलिस ने सारी शराब जब्त कर ली है और आरोपी को हिरासत में ले लिया है। पुलिस की शुरुआती पूछताछ में पता चला है कि डाकोर का बदनाम बूटलेगर राजू नवलसिंह सोलंकी भी इस शराब के काले धंधे में शामिल है। फिलहाल, राजू सोलंकी को पुलिस ने वॉन्टेड घोषित किया है और पुलिस ने उसे गिरफ्तार करने के लिए अलग-अलग टीमें बनाई हैं। क्राइम ब्रांच ने इस मामले में केस दर्ज कर लिया है और आगे की कानूनी जांच कर रही है।

रसनोल के दो बूटलेगर लाल स्विफ्ट कार से 3.24 लाख रुपये की विदेशी शराब के साथ पकड़े गए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

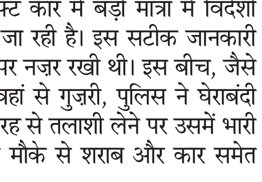

नडियाद। खेड़ा-नडियाद क्राइम ब्रांच पुलिस ने अहमदाबाद-वडोदरा नेशनल हाईवे नंबर 48 से फ़िल्मी स्टाइल में विदेशी शराब की तस्करी कर रहे आनंद ज़िले के दो बूटलेगरों का पीछा करके उन्हें पकड़ा है। पुलिस ने लाल स्विफ्ट कार से लाखों रुपये की विदेशी शराब ज़ब्त की है और कानूनी कार्रवाई कर रही है। मिली जानकारी के मुताबिक, खेड़ा-नडियाद क्राइम ब्रांच टीम को खास और गोपनीय जानकारी मिली थी कि अहमदाबाद-वडोदरा हाईवे नंबर 48 से नडियाद होते हुए पीज-पिपुलग चौराहे की ओर जा रही एक लाल स्विफ्ट कार में बड़ी मात्रा में विदेशी शराब छिपाकर आनंद की ओर ले जाई जा रही है। इस सटीक जानकारी के आधार पर क्राइम ब्रांच टीम ने हाईवे पर नज़र रखी थी। इस बीच, जैसे ही जानकारी वाली लाल स्विफ्ट कार वहां से गुज़री, पुलिस ने घेराबंदी करके उसे रोक लिया। कार की अच्छी तरह से तलाशी लेने पर उसमें भारी मात्रा में विदेशी शराब मिली। पुलिस ने मौके से शराब और कार समेत कुल 3,24,000 रुपये ज़ब्त किए हैं।

15 लाख करोड़ के मेगा स्कैम की चर्चा के बीच मार्केट में भूचाल; क्या LIC और लाखों इन्वेस्टर्स का पैसा खतरे में है?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। सालों पहले गुजरात की धरती ने देश को एक ऐसा नाम दिया था जिसने स्टॉक मार्केट के इतिहास में सनसनी मचा दी थी – हर्षद मेहता। आज एक बार फिर गुजरात का एक नाम चर्चा के सेंटर में है। राजकोट से मूल रूप से कनेक्शन रखने वाले इंडस्ट्रियलिस्ट राजेश मेहता और उनकी कंपनियों को लेकर उठे सवालों ने मार्केट, इन्वेस्टर्स और रेगुलेटरी बॉडीज़ में खूब चर्चा बटोरी है।

राजकोट से बेंगलुरु तक का सफर

1980 के दशक में राजकोट से बेंगलुरु पहुंचे जसवंतराय मेहता परिवार का बिजनेस सोने-चांदी की ज्वेलरी से शुरू हुआ था। समय के साथ इस बिजनेस ने बहुत बड़ा रूप लिया और ग्लोबल लेवल पर पहचान बनाई। लेकिन आज सफलता की इस चमक के पीछे कई गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। 15 लाख करोड़ का एम्पायर या मार्केट का भ्रम? हाल के विवादों और रेगुलेटरी जांच के बाद, कंपनी के वैल्यूएशन, शेयर प्राइस और बिज़नेस मॉडल को लेकर काफी चर्चा हो रही है। मार्केट में यह सवाल उठ रहा है कि क्या कंपनी के असल परफॉर्मेंस और स्टॉक मार्केट वैल्यूएशन में कोई बड़ा अंतर है? अगर रेगुलेटरी एजेंसियों के आरोप साबित हो जाते हैं, तो न सिर्फ कंपनी बल्कि इसमें निवेश करने वाले बड़े इंस्टीट्यूशन और लाखों छोटे इन्वेस्टर भी प्रभावित हो सकते हैं। LIC के इन्वेस्टमेंट पर सवाल देश की सबसे बड़ी इंश्योरेंस कंपनी, लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के इन्वेस्टमेंट को लेकर भी चर्चा तेज हो गई है। मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि अगर कोई बड़ी गड़बड़ी सामने आती है, तो इसका सीधा असर इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर पर पड़ सकता है। हालांकि, आखिरी नतीजा रेगुलेटरी जांच पूरी होने के बाद ही साफ होगा। SEBI के आरोप और 'हवा-हवाई कमाई' की बहस मार्केट के गलियारों में चर्चा है कि कंपनी के वैल्यूएशन, शेयरहोल्डिंग पैटर्न, रिलेटेड पार्टी ट्रांजैक्शन और फाइनेंशियल ट्रांसपेरेंसी को लेकर गंभीर सवाल पूछे गए हैं। विरोधी इसे 'हवा-हवाई कमाई' का मॉडल कह रहे हैं, जबकि कंपनी का दावा है कि सारे प्रोसेस नियमों के हिसाब से हैं।

क्या इतिहास फिर से लिखा जा रहा है?

हर्षद मेहता स्कैम के बाद देश ने सीखा कि स्टॉक मार्केट में चमकने वाली हर चीज़ सोना नहीं होती। आज, एक बार फिर, इन्वेस्टर वही सवाल पूछ रहे हैं – क्या आसमान छूते मार्केट प्राइस के पीछे कोई मज़बूत बुनियाद है.

अहमदाबाद के मेयर और स्टैंडिंग कमेटी चेयरमैन ने शाहीबाग स्वामीनारायण मंदिर में दर्शन-अभिषेक किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर के पहले नागरिक और नगर निगम के मेयर हितेश बारोट और स्टैंडिंग कमेटी चेयरमैन कमलेश पटेल ने आज पदाधिकारियों के साथ शाहीबाग में स्थित प्रसिद्ध BAPS स्वामीनारायण मंदिर का दौरा किया। पदाधिकारियों ने मंदिर में दर्शन और पूजा करके खुद को धन्य महसूस किया। मंदिर परिसर में पहुंचते ही मेयर हितेश बारोट और चेयरमैन कमलेश पटेल ने भगवान श्री स्वामीनारायण के दिव्य दर्शन किए। उसके बाद, उन्होंने पूरी दुनिया में शांति, जनकल्याण और अहमदाबाद शहर के लोगों की भलाई के लिए शास्त्रों के अनुसार भगवान नीलकंठवर्णी की मूर्ति पर पवित्र जल अभिषेक किया। इस आध्यात्मिक यात्रा के दौरान, अहमदाबाद नगर निगम के पदाधिकारियों ने BAPS के वरिष्ठ संत पूज्य ब्रह्मविहारी स्वामीजी से मुलाकात की और उनका अमूल्य आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मौके पर पूज्य स्वामीजी ने मेयर और चेयरमैन को एक यादगार तोहफ़ा दिया और शहर के विकास के कामों के लिए नगर निगम की पूरी टीम को शुभ आशीर्वाद दिया। इस दौरान नेता भगवान की भक्ति में डूबे दिखे।

प्रशासनिक दक्षता की मिसाल: भीनमाल में समय से पहले जनगणना कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भीनमाल (मुकेश सोलंकी)। स्थानीय उपखंड प्रशासन ने मुस्तैदी और उत्कृष्ट समन्वय का परिचय देते हुए भीनमाल क्षेत्र में जनगणना के महाअभियान को निर्धारित समय सीमा के भीतर शत-प्रतिशत पूरा कर लिया है। दिनांक 16 मई से शुरू हुआ यह व्यापक अभियान 9 जून को सफलतापूर्वक संपन्न घोषित किया गया। इस पूरे कार्य को सुचारु रूप से चलाने के लिए क्षेत्र के 47 राजस्व गांवों को 205 विशेष जनगणना ब्लॉकों में विभाजित किया गया था। प्रशासनिक अधिकारियों ने संभाली कमान, 203 प्रगणकों ने निभाई मुख्य भूमिका इस वृहद राष्ट्रीय कार्य को धरातल पर उतारने के लिए प्रशासन द्वारा 203 प्रगणक (एनुमरेटर्स) तैनात किए गए थे। इनके मैदानी कार्य के सटीक सुपरविजन और तकनीकी मार्गदर्शन के लिए 34 अनुभवी सुपरवाइजरों की नियुक्ति की गई थी। जनगणना कार्य की नियमित समीक्षा, प्रभावी मॉनिटरिंग और प्रशासनिक तालमेल सुनिश्चित करने में उपखंड अधिकारी मोहित कासनिया (आईएएस), तहसीलदार भीखदान चारण एवं नायब तहसीलदार मीठाराम जोशी की तिकड़ी ने मुख्य भूमिका निभाई। इन अधिकारियों के नेतृत्व में प्रत्येक स्तर पर आने वाली व्यावहारिक समस्याओं का तुरंत निराकरण किया गया। बैक-ऑफिस और कार्यालयीन व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने तथा आवश्यक कागजी व डिजिटल कार्यों को सुचारु संचालन देने में कृष्ण कुमार चौधरी ने महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाई। इसके साथ ही, जनगणना जैसे संवेदनशील कार्य में स्थानीय जनता की भागीदारी और सहयोग सुनिश्चित करने के लिए जनप्रतिनिधियों से सतत संवाद बेहद जरूरी था।

डभोई-राजपीपला स्टेट हाईवे पर धूल का राज, उड़ते मलबे के बीच हज़ारों गाड़ी चलाने वालों की जान खतरे में!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। डभोई और सथोद के बीच नर्मदा नहर पर चल रहा ड्रेन का काम गाड़ी चलाने वालों और स्थानीय लोगों के लिए बड़ी सिरदर्दी बन गया है। डभोई-शिनोर चौराहे के पास चल रहे इस डेवलपमेंट काम में ठेकेदार और ज़िम्मेदार अधिकारियों की बड़ी लापरवाही सामने आई है। काम के दौरान सड़क के चारों ओर बड़ी मात्रा में मिट्टी डाल दी गई है, लेकिन नियम के मुताबिक उस पर पानी नहीं छिड़का गया, जिससे पूरा हाईवे धूल के मलबे से भर गया है, जिससे हज़ारों गाड़ी चलाने वाले परेशान हैं। बड़े तीर्थ स्थलों को जोड़ने वाली सड़क 'डेंजर ज़ोन' बन गई है यह सड़क न सिर्फ़ डभोई और राजपीपला को, बल्कि चाणोद, करनाली और शिनोर जैसे मशहूर तीर्थ स्थलों को भी जोड़ने वाला मुख्य स्टेट हाईवे है। इस रास्ते से रोज़ाना हज़ारों छोटी-बड़ी गाड़ियां और स्त्र बसें गुज़रती हैं। अभी, उड़ती हुई असहनीय धूल के कारण इस इलाके से गुज़रना जान का खतरा बन गया है। सड़क पर उड़ती धूल की मोटी परत के कारण 'विज़िबिलिटी' ज़ीरो हो जाती है और गाड़ी चलाने वालों को सामने से आती गाड़ी भी दिखाई नहीं देती, जिससे यहाँ कभी भी कोई बड़ा हादसा होने का डर बना रहता है। पानी का एक छींटा मुसीबत से बचा सकता है,

वीरमगाम में पत्नी ने बेटे के साथ मिलकर पति को मार डाला: भतीजे के शक से खुला राज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वीरमगाम। वीरमगाम में कुछ दिन पहले सीढ़ियों से गिरकर दीपककुमार राधनपुरा की संदिग्ध मौत के मामले में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। जिसे शुरू में एक्सीडेंट माना जा रहा था, वह असल में एक बेरहमी और प्लान की गई हत्या निकली है। वीरमगाम टाउन पुलिस ने टेक्निकल और साइंटिफिक सबूतों के आधार पर जांच करके केस सुलझा लिया है।

पुलिस का शक जांच पंचनामा में खत्म हो गया

परिवार ने मृतक दीपककुमार की मौत को सीढ़ियों से गिरने से हुई नॉर्मल मौत बताकर मामले को दबाने की कोशिश की। वीरमगाम के रूत. गांधी हॉस्पिटल से बॉडी मिलते ही पुलिस सिस्टम हरकत में आ गया। जांच पंचनामा करते समय मृतक के शरीर पर घाव देखकर पुलिस को शक हुआ। इस वजह से दीपक कुमार की बॉडी को सच जानने के लिए फॉरेंसिक पैनल PM के लिए अहमदाबाद सिविल हॉस्पिटल भेजा गया। भतीजे की होशियारी से सामने आया गुनाह मृतक दीपकभाई के भतीजे राजन की होशियारी से पूरा जुर्म सामने आया है। राजन ने बताया कि उसे फोन पर बताया गया कि उसके चाचा सीढ़ियों से गिर गए हैं। लेकिन जब वह हॉस्पिटल पहुंचा तो दीपकभाई के सिर, माथे और चेहरे पर गंभीर चोटें थीं। चूंकि सीढ़ियों से गिरने पर आम तौर पर इतनी चोट नहीं लगती, इसलिए भतीजे को शक हुआ और उसने 100 और 112 पर कॉल करके पुलिस को बताया और पोस्टमॉर्टम की मांग की। PM रिपोर्ट में पता चला कि दीपकभाई को किसी भारी चीज़ से मारकर और फिर गला घोंटकर मारा गया था। पिता की हत्या की मुख्य वजह DySP तपन डोडिया के मुताबिक, हत्या की मुख्य वजह पारिवारिक झगड़ा था। मृतक दीपकभाई एक बिजनेसमैन थे और उनका 22 साल का बेटा उदय उन्हें समय पर दुकान न पहुंचने पर डांटता था। इसके अलावा, बेटे की सगाई और पिता के कर्तव्यों को लेकर भी घर में काफी नाराजगी थी। घटना वाले दिन पिता और बेटे के बीच तीखी बहस हुई, जिसमें मां दिव्यानीब ने बेटे का पक्ष लिया। गुस्से में आकर पत्नी और बेटे दोनों ने दीपककुमार पर हमला कर दिया और उसे मार डाला। वीरमगाम टाउन पुलिस ने 45 साल के दिव्यानीब और 22 साल के उदय को हिरासत में ले लिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

नगर पालिका टैक्स वसूलने में आगे, सफाई में पीछे क्यों? मानावदर वार्ड नंबर 5 की बहनें नाराज़ हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मानावदर। मानावदर नगर पालिका के वार्ड नंबर 5 में पिछले 6 से 7 दिनों से सफाई का काम पूरी तरह से रुका हुआ है। जिसकी वजह से पूरा इलाका गंदगी से भर गया है। आस-पास के लोग, खासकर महिलाएं, इस नरक जैसी हालत से बहुत परेशान हैं। सफाई न होने की वजह से सड़कों पर कचरे के ढेर जमा हो रहे हैं, और लोग सिस्टम के खिलाफ बहुत गुस्सा दिखा रहे हैं। हालात बिगड़ने पर गुस्साई महिलाओं ने अपने वार्ड मेंबर निशान थेबा से संपर्क किया। मेंबर निशान थेबा आस-पास की महिलाओं के साथ नगर पालिका ऑफिस पहुंचे। वे चीफ ऑफिसर के चैंबर में गईं और सफाई न होने की बात को लेकर ज़ोरदार तरीके से अपनी बात रखी और पूछा, 'अगर नगर पालिका समय पर टैक्स वसूलती है, तो सफाई के काम में पीछे क्यों है? महिलाओं की इस तीखी और समझदारी भरी बात के बाद नगर पालिका के चीफ ऑफिसर ने मामला सुलझाया और बहनों को शांत रखने की कोशिश की। चीफ ऑफिसर ने भरोसा दिलाया कि वे आज दोपहर खुद वार्ड का दौरा करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि मौके पर जाकर लोगों की समस्याएं सुनी जाएंगी और गंदगी की समस्या का तुरंत और पक्का समाधान निकाला जाएगा। अब देखना यह है कि नगर पालिका यह भरोसा पूरा करती है या वार्ड नंबर 5 के लोगों को गंदगी के बीच ही दिन बिताने पड़ेंगे।

संक्षिप्त न्यूज

अंधविश्वास के खिलाफ विज्ञान जत्था पहुंचा हाईकोर्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। गुजरात में बाबा बागेश्वर (धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री) के 'दिव्य दरबार' में अंधविश्वास फैलाने का मामला गरमा गया है। दरबार में कथित तौर पर भूत-प्रेत भगाने और लोगों के 'झूमने' (धुणने) के दृश्य सामने आने के बाद, 'विज्ञान जत्था' ने इसके खिलाफ कड़ा ऐतराज जताया है। जत्था का कहना है कि विज्ञान के इस युग में ऐसे सार्वजनिक कार्यक्रम अंधविश्वास को बढ़ावा देते हैं

6 बांग्लादेशी घुसपैठिए गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वलसाड। गुजरात पुलिस ने अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के खिलाफ एक बड़ी और सफल कार्रवाई करते हुए 'ऑपरेशन डेल्टा हंट' के तहत 6 बांग्लादेशी घुसपैठियों को गिरफ्तार किया है। बिना किसी वैध पासपोर्ट या वीजा के भारतीय सीमा में दाखिल हुए इन आरोपियों पर 'फॉरेनर्स एक्ट'और 'पासपोर्ट एक्ट' के तहत मामला दर्ज किया गया है। फिलहाल पुलिस यह जांच कर रही है

महंगाई की मार: गैस सिलेंडर के दाम बढ़ने से गृहणियों में भारी रोष

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबादः रसोई गैस, दूध, तेल और सब्जियों की लगातार बढ़ती कीमतों ने आम आदमी और मध्यम वर्ग का बजट पूरी तरह बिगाड़ दिया है। अहमदाबाद की गृहणियों ने बढ़ती महंगाई पर तीव्र आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा है कि सीमित आय में घर का खर्च चलाना और परिवार का पालन-पोषण करना अब बेहद मुश्किल हो गया है। सोशल मीडिया पर भी जनता सरकार से लगातार सवाल पूछ रही है। आम लोगों की मांग है कि अगर जल्द ही जरूरी चीजों के दाम कम नहीं किए गए, तो आने वाले दिनों में यह आक्रोश सड़कों पर भी देखने को मिल सकता है।

कवांट में 25 लाख के लिए सगे भाई और मां ने की युवक की हत्या

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छोटा उदेपुर/कवांट। संपत्ति और पिता के 25 लाख रुपये के रिटायरमेंट फंड के लालच में एक युवक की उसके ही सगे भाई और मां द्वारा हत्या करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। वडोदरा निवासी विजय राठवा इस फंड में अपने हिस्से की बात करने अपने पैतृक गांव खाटियावाड़ (कवांट) गए थे। वहां विवाद होने पर उनके भाई उमेश राठवा और मां दरियाबेन ने उन पर जानलेवा हमला कर दिया। मृतक की पत्नी ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ सख्त सजा की मांग की है। कवांट पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

मौत से आक्रोशित परिजनों का प्रदर्शन, कंपनी गेट पर रखा शव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। नरोदा GIDC में आग से झुलसे वर्कर रमेश परमार की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद गुस्साए परिजनों ने शव के साथ कंपनी पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया। परिवार ने प्रबंधन पर सुरक्षा मानकों की अनदेखी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किया मुख्यमंत्री हेल्पलाइन एवं शिकायत प्रबंधन प्रणाली का अवलोकन

पारदर्शी, जवाबदेह और नागरिक-केंद्रित शासन व्यवस्था को मिलेगा नया आयाम

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन एवं शिकायत प्रबंधन प्रणाली 1076 की कार्यप्रणाली, तकनीकी व्यवस्थाओं तथा शिकायतों के निराकरण तंत्र का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से विस्तृत जानकारी प्राप्त की और नागरिकों को बेहतर एवं समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम, खाद्य मंत्री श्री दयाल दास बघेल, राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा तथा कौशल विकास एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव श्री पी. दयानंद, सुशासन एवं अभिशरण विभाग

के सचिव श्री राहुल भगत, विशेष सचिव श्री रजत बंसल सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। सभी मंत्रियों ने हेल्पलाइन संचालन व्यवस्था, शिकायत प्रबंधन प्रणाली तथा नागरिकों को प्रदान की जा रही सेवाओं का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन की प्राथमिकता प्रत्येक नागरिक की समस्या का समयबद्ध और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है।

मुख्यमंत्री ने सीएम हेल्पलाइन पर कॉलर श्री पूनाराम ठाकरे से की बात

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज सीएम हेल्पलाइन सेंटर के शुभारंभ के अवसर पर सीएम हेल्पलाइन की कार्यप्रणाली अवलोकन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने हेल्पलाइन पर कॉल करने वाले कॉलर श्री पूना राम ठाकरे से खुद बात की और उनका नाम, निवास तथा समस्या की जानकारी ली । मुख्यमंत्री ने कॉल पर श्री ठाकरे को आश्वस्त किया कि जल्द ही उनकी समस्या का निराकरण हो जाएगा। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय एवं अन्य मंत्रियों ने हेल्पलाइन के माध्यम से जुड़े हितग्राहियों से बातचीत भी की। उन्होंने नागरिकों की समस्याओं और सुझावों को सुना तथा संबंधित मामलों के त्वरित निराकरण का आश्वासन दिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को प्रणाली के अंतर्गत उपलब्ध एमआईएस डैशबोर्ड, शिकायत विश्लेषण प्रणाली तथा विभिन्न विभागों के प्रदर्शन मूल्यांकन संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने डेटा आधारित निर्णय प्रक्रिया को सुशासन का महत्वपूर्ण आधार बताते हुए शिकायतों के विश्लेषण के आधार पर व्यवस्थागत सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके माध्यम से नागरिकों की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ सुनकर उनका समाधान सुनिश्चित किया जा सकेगा तथा प्रशासनिक जवाबदेही और पारदर्शिता को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सकेगा।

सुगंधित मोगरा फूलों से सजी रानी सती दादी की झांकी बनी आकर्षण का केंद्र

भक्ति की मस्ती में झूमे श्रद्धालु रामदेव बाबा रामसापीर का जम्मा आज 10 जून बुधवार को

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। श्री सत्यनारायण मंदिर समिति द्वारा पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर आयोजित 16 दिवसीय श्री नारायण महामहोत्सव के नवम दिवस नारायण भक्ति के साथ नारायणी शक्ति की आराधना का अद्भुत संगम देखने को मिला। झुंझुनू वाली रानी सती दादी का दिव्य दरबार एवं मोगरे के सुगंधित फूलों से सजी भव्य झांकी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रही।

नारायण और नारायणी भक्ति का अद्भुत संगम

समिति के कोषाध्यक्ष सुरेश अग्रवाल एवं सचिव सौरभ खंडेलवाल ने बताया कि पुरुषोत्तम मास में प्रभु भक्ति, अर्पण, समर्पण एवं सेवा भाव से आयोजित इस महामहोत्सव में प्रतिदिन भक्तिभाव का वातावरण निर्मित हो रहा है। श्री सत्यनारायण मंदिर परिसर में नारायण की भक्ति के साथ-साथ नारायणी शक्ति की आराधना से आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हो रहा है।

मंगल पाठ की सामूहिक प्रस्तुति ने बांधा समा

रानी सती दादी के मंगल पाठ का सुमधुर गायन अनीता लोहिया, अरुणा मिश्रा, प्रेमलता अग्रवाल एवं संतोष अग्रवाल ने सामूहिक रूप से किया। उनकी भक्तिमय प्रस्तुति ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। भक्ति का ऐसा अनुपम वातावरण बना कि मानो स्वयं देवियां अपने मुखारविंद से माता का गुणगान कर रही हों। श्रद्धालु भक्ति की मस्ती में झूमते हुए दादी के जयकारों से पूरा परिसर गुंजायमान करते रहे। इस अवसर पर पूर्व उपाध्यक्ष 20 सूत्रीय क्रियान्वयन समिति छत्तीसगढ़ शासन

खूबचंद पारख, नगर पालिका निगम आयुक्त अतुल विश्वकर्मा, खंडेलवाल वैश्य समाज के अध्यक्ष राजेश खंडेलवाल, सचिव दिनेश खंडेलवाल, मार्गदर्शक श्याम खंडेलवाल, कोषाध्यक्ष संजय खंडेलवाल, उदयाचल महिला मंडल अध्यक्ष साधना खंडेलवाल सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। आयोजन समिति द्वारा सभी अतिथियों का रंग-वस्त्र एवं दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया तथा सभी ने महाआरती में सहभागिता निभाई। मंदिर समिति के कार्यकारिणी सदस्य जुगल किशोर अग्रवाल एवं अशोक सिंघल ने बताया कि अध्यक्ष हरीश अग्रवाल के कुशल नेतृत्व में 16 दिवसीय भक्ति धारा निरंतर प्रवाहित हो रही है। महोत्सव के दसवें दिवस 10 जून बुधवार को अजमल घर अवतारी रामदेवरा के लोकदेवता बाबा रामदेव रामसा पीर की महिमा का गुणगान किया जाएगा। बाल व्यास हार्दिक व्यास अपनी ओजस्वी एवं मधुर वाणी से श्रद्धालुओं को रामदेव बाबा की दिव्य कथा का रसपान जम्मा के माध्यम से कराएंगे।

नवीन राशन कार्ड, स्वसहायता समूहों को ऋण चेक, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, स्वच्छता सामग्री किट प्रदान किया गया

सरकारी अस्पताल पर हमला मामले में फरार आरोपी और आश्रयदाता दामाद झब्बे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। सुशासन तिहार 2026 अंतर्गत डोंगरगांव विकासखंड के ग्राम पंचायत गोपालपुर में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किरण वैष्णव, अध्यक्ष जनपद पंचायत राजनांदगांव संजय सिन्हा, कलेक्टर जितेन्द्र यादव उपस्थित थे। इस दौरान कलेक्टर ने जनसामान्य की समस्याओं को तत्परता से सुना एवं संबंधित विभाग के अधिकारियों को निराकरण करने के निर्देश दिए। सुशासन तिहार अंतर्गत आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर ग्राम पंचायत भर्रीटोला आंको, बूचाटोला, गोपालपुर, केशोटोला, खोभा, लाममेटा, पाटेकोहरा, पेंड्रीडीह, रानीतलाब, सड़कचिरचारी एवं तेलिनबांधा कुल 15 ग्राम पंचायत के ग्रामीण शामिल हुए। ग्रामीणों से

मांग एवं शिकायतों से संबंधित कुल 1092 आवेदन प्राप्त हुए। जिनमें मांग से संबंधित 1079 आवेदन एवं शिकायत से संबंधित 13 आवेदन शामिल थे। शिविर में निराकरण योग्य आवेदनों का तत्काल निराकरण किया गया। शिविर शासन की विभिन्न जनहितकारी योजनाओं के तहत पात्र हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत अभिनंदन पत्र दिया गया। इसी तरह हितग्राहियों को नवीन राशन कार्ड, स्वसहायता समूहों को ऋण चेक, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, स्वच्छता सामग्री किट प्रदान किया गया तथा मेधावी विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। वहीं महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा गोद भराई कार्यक्रम आयोजित कर कुपोषण निवारण किट भी प्रदान की गई। शिविर में पंचायत, राजस्व, कृषि, स्वास्थ्य तथा महिला एवं बाल विकास सहित सभी विभागों की सक्रिय सहभागिता रही। शिविर में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती बिरम मण्डावी, उपाध्यक्ष जनपद पंचायत प्रशांत ठाकुर, जनपद सदस्य श्री भेष भाई साहू, श्रीमती सुनीता कंवर, श्रीमती भान बाई मण्डावी, श्रीमती उत्तरा निषाद, श्री उभेराम राम मण्डावी, श्रीमती राधिका चंद्रवंशी, एमडी ठाकुर, चन्द्रिका प्रसाद डड़सेना, रविंद्र वैष्णव, कांता साहू, एडीएम सीएल मारकण्डेय, अपर कलेक्टर प्रेम प्रकाश शर्मा, एसडीएम अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

अवैध रुप से शराब बिक्री करने वाले आरोपी के विरुद्ध पुलिस चौकी तुमडीबोड की कार्यवाही।

आरोपी का नाम - मोती वर्मा पिता डेरहाराम वर्मा उम्र 46 वर्ष साकिन नाथुनवागांव पुलिस चौकी तुमडीबोड़ जिला राजनादगांव।

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

राजनांदगांव। पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव सुश्री अंकिता शर्मा (भापुसे) के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन एंव नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती वैशाली जैन के पर्यवेक्षण में लगातार नशे के विरुद्ध अभियान चलाकर कार्यवाही की जा रही है। इसी अभियान के तहत दिनांक 09.06.2026 को चौकी तुमडीबोड़ पुलिस के द्वारा मुखबिर सुचना पर सतलुज ढाबा के बगल ग्राम नाथुनवागांव जाने का रास्ता के पास रेड कार्यवाही कर घेराबंदी कर आरोपी मोती वर्मा के कब्जे से सफेद रंग के प्लास्टिक थैला में कुल 21 पौवा शेरा देशी प्लेन शराब एवं बिक्री रकम 750/-रुपये कुल जुमला किमती 2430/रु. को गवाहो के समक्ष विधिवत् जप्त किया गया। आरोपी के विरुद्ध धारा 34(1) आबकारी एक्ट के तहत कार्यावही की गई।

अहमदाबाद के लैंड माफिया ने GIFT सिटी के पास 190 करोड़ रुपये की ज़मीन हड़पी

कौशिक वघासिया ने एक NRI बुज़ुर्ग की 18 बीघा ज़मीन के नकली कागज़ात बनाए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। जरात के सबसे चर्चित ग्रोथ सेंटर GIFT सिटी के पास करोड़ों रुपये की ज़मीन हड़पने का एक सनसनीखेज स्कैम सामने आया है। चौंकाने वाली बात यह है कि अहमदाबाद के एक आदतन लैंड माफिया कौशिक वघासिया ने एक NRI बुजुर्ग से नकली और झूठे कागज़ात के आधार पर करीब 190 करोड़ रुपये की 18 बीघा ज़मीन हड़प ली थी। पूरे मामले की हाई-लेवल जांच के बाद पूरे स्कैम का पर्दाफाश हुआ है। सूत्रों के मुताबिक, GIFT सिटी के आस-पास के इलाकों में ज़मीन की कीमतें आसमान छू रही हैं, इसलिए लैंड माफिया की नज़र इन इलाकों की कीमती ज़मीनों पर है। अहमदाबाद के लैंड माफिया कौशिक वघासिया ने विदेश में रह रहे एक रिटायर्ड NRI बुज़ुर्ग की मजबूरी का फ़ायदा उठाया, जो सालों से भारत नहीं आ पा रहे थे। आरोपियों ने साज़िश रचकर इस 18 बीघा ज़मीन के पावर ऑफ़ अटॉर्नी, विरासत की डीड और सेल डीड समेत सभी डॉक्युमेंट्स में जालसाज़ी की।ठु इस स्कैम की गंभीरता तब सामने आई जब असली मालिक, यानी NRI बुज़ुर्ग आदमी को शक हुआ कि उसकी ज़मीन में कुछ गड़बड़ियां हुई हैं। इस बारे में पुलिस और रेवेन्यू डिपार्टमेंट के बड़े अधिकारियों को अर्ज़ी दी गई और जांच की मांग की गई। जांच के दौरान जब सरकारी डॉक्युमेंट्स और रजिस्ट्री की डिटेल में जांच की गई, तो कौशिक वघासिया द्वारा पेश किए गए सभी सबूत पूरी तरह से झूठे और मनगढ़ंत साबित हुए। पुलिस ने अब इस बात की भी गहराई से जांच शुरू कर दी है कि क्या लैंड माफिया ने करोड़ों रुपये के इस ज़मीन स्कैम में सरकारी बाबुओं या किसी दूसरे लोकल एजेंट की मदद ली है। पुलिस इस मामले में कौशिक वघासिया और उसके साथियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की तैयारी कर रही है।

थाना सिटी कोतवाली राजनांदगांव पुलिस की कार्यवाही

होटल लॉज चेकिंग के दौरान सहयोग नहीं करने एवं शांति व्यवस्था भंग करने पर कैलाश लॉज के संचालक के विरुद्ध की गई प्रतिबंधात्मक कार्यवाही।

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

राजनांदगांव।पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव सुश्री अंकिता शर्मा (भा.पु.से.) के निर्देशानुसार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर (रा.पु.से.) एवं नगर पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव अलेक्जेंडर किरों (रा.पु.से.) के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी सिटी कोतवाली निरीक्षक उपेन्द्र कुमार शाह के नेतृत्व में थाना क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा असामाजिक तत्वों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में दिनांक 09.06.2026 को होटल एवं लॉज चेकिंग अभियान के दौरान पुराना बस स्टैंड स्थित कैलाश लॉज में निरीक्षण किया गया। चेकिंग के दौरान लॉज में ठहरे हुए व्यक्तियों के संबंध में जानकारी प्राप्त करने हेतु प्रवेश (एंट्री) रजिस्टर प्रस्तुत करने के लिए कहा गया। इस पर लॉज संचालक गुंजन जैन द्वारा रजिस्टर दिखाने से इंकार किया गया तथा पुलिस कार्यवाही में बाधा उत्पन्न करते हुए यह कहने लगा कि

'किसने पुलिस में शिकायत की है, उसे देख लूंगा। पुलिस द्वारा समझाइश देने के बावजूद वह आक्रोशित होकर अभद्र व्यवहार करने लगा तथा गाली-गलौज एवं धक्का-मुक्की करने पर उतारू हो गया। उसके इस कृत्य से मौके पर शांति व्यवस्था भंग होने की स्थिति निर्मित हो गई। परिस्थितियों को देखते हुए अनावेदक के विरुद्ध धारा 170 बीएनएसएस के तहत गिरफ्तार कर धारा 126 एवं 135(3) बीएनएसएस के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की गई तथा उसे कार्यपालिक मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत किया गया । जहां से उसे जेल भेज दिया गया। राजनांदगांव पुलिस द्वारा स्पष्ट किया गया है कि क्षेत्र में कानून एवं शांति व्यवस्था भंग करने वाले असामाजिक तत्वों के विरुद्ध आगे भी सख्त एवं निरंतर कार्यवाही जारी रहेगी। सराहनीय भूमिका उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी सिटी कोतवाली निरीक्षक उपेन्द्र कुमार शाह, प्रधान आरक्षक अफजल खान, लीलेंद्र पटेल, एवं थाना स्टाफ की सराहनीय भूमिका रही।

राजनांदगांव पुलिस की अपील

होटल एवं लॉज में बाहरी एवं अज्ञात व्यक्तियों का आवागमन एवं ठहराव होता है, इसलिए उनकी पहचान एवं जानकारी का सत्यापन अत्यंत आवश्यक है।

सार समाचार...

गांधीनगर में हाई-वोल्टेज ड्रामा: BJP नेता ने बेटे के होटल के लिए शराब का परमिट मांगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। राज्य की राजधानी गांधीनगर में सेक्रेटेरिएट परिसर में एक चौंकाने वाला और हाई-वोल्टेज ड्रामा सामने आया है। BJP के एक ताकतवर नेता अपने बेटे के होटल के लिए शराब का परमिट लेने की अर्जी देने गांधीनगर पहुंचे थे, जहां एक बड़े अधिकारी के मौजूद न होने के बहाने मामला गरमा गया। इसी बीच सेक्रेटेरिएट की सुरक्षा में तैनात महिला पुलिस और नेता के कमांडो के बीच जमकर मारपीट हो गई, जिससे बड़ा झगड़ा हो गया। इस घटना के बाद सरकारी ऑफिस की लॉबी में भारी भगदड़ और हंगामा मच गया। दोनों पक्षों के बीच तीखी नोकझोंक शुरू हो गई, जो जल्द ही एक बड़ी लड़ाई और मारपीट में बदल गई। सेक्रेटेरिएट जैसे बेहद संवेदनशील और हाई-सिक्योरिटी जोन में कानून-व्यवस्था बनाए रखने वाले पुलिस और कमांडो के बीच हुई इस हाथापाई से दूसरे कर्मचारी और आने-जाने वाले हैरान रह गए। एक तरफ बीजेपी नेता द्वारा होटल के लिए शराब का परमिट मांगने का मामला और दूसरी तरफ सरकारी ऑफिस में ही कमांडो की दादागिरी ने राजनीतिक गर्मी पैदा कर दी है। और मामले को सुलझाने के लिए कानूनी जांच शुरू कर दी गई है।

धोल का पुलिस की बड़ी कार्रवाई: दरबार जिन के पास हुई सनसनीखेज हत्या कुछ ही घंटों में सुलझी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

धोल। का धोलका टाउन पुलिस ने अहमदाबाद जिले के धोलका शहर में दरबार जिन के पास कल हुई बेरहमी से हुई हत्या का कुछ ही घंटों में खुलासा कर दिया है। पुलिस ने हत्या में शामिल मुख्य आरोपी को तुरंत गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया है। मिली जानकारी के मुताबिक, धोलका के दरबार जिन इलाके में राजवल्लभ सिंह उर्फ राजूभा हीरावाला नाम के एक व्यक्ति की धारदार हथियार से गर्दन पर कई वार करके बेरहमी से हत्या कर दी गई। इस दिल दहला देने वाली घटना के बाद पूरे इलाके में काफी हंगामा हुआ और कानून व्यवस्था पर सवाल उठने लगे। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस प्रशासन तुरंत एक्शन मोड में आ गया। इलाके के CCTV फुटेज, टेक्निकल एनालिसिस और प्राइवेट इन्फॉर्मर से मिली सही जानकारी के आधार पर पुलिस ने कुछ ही घंटों में आरोपी रोशनकुमार शाह (बिहार का रहने वाला) को गिरफ्तार कर लिया।

अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन का सरकारी बुलडोजर एक बार फिर गरीबों के घरों पर चला है।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की इस जानलेवा और बेरहम कार्रवाई के बाद सालों से वहां रह रहे गरीब और मिडिल क्लास परिवारों के सपनों के घर पल भर में मलबे में बदल गए। दबाव हटाने की इस कार्रवाई के दौरान लोगों की चीख-पुकार और पूरे इलाके में भारी तनाव के साथ माहौल गमगीन हो गया। रोते-बिलखते परिवारः कहां जाएंगे ये मासूम? प्रशासन की इस सख्त कार्रवाई के बीच, स्थानीय लोगों की दिल दहला देने वाली पीड़ा सामने आई है। अपने घरों को तबाह होते देख महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग फूट-फूट कर रो पड़े। लोगों ने एडमिनिस्ट्रेशन के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर करते हुए कहा, 'हम सालों से यहां रह रहे हैं, हमने अपना खून-पसीना एक करके यह घर बनाया है। एडमिनिस्ट्रेशन ने हमें दूसरा इंतज़ाम करने का भी समय नहीं दिया और हमारे सिर से छत छीन ली।' चिलचिलाती गर्मी और बदलते मौसम के बीच करीब 40 परिवार अचानक सड़क पर उतर आए, जिससे इंसानियत को शर्मसार करने वाले नज़ारे पैदा हो गए। भारी पुलिस काफिला तैनात, प्रदर्शन करने वालों को किया गया गिरफ्तार बुलडोजर की इस सख्त कार्रवाई के दौरान किसी भी अनहोनी को रोकने के लिए चांदलोडिया इलाके में कड़ी पुलिस तैनात की गई थी। स्थानीय लोगों ने एडमिनिस्ट्रेशन की इस जानलेवा पॉलिसी का कड़ा विरोध करने की कोशिश की और अधिकारियों के खिलाफ नारे लगाए। विरोध की आवाज को दबाते हुए एक के बाद एक 40 घरों को गिरा दिया। एडमिनिस्ट्रेशन इसे दबाव हटाने की कानूनी और सामान्य प्रक्रिया बता रहा है.

विपक्ष की नई हुंकार ,आईएनडीआईए गठबंधन सरकार को घेरने की तैयारी में सफल होगा?

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

> बैठक के बाद घोषित पांच बिंदुओं ने यह स्पष्ट कर दिया कि विपक्ष आने वाले संसद सत्र और राजनीतिक अभियानों में किन मुद्दों को प्रमुखता से उठाने वाला है। सबसे प्रमुख मांग केंद्रीय शिक्षा मंत्री धमेंन्द्र प्रधान के इस्तीफे की रही। विपक्ष का आरोप है कि विभिन्न प्रवेश परीक्षाओं और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े विवादों ने करोड़ों विद्यार्थियों और उनके परिवारों की चिंताओं को बढ़ाया है। शिक्षा केवल एक मंत्रालय का विषय नहीं, बल्कि देश के भविष्य का प्रश्न है।

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां सत्ता और विपक्ष दोनों ही लोकतांत्रिक व्यवस्था के दो मजबूत स्तंभ माने जाते हैं। सत्ता जहां नीतियों और योजनाओं के माध्यम से देश को दिशा देने का प्रयास करती है, वहीं विपक्ष उन नीतियों की समीक्षा कर जनता की आवाज को बुलंद करने का दायित्व निभाता है।इसी परिप्रेक्ष्य में नई दिल्ली में आयोजित आई एन डी आई ए गठबंधन की हालिया बैठक राजनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इस बैठक में विपक्षी दलों ने न केवल अपनी एकजुटता का प्रदर्शन किया, बल्कि आने वाले समय के लिए एक साझा राजनीतिक एजेंडा भी तय किया।लोकसभा चुनाव2024 के बाद से आईएनडीआईए गठबंधन कई उतार-चढ़ावों से गुजरा है।कई राजनीतिक विश्लेषकों का मानना था कि चुनाव के बाद गठबंधन की सक्रियता कम हो जाएगी, किंतु हालिया बैठक ने यह संदेश दिया है कि विपक्ष अभी भी राष्ट्रीय राजनीति में अपनी भूमिका को लेकर गंभीर है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकाजुन खड़गे की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में विभिन्न दलों के नेताओं ने देश की वर्तमान राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक परिस्थितियों पर विस्तृत चर्चा की।

बैठक के बाद घोषित पांच बिंदुओं ने यह स्पष्ट कर दिया कि विपक्ष आने वाले संसद सत्र और राजनीतिक अभियानों में किन मुद्दों को प्रमुखता से उठाने वाला है। सबसे प्रमुख मांग केंद्रीय शिक्षा मंत्री धमेंन्द्र प्रधान के इस्तीफे की रही। विपक्ष का आरोप है कि विभिन्न प्रवेश परीक्षाओं और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े विवादों ने करोड़ों विद्यार्थियों और उनके परिवारों की चिंताओं को बढ़ाया है। शिक्षा केवल एक मंत्रालय का विषय नहीं, बल्कि देश के भविष्य का प्रश्न है। जब युवा अपने भविष्य को लेकर असुरक्षित महसूस करते हैं, तब यह केवल एक प्रशासनिक चुनौती नहीं रह जाती, बल्कि राष्ट्रीय चिंता का विषय बन जाती है।

बैठक में बेरोजगारी का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। भारत आज विश्व की सबसे युवा आबादी वाले देशों में शामिल है। यह युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी पूंजी है, किंतु

रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध न होने की शिकायत लगातार उठती रही है। सरकारी आंकड़े विकास की कहानी कहते हैं तो दूसरी ओर अनेक युवाओं की बेचैनी यह संकेत देती है कि रोजगार सृजन को लेकर अभी भी व्यापक प्रयासों की आवश्यकता है। विपक्ष ने इसी प्रश्न को अपने राजनीतिक अभियान का महत्वपूर्ण आधार बनाने का निर्णय लिया है।

महंगाई भी उन मुद्दों में शामिल रही जो आम नागरिक के दैनिक जीवन को सीधे प्रभावित करते हैं। रसोई गैस, खाद्य पदार्थों, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की बढ़ती लागत मध्यम वर्ग और निम्न आय वर्ग के परिवारों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। विपक्ष का मानना है कि इस मुद्दे पर व्यापक चर्चा और ठोस समाधान की आवश्यकता है। यही कारण है कि उसने केंद्र सरकार से सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की है ताकि इन विषयों पर व्यापक सहमति और समाधान का रास्ता निकाला जा सके।

किसानों के प्रश्न भी बैठक के केंद्र में रहे। भारत की बड़ी आबादी आज भी कृषि पर निर्भर है। कृषि क्षेत्र में तकनीकी प्रगति और सरकारी योजनाओं के बावजूद किसानों की आय, लागत और बाजार से जुड़े प्रश्न समय-समय पर सामने आते रहे हैं।विपक्ष ने किसानों की समस्याओं को राष्ट्रीय बहस का हिस्सा बनाने का संकल्प व्यक्त किया है।

बैठक का एक महत्वपूर्ण पहलू चुनावी प्रक्रिया और मतदाता सूची से जुड़े मुद्दों को लेकर भी रहा। विपक्षी दलों ने चुनावी पारदर्शिता और लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता के प्रश्नों को उठाने का निर्णय लिया है। लोकतंत्र में चुनावों की विश्वसनीयता सर्वोच्च महत्व रखती है और यही कारण है कि इस विषय पर राजनीतिक दलों की संवेदनशीलता स्वाभाविक है।

राजनीतिक दृष्टि से सबसे महत्वपूर्ण संदेश यह रहा किआईएनडीआईए गठबंधन अब नियमित अंतराल पर बैठकें करेगा। हर दो महीने में बैठक आयोजित करने और अगली बैठक हैदराबाद में 8 अगस्त को करने का निर्णय इस बात का संकेत है कि विपक्ष अपनी गतिविधियों को संस्थागत स्वरूप देना चाहता है। यह केवल एक राजनीतिक बैठक नहीं, बल्कि विपक्षी दलों के बीच समन्वय को मजबूत करने की रणनीति का हिस्सा भी है।

हालांकि यह भी उतना ही सत्य है कि किसी भी गठबंधन की सफलता केवल बैठकों और प्रस्तावों से सुनिश्चित नहीं होती। जनता अंततः परिणामों, विश्वसनीयता और वैकल्पिक दृष्टिकोण को महत्व देती है। विपक्ष के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि वह केवल सरकार की आलोचना तक सीमित न रहे, बल्कि देश के सामने विकास, रोजगार, शिक्षा, कृषि और आर्थिक प्रगति का एक स्पष्ट वैकल्पिक खाका भी प्रस्तुत करे।

दूसरी ओर केंद्र सरकार लगातार यह दावा करती रही है कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है, अवसंरचना विकास अभूतपूर्व गति से हो रहा है और करोड़ों लोगों तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंच रहा है। ऐसे में आगामी महीनों में सत्ता और विपक्ष के बीच राजनीतिक बहस और अधिक तीखी होने की संभावना है।

नई दिल्ली में हुई आईएनडीआईए गठबंधन की यह बैठक इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह केवल विपक्षी दलों का जमावड़ा नहीं, बल्कि आने वाले राजनीतिक संघर्षों की रूपरेखा भी है। शिक्षा, बेरोजगारी, महंगाई, किसान और लोकतांत्रिक संस्थाओं से जुड़े प्रश्नों को केंद्र में रखकर विपक्ष ने अपनी दिशा तय कर दी है। अब देखने वाली बात यह होगी कि क्या यह साझा एजेंडा जनता के बीच व्यापक समर्थन प्राप्त कर पाता है या नहीं।

लोकतंत्र में सशक्त सरकार जितनी आवश्यक है, उतना ही आवश्यक एक सक्रिय और उत्तरदायी विपक्ष भी है। आईएनडीआईए गठबंधन की यह बैठक इसी लोकतांत्रिक परंपरा को आगे बढ़ाने का एक प्रयास है, जिसके प्रभाव आने वाले महीनों में राष्ट्रीय राजनीति में स्पष्ट रूप से दिखाई दे सकते हैं।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

संपादकीय

पहले आम को राहत

आज वैश्विक आर्थिक परिदृश्य तेजी से अनिश्चितता के भंवर में फंसता नजर आ रहा है। अमेरिका-इस्राइल व ईरान के बीच जारी संघर्ष से उपजा भू-राजनीतिक तनाव, ऊर्जा की कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि, बाधित व्यापार मार्ग से प्रभावित आपूर्ति श्रृंखला भारतीय अर्थव्यवस्था के लिये नई चुनौतियां खड़ी कर रही है। ऐसे में देश के लिये प्राथमिकता केवल विकास की गति बनाये रखना ही नहीं होनी चाहिए। सरकार का दायित्व है कि आम लोगों को महंगाई की मार से बचाने के लिये व्यावहारिक कदम भी उठाये। दरअसल, भारत के सामने केवल मध्यपूर्व में जारी संघर्ष से उपजा संकट ही नहीं है, बल्कि अंदरूनी मोर्चे पर भी कई तरह की दिक्कतें पैदा हो रही हैं। हाल ही में केंद्रीय बैंक ने देश में मानसून में कमी की आशंका जतायी है। ऐसा अल-नीनो के प्रभाव के चलते पैदा होने वाले विषम हालातों के चलते कहा गया है। जिसके चलते आगामी कुछ माह में खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि की आशंका भी व्यक्त की जा रही है। ऐसे में महंगाई में कमी आने की सूरत नजर नहीं आती। देश के कुछ अर्थशास्त्रियों का मानना है कि फिलहाल सरकार की प्राथमिकता आर्थिक विकास में वृद्धि ही है। जिसके चलते आशंका जतायी जा रही है कि इससे नागरिकों पर महंगाई का दबाव बढ़ सकता है। निस्संदेह, अर्थव्यवस्था में सुधार होना चाहिए, लेकिन वक्त की नजाकत को देखते हुए आम आदमी को महंगाई से राहत देना बेहद जरूरी है। अन्यथा आम लोगों का जीवन-यापन और अधिक कष्टकारी भी हो सकता है। यही वजह है कि कुछ अर्थशास्त्री मानते हैं कि सरकार आर्थिक विकास की प्राथमिकताओं व महंगाई नियंत्रण के प्रयासों के बीच संतुलन साधने का प्रयास करे। लेकिन पिछले दिनों पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में कई बार की वृद्धि के बाद व्यावसायिक व घरेलू एलपीजी के दामों का बढ़ना, लोगों की चिंता बढ़ाने वाला है। जाहिर बात है कि इस वृद्धि से पहले ही महंगाई से जूझते लोगों का बजट और गड़बड़ा जाएगा।

निस्संदेह, पेट्रोलियम पदार्थों की कीमत में वृद्धि के बाद कुकिंग गैस के दामों की वृद्धि आम आदमी का बजट बिगाड़ने वाली है। फलतः लोगों की क्रय शक्ति कम हो रही है। वहीं आर्थिकी में मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ने की आशंका है। इस उथल-पुथल भरे वैश्विक परिदृश्य में कुछ कारक देश की अर्थव्यवस्था को संबल देने वाले भी हैं। देश में घरेलू मांग मजबूत है, संरचनात्मक विकास में निवेश जारी है। वहीं तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था हमारी ताकत भी है। जिससे हम एक सीमा तक वैश्विक चुनौतियों का मुकाबला कर सकते हैं। लेकिन एक कड़वी सच्चाई यह भी है कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें हमारे आयात बिलों पर दबाव बढ़ा रही हैं। जिसका प्रभाव रुपये पर भी बढ़ते दबाव के रूप में सामने आया है। हालांकि, विदेशी संस्थागत निवेशकों को लुभाने के लिये केंद्रीय बैंक प्रयासरत है, लेकिन बाजार के पटरी पर आने में कुछ वक्त अवश्य लगेगा। आरबीआई का विश्वास है कि निवेश नियमों में ढील से पूंजी के प्रवाह को प्रोत्साहन मिलेगा। केंद्रीय बैंक की प्राथमिकताओं में आर्थिक स्थिरता कायम करना, रुपये को संबल देना और देश की वित्तीय प्रणाली में पर्याप्त तरलता बनाये रखना भी है। बैंक की कोशिश है कि विकास को प्रभावित किए बिना ही आर्थिक स्थिरता लाने का प्रयास हो। निस्संदेह, नीति-नियंताओं के सामने आर्थिक विकास को गति देने के साथ मुद्रास्फीति को नियंत्रित करना भी प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके लिये दोनों में संतुलन बनाने की जरूरत है। हम विकास और रोजगार को संरक्षण देते हुए महंगाई को नियंत्रित करने का प्रयास करें। जिसके लिये राजकोषीय विवेक, कमजोर वर्ग के लोगों को संबल तथा संरचनात्मक सुधार प्राथमिकता हों।

चिंतन-मनन

सच्चे साधु की पहचान

महात्मा बुद्ध ने अपने शिष्यों को दीक्षा देने के बाद कहा,तुम जहां भी जाओगे, वहां तुम्हें अच्छे और बुरे दोनों प्रकार के लोग मिलेंगे। अच्छे लोग तुम्हारी बातें सुनेंगे और सहायता करेंगे। बुरे लोग तुम्हारी निंदा करेंगे और गालियां देंगे। तब तुम्हें कैसा लगेगा? एक गुणी शिष्य ने कहा,मैं किसी को बुरा नहीं समझता। कोई मेरी निंदा करेगा या मुझे गालियां देगा तो मैं समझूंगा कि वह भला व्यक्ति है क्योंकि उसने मुझे सिर्फ गालियां ही दीं, मुझ पर धूल तो नहीं फेंकी। बुद्ध ने पूछा,और यदि कोई तुम पर धूल फेंक दे तो? मैं उसे भला ही कहूंगा क्योंकि उसने धूल ही तो फेंकी, थप्पड़ तो नहीं मारा। और यदि कोई थप्पड़ मार दे तो क्या करोगे?मैं उन्हें बुरा नहीं कहूंगा क्योंकि उन्होंने मुझे थप्पड़ ही मारा, डंडा तो नहीं मारा। और कोई डंडा मार दे तो? मैं उसे धन्यवाद दूंगा क्योंकि उसने मुझे केवल डंडे से ही मारा, हथियार से नहीं।लेकिन मार्ग में तुम्हें डाकू भी मिल सकते हैं जो तुम पर घातक हथियार से प्रहार कर सकते हैं।

तो क्या? मैं तो उन्हें दयालु ही समझूंगा, क्योंकि वे मारते ही हैं, मार नहीं डालते और यदि वे तुम्हें मार ही डालें तो? शिष्य बोला,इस जीवन और संसार में केवल दुख ही है। जितना अधिक जीवित रहूंगा उतना दुख देखना पड़ेगा। जीवन से मुक्ति के लिए आत्महत्या करना तो महापाप है। शिष्य के वचन सुनकर बुद्ध बोले-तुम धन्य हो। वास्तव में तुम सच्चे साधु हो। सच्चा साधु किसी भी दशा में दूसरे को बुरा नहीं समझता। जो दूसरों में बुराई नहीं देखता, वही सच्चा परिव्राजक होने के योग्य है। मुझे विश्वास है तुम सदैव धर्म के मार्ग पर चलोगे।

'तुझे माचिस से नहीं, अपनी कामयाबी से जला देंगे

अर्जुन सा अडिग संकल्पः आलोचकों की नकारात्मकता को बनाएं अपनी सफलता का ईंधन।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जिनके खून में शेर की खुद्दारी और दिल में जीतने का जुनून होता है, वे कभी गली के कुत्तों के सामने पत्थर उठाने के लिए नहीं रुकते। इस दुनिया का एक बहुत पुराना और कड़वा नियम है–जब तक आप भीड़ का हिस्सा बनकर एक सामान्य जीवन जी रहे होंगे, तब तक किसी को आपसे कोई आपत्ति नहीं होगी। लेकिन जैसे ही आप सफलता की पहली सीढ़ी चढ़ेंगे, वैसे ही आपके आस-पास के लोगों के दिलों में ईर्ष्या की माचिस अपने आप जल उठेगी। आपकी निंदा करना, आपके चरित्र पर कीचड़ उछालना और आपको मानसिक रूप से तोड़ने की साजिशें रचना, नकारात्मक लोगों का धंधा बन जाता है। ऐसे समय में एक कायर इंसान क्या करता है? वह सामने वाले से झगड़ने जाता है, सोशल मीडिया पर सफाइयाँ देता है, या खुद को साबित करने के लिए शब्दों को बर्बाद करता है। लेकिन जिसकी आत्मा अडिग है और जिसके इरादे लोहे जैसे मजबूत हैं, ऐसा सच्चा विजेता कभी अपने हाथ कीचड़ में नहीं गंदे करता। वह बस खामोश हो जाता है। उसकी वह खामोशी कोई लाचारी नहीं, बल्कि एक ऐसे तूफान से पहले का सन्नाटा है जो विरोधियों के पूरे साम्राज्य को उखाड़ फेंकने के लिए काफी है!

मुँह से जवाब देना ऊर्जा की बर्बादी है

जब कोई आपकी क्षमता पर शक करे या आपको नीचा दिखाने की कोशिश करे, तो उसे मुँह से पलटकर जवाब

देना आपकी दिव्य ऊर्जा की बर्बादी है। अरे, माचिस से तो छोटी-मोटी चिताएँ जलती हैं, लेकिन हमारी मेहनत का सूरज जब दोपहर में तपेगा, तब निंदा करने वालों का अहंकार अपने आप भस्म हो जाएगा। नकारात्मक लोगों को अपने शब्दों से नहीं, बल्कि अपने काम से हॉस्पिटल भेजने का हौसला रखो! रात-दिन एक करके अपनी मेहनत को इतना अद्भुत और प्रचंड बना दो कि जब आपका परिणाम सामने आए, तो वही विरोधियों के कान के पर्दे फाड़ दे। आपकी सफलता सिर्फ आपकी विजय नहीं है, बल्कि आपको पीछे धकेलने की चाह रखने वालों के लिए जिंदगी भर का एक गहरा घाव (डाम) है। जो खामोशी से अपना किरदार बुलंद करते हैं, वही कुरुक्षेत्र के मैदान में असली इतिहास रचते हैं। हमारा इतिहास और पुराण भी इस बात की गवाही देते हैं। महाभारत के कुरुक्षेत्र युद्ध से पहले और युद्ध के दौरान, अर्जुन को कदम-कदम पर ताने मारे गए, उसका अपमान किया गया और उसे मानसिक रूप से तोड़ने के कई नीच प्रयास कौरवों और कर्ण द्वारा किए गए। भरी सभा के बीच उसे 'नपुंसक' कहा गया, उसके अधिकार छीन लिए गए। लेकिन अर्जुन ने क्या किया? वह प्रतिशोध की आग में अंधा होकर गली-गली झगड़ने नहीं गया। वह भगवान श्रीकृष्ण की शरण में रहा, अपनी साधना अखंड रखी और केवल अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित किया। अर्जुन ने कभी सामने से बड़ी-बड़ी डींगें नहीं हाकीं कि 'मैं यह कर दूंगा।' उसने जब कुरुक्षेत्र के मैदान में अपने गांडीव धनुष का टंकार किया और विजय प्राप्त की, तब कौरवों की पूरी सेना और उनका झलकता हुआ अहंकार उस सफलता की प्रचंड आग में हमेशा के लिए भस्म हो गया। बदला लेने में क्या मज़ा? मज़ा तो तब है जब सामने वाला आपको हराने के सपने देख रहा हो और आप उसी की छाती पर चैंपियन बनकर खड़े हो जाएं।जलना नहीं है, इतिहास रचना है! जो लोग आपके पतन की राह देख रहे हैं, उन्हें इस बात का अहसास करा दो कि आपके डीएनए में पराजय जैसा कोई शब्द ही नहीं है। नकारात्मकता को अपनी ऊर्जा बनाओ और आलोचनाओं को अपना ईंधन। जब पूरी दुनिया आप पर हंस रही हो, तब अंदर से एक भीष्म संकल्प लो किः 'मैं बोलूँगा नहीं, मैं सीधा साम्राज्य पलटकर दिखाऊँगा। मानवता, जीवदया और सद्भावना के मार्ग पर चलते हुए भी अपने कर्म पथ पर इतने अडिग रहो कि नफ़रत करने वाले आपकी आभा देखकर अपने आप दंग रह जाएँ। जिस दिन आप मैदान जीतकर विजेता के मंच पर खड़े होंगे और आपके हाथ में सफलता की ट्रॉफी चमक रही होगी, ठीक उसी पल आपसे नफ़रत करने वाले बिना माचिस के ही जलकर राख हो जाएँगे!

इसलिए शांत रहो, कड़ी मेहनत करो और अपनी सफलता की आग से पूरे आसमान को प्रज्वलित कर दो!

विरोधी भले ही साजिशों का कुरुक्षेत्र रचें, लेकिन जब तक आपके हृदय में जीवदया, सत्य और भगवान के प्रति समर्पण है, तब तक आपका गांडीव टंकार कभी विफल नहीं होगा। किसी के पतन का कारण बनने से बेहतर है, अपने उत्थान का इतिहास रचना... यही एक सच्चे विजेता की पहचान है।

दर्शना पटेल(नेशनल मेडलिस्ट)

नेशनल अवार्ड से सम्मानित)

स्पोर्ट्स टीचर.

खामोशी का जानलेवा मूडः जब एक 'मजबूत औरत' हर दर्द पर रोने के बजाय, चुपचाप जाना सीख जाती है!

जब औरत लड़ना छोड़ दे और रिश्ते की उम्मीद खत्म हो जाए....

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जिस औरत को समाज 'मजबूत औरत' कहता है, वह पत्थर दिल पैदा करके पैदा नहीं होती। लेकिन ज़िंदगी के थपेड़े और ज़ख्म उसे ऐसी हालत में खड़ा रखते हैं जहाँ उसके अंदर की बेटी, बहन या पत्नी बदल जाती है। हाँ, वह 'मजबूत औरत' अब पहले जैसी नहीं रही। अब वह हर छोटी-छोटी बात पर आँसू नहीं बहाती, न ही खुद को सही साबित करने के लिए किसी से शिकायत करती है। अब उसने आवाज़ उठाने के बजाय, अपनी ज़िंदगी से कुछ चीज़ों और कुछ लोगों को चुपचाप जाने देना सीख लिया है। यह उसकी कमज़ोरी नहीं, बल्कि उसका सबसे जानलेवा और गंभीर मूड है।

औरत की यह खामोशी चीखने-चिल्लाने से भी ज़्यादा डरावनी होती है।

जब कोई औरत लड़ रही हो, झगड़ रही हो या रो रही हो और अपना गुस्सा ज़ाहिर कर रही हो, तो समझ लीजिए कि उसमें रिश्ते को बचाने की अभी भी उम्मीद बाकी है। लेकिन जब वह पूरी तरह शांत हो जाती है, जब उसके चेहरे पर कोई शिकायत नहीं होती, तो समझ लीजिए कि अब पानी सिर के ऊपर से गुज़र चुका है। ऐसी औरतें

किसी के सामने लड़ती नहीं, बस मुस्कुराकर पीछे हट जाती हैं। घुटन भरे माहौल और नाकाबिल मर्दों की ज़िंदगी से चुपचाप अपने हक़ छोड़ देना दुनिया का सबसे मुश्किल काम है और सिर्फ़ एक सच्ची मज़बूत औरत ही ऐसा कर सकती है। हर मज़बूत चेहरे के पीछे एक अनजान कहानी होती है। जो औरत हमें बाहर से बहुत हिम्मती, कामयाब और मज़बूत इरादों वाली लगती है, उसके पीछे एक पूरी कहानी होती है। एक ऐसी कहानी जो शायद धोखे, अकेलेपन, असहनीय मानसिक दर्द और संघर्ष के तनाव से बुनी हुई है। यह वो कहानी है जो उसने शायद पहले किसी को सुनाई होगी, लेकिन बदले में उसे सिर्फ़ मज़ाक या अनदेखी मिली होगी। लेकिन तब से, उसने तय किया है कि अब उसे अपना दर्द किसी को बताने की ज़रूरत नहीं है। वह अपने ज़ख्म खुद भरती है और मुस्कुराते हुए समाज के सामने मज़बूती से खड़ी होती है।

आज की औरतः विनम्र लेकिन आत्मनिर्भर

आज की औरत कमज़ोर नहीं है, उसने हालात को पहचानना सीख लिया है। वह समझ गई है कि जहाँ भावनाओं की कोई कीमत नहीं होती, वहाँ शब्दों को बर्बाद करना बेकार है। एक मज़बूत औरत की यह चुप्पी इस बात का सबूत है कि वह अब अपनी खुशी के लिए दूसरों पर निर्भर नहीं है। वो रोती नहीं, लड़ती नहीं, बस अपनी सेल्फ-रिस्पेक्ट के लिए चुप्पी का हथियार उठाती है और आगे बढ़ती है। ऐसी साइलेंट स्ट्रेंथ को सलाम!

लखनऊ : पुलिस भर्ती परीक्षा देने जा रही युवती से रेप की कोशिश, आरोपी ऑटो ड्राइवर गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तरप्रदेश के लखनऊ में पुलिस भर्ती परीक्षा देने जा रही युवती से एक ऑटो ड्राइवर ने रेप की कोशिश की। पुलिस ने आरोपी ऑटो ड्राइवर को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है।

लखनऊ: राजधानी लखनऊ के पारा इलाके में सोमवार तड़के पुलिस भर्ती परीक्षा देने जा रही एक युवती से ऑटो चालक ने रेप का प्रयास किया। पुलिस ने देर रात आरोपी ऑटो ड्राइवर को मुठभेड़ के बाद अरेस्ट कर लिया।

मवैया होकर पारा की तरफ मोड़ा ऑटो

पुलिस के मुताबिक, मूल रूप से लखीमपुर खीरी की रहने वाली दो युवतियां पुलिस भर्ती परीक्षा देने आई थीं और मड़ियांव स्थित अपने रिश्तेदार के घर रुकी हुई थीं। सोमवार को रायबरेली में परीक्षा होने के कारण वे तड़के करीब 3:30 बजे घर से निकलीं। दोनों पहले ऑटो से चारबाग पहुंची और वहां से आलमबाग बस अड्डा जाने के लिए दूसरा ऑटो किया। आरोप है कि इसी दौरान चालक ने उन्हें झांसा दिया कि आगे सड़क की मरम्मत चल रही है और रास्ता बंद है। इसके बाद वह मवैया होते हुए ऑटो को पारा की तरफ ले गया।

आरोपी सुनसान इलाके में ले गया ऑटो

ऑटो चालक दोनों को रामलीला मैदान के पास स्थित भट्ठे के निकट एक बेहद सुनसान इलाके में ले गया। वहां पहुंचते ही उसने ऑटो रोका और एक युवती के साथ जबरदस्ती और छेड़छाड़ करते हुए रेप का प्रयास करने लगा। इस घटना से दोनों युवतियां सहम गईं, लेकिन पीड़िता ने हिम्मत नहीं हारी। उसने विरोध करते हुए आरोपी चालक की उंगली को दांतों से चबा लिया। युवती के चीखने और उंगली कटने से घबराकर आरोपी तुरंत ऑटो लेकर मौके से फरार हो गया। इसके बाद एक राहगीर की मदद से पुलिस को सूचना दी गई। ऑटो चालक की पहचान हसीब के रूप में हुई है। वह मूल रूप से हरदोई का रहने वाला है और पारा इलाके में किराए पर कमरा लेकर रह रहा था।

200 रुपये का टिकट 2500 में बेचा! महाकाल मंदिर में भस्म आरती के नाम पर अवैध वसूली

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उज्जैन। महाकालेश्वर मंदिर से ठगी और अवैध वसूली का एक गंभीर मामला सामने आया है. मंदिर की 'भस्म आरती' के नाम पर कुछ श्रद्धालुओं से तय शुल्क से कई गुना अधिक रकम वसूलने की शिकायतें मिल रही थीं. इस पर अंकुश लगाने के लिए मंदिर प्रशासन ने खुद जमीन पर उतरकर एक बड़ा औचक निरीक्षण किया और ठगी करने वाले सिंडिकेट पर एफआईआर दर्ज कराई है. दरअसल, महाकाल मंदिर की भस्म आरती विश्व विख्यात है. जिसे देखने के लिए दूर-दूर से श्रद्धालु आते हैं. मंदिर प्रशासन ने इसके लिए शुल्क और संख्या निर्धारित की हुई है. विश्व प्रसिद्ध बाबा महाकाल के मंदिर में हर दिन डेढ़ से दो लाख श्रद्धालु आते हैं. ऐसे में मंदिर में दर्शन पूजन के नाम पर ठगी के मामले भी समाने आते रहे हैं, जिन पर अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन और मंदिर समिति लगातार कार्य कर रही है.

आधी रात को खुद जांच करने पहुंचे प्रशासक

शुक्रवार तड़के मंदिर प्रशासक सह अपर कलेक्टर प्रथम कौशिक स्वयं श्रद्धालुओं की भस्म आरती व्यवस्था का निरीक्षण करने निकले. महाकाल मंदिर में हर दिन लगभग ढाई हजार श्रद्धालु भस्म आरती देख सकते हैं. इन श्रद्धालुओं को इसके लिए ऑन लाइन और ऑफ लाइन 200 रुपये का शुल्क देना होता है. लेकिन कई बार कथाकथित लोग अपने नाम पर टिकट लेकर उसे अधिक दाम में बेच देते हैं. ऐसे ही मामलों की जांच करने के लिए समय समय पर चेकिंग की जाती है. शुक्रवार को मंदिर प्रशासक प्रथम कौशिक ने मंदिर के अन्य अधिकारी कर्मचारियों के साथ भस्म आरती व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया. मंदिर के नीलकंठ द्वार से प्रवेश कर मानसरोवर मार्ग से आने वाले श्रद्धालुओं की भस्म आरती के लिए जारी अनुमति की जांच की गई और श्रद्धालुओं से भस्म आरती व्यवस्था के संबंध में फीडबैक भी लिया गया. जांच के दौरान तीन श्रद्धालुओं द्वारा भस्म आरती अनुमति के नाम पर अतिरिक्त राशि वसूले जाने की शिकायत की गई. शिकायतकर्ताओं ने बताया गया कि उनसे 2500 प्रति व्यक्ति लेकर अनुमति बनवाई गई थी. मामले में रात्रि में ही महाकाल थाना में शिकायत दर्ज की गई, जिस पर महाकाल थाना पुलिस द्वारा वैधानिक कार्रवाई की जा रही है.

सिंगरौली के अस्पताल में सिक्योरिटी गार्ड बना 'डॉक्टर', ड्रीप लगाते हुए वीडियो बनाने पर कहा- क्या कर सकते हो तुम ?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिंगरौली। मध्य प्रदेश में स्वास्थ्य व्यवस्था की हालत किसी से छुपी नहीं है। सिंगरौली जिले के चितरंगी स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बड़ी लापरवाही देखने को मिली है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में दिख रहा है कि एक सिक्योरिटी गार्ड मरीज को ड्रिप लगा रहा है।

स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप

वीडियो वायरल होने के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। सिक्योरिटी गार्ड को ड्रिप लगाते हुए देखकर लोगों का कहना है कि यह सीधे तौर पर मरीजों की जान के खिलवाड़ा है। चितरंगी प्रदेश के पंचायत ग्रामीण विकास राज्यमंत्री राधा सिंह का गृह क्षेत्र भी है। अस्पताल की स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह से चरमराई स्थानीय लोगों का आरोप है कि चितरंगी अस्पताल की व्यवस्था पूरी तरह से चरमराई हुई है। यहां इलाज की जिम्मेदारी डॉक्टरों के बजाय गार्ड और वार्ड बॉय के भरोसे चल रही है। वहीं, डॉक्टर और जिम्मेदार स्टाफ अक्सर ड्यूटी से नदारद रहते हैं। वीडियो रिकॉर्ड करने वाले राकेश मौर्य ने जब इसका विरोध किया तो कथित तौर पर सुरक्षा गार्ड ने जवाब दिया कि क्या कर सकते हो, हटवा दो मुझे।

सोशल मीडिया पर वायरल है वीडियो

यह बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। राकेश का कहना है कि यह कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी अस्पताल में वार्ड बॉय द्वारा इंजेक्शन लगाने और ड्रिप चढ़ाने के कई वीडियो सामने आ चुके हैं, जिससे साफ है कि व्यवस्था में गंभीर खामियां बनी हुई हैं। मरीजों की जान से है खिलवाड़ मध्य प्रदेश के अस्पतालों में आए दिन सामने आती है लापरवाही अस्पताल के नर्सिंग स्टाफ के लापता रहने पर सिक्योरिटी गार्ड बन गया डॉक्टर जिम्मेदार अधिकारियों ने घटना पर साधी चुप्पी वीडियो बनाने वाले को गार्ड ने चमकाया दोपहर में गायब मिले सब सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि दोपहर करीब 2 बजे जब यह घटना हुई, उस समय ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर और जिम्मेदार स्टाफ आखिर कहां थे? और मरीजों के जीवन के साथ इस तरह का जोखिम क्यों लिया जा रहा है? स्थानीय लोग मांग कर रहे हैं कि उच्च स्तरीय जांच कर जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि स्वास्थ्य सेवाओं की यह लापरवाही आगे किसी मरीज की जान पर भारी न पड़े। हालांकि वीडियो सामने आने के बाद स्वास्थ्य महकमे में हड़कंप मच गया है। जिम्मेदार अधिकारी बोलने से परहेज करते नजर आए। ये हाल उस क्षेत्र का है, जहां से प्रदेश की पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री राधा सिंह आती हैं।

इंस्टाग्राम-फेसबुक के साइड इफेक्ट, शादी की जिद कर रहे बच्चे, मना करने पर दे रहे घर छोड़ने की धमकी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। जिले का महिला एवं बाल विकास विभाग इन दिनों एक बेहद अजीब और संवेदनशील चुनौती से जूझ रहा है। अब मामला सिर्फ चुपके से होने वाली शादियों को रोकने का नहीं रह गया है। अब लड़ाई उन नाबालिगों से है, जो सोशल मीडिया पर प्यार में पड़कर कम उम्र में ही घर बसाने की कसम खा चुके हैं।

15 साल की लड़की को हुआ प्यार

ऐसा ही एक मामला इंदौर के रंगवासा गांव से सामने आया। महज 15 साल की एक लड़की को सोशल मीडिया पर एक लड़के से दोस्ती हुई। कुछ ही दिनों में दोस्ती इस कदर परवान चढ़ी कि लड़की ने घर पर शादी का दबाव बनाना शुरू कर दिया। जब मजबूर पिता ने कानून और उम्र का हवाला दिया, तो लड़की ने घर छोड़ने की धमकी दे डाली। डरे-सहमे पिता ने तुरंत चाइल्ड मैरिज हेल्पलाइन से संपर्क किया। इसके बाद अधिकारियों ने घर पहुंचकर मोर्चा संभाला। कई दौर की काउंसलिंग के बाद लड़की को पढ़ाई और सेहत का हवाला देकर मनाया गया, तब कहीं जाकर पिता ने राहत की सांस ली। नया ट्रेंड: अब माता-पिता खुद हेल्पलाइन फोन कर अपने बच्चों की जिद से बचाने की गुहार लगा रहे हैं। सोशल मीडिया का जाल: ज्यादातर मामलों में लड़के-लड़कियों की दोस्ती फेसबुक या इंस्टाग्राम के जरिए हुई है। लिव-इन की जिद: बालिग होने का इंतजार करने के बजाय बच्चे अभी से साथ रहने की जिद पर अड़ रहे हैं। काउंसलिंग बनी हथियार: कड़े कानूनी एक्शन के बजाय अधिकारी बच्चों को प्यार से समझाकर उनका मन बदल रहे हैं। मैदान में आंगनवाड़ी: बच्चों को घर छोड़कर भागने से रोकने के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को लगातार होम विजिट के निर्देश दिए गए हैं। यह संकट किसी एक घर का नहीं है। उड़न दस्ते के प्रभारी बताते हैं कि जब वे समझाते हैं, तो बच्चे तर्क देते हैं कि वे बालिग होने तक इंतजार नहीं कर सकते। फिलहाल इंदौर पुलिस के साथ मिलकर स्कूलों और कॉलेजों में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है

मौत के मुंह से खींच लाए पुलिस के जांबाज... युवक को आया हार्ट अटैक, 5 मिनट तक CPR देकर ऐसे बचाई जान

भोपाल पुलिस कमिश्नर कार्यालय में देवेंद्र सक्सेना को आए अचानक हार्ट अटैक के बाद कांस्टेबल रंजीत रघुवंशी और मुकेश साहू ने CPR देकर उनकी जान बचाई .

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश पुलिस का एक ऐसा मानवीय और संवेदनशील चेहरा सामने आया है, जिसकी चारों तरफ जमकर तारीफ हो रही है. राजधानी भोपाल के पुलिस कमिश्नर कार्यालय में आज एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया. कार्यालय परिसर में अपनी किसी प्रशासनिक समस्या या काम से पहुंचे एक युवक को अचानक दिल का दौरा (कार्डियक अटैक) पड़ गया. युवक को तड़पता देख वहां मौजूद दो पुलिस आरक्षकों ने तुरंत मोर्चा संभाला और त्वरित प्राथमिक चिकित्सा देकर उसकी जान बचा ली. दरअसल, देवेंद्र सक्सेना नाम के एक शख्स आज किसी काम से भोपाल के पुलिस कमिश्नर कार्यालय आए हुए थे. इसी दौरान अचानक उनकी छाती में तेज दर्द उठा और वे बेसुध होकर गिरने लगे. उन्हें दिल का दौरा पड़ता देख आसपास के लोग सहम गए और परिसर में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया. रंजीत और मुकेश ने 5 मिनट तक दिया CPR देवेंद्र सक्सेना को अचेत अवस्था में देख पास ही तैनात कांस्टेबल रंजीत रघुवंशी और आरक्षक मुकेश साहू तुरंत दौड़कर उनके पास पहुंचे. दोनों

जवानों ने स्थिति की गंभीरता और मेडिकल इमरजेंसी को तुरंत भांप लिया. दोनों जवानों ने बिना वक्त गंवाए देवेंद्र को जमीन पर लिटाया और सीपीआर देना शुरू किया. दोनों आरक्षकों ने करीब 5 मिनट तक लगातार पूरी तकनीकी सटीकता के साथ देवेंद्र की छाती को पंप किया और कृत्रिम सांसें दीं. जवानों की इस कोशिश का असर हुआ और कुछ ही मिनटों में देवेंद्र सक्सेना की थमती हुई सांसें दोबारा बहाल हो गईं और उन्हें नई जिंदगी मिल गई. देखें VIDEO आरआई ने अपने वाहन से पहुंचाया अस्पताल युवक की सांसें वापस आने के बाद भी खतरा टला नहीं था, उन्हें तुरंत चिकित्सा की जरूरत थी. ऐसे में पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी आरआई जयसिंह तोमर ने अपनी तत्परता दिखाई. उन्होंने एंबुलेंस का इंतजार करने में समय बर्बाद करने के बजाय, तुरंत अपनी गाड़ी निकाली और घायल देवेंद्र सक्सेना को उपचार के लिए शहर के अनंत हॉस्पिटल पहुंचाया. अस्पताल में डॉक्टरों की टीम तुरंत उनके इलाज में जुट गई है और फिलहाल उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है.

INDIA ब्लॉक के मंथन से यूपी के लिए क्या संदेश ? अखिलेश ने राहुल से कही दिल की बात

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। इंडिया गठबंधन की बैठक में अखिलेश यादव और राहुल गांधी की सियासी केमिस्ट्री देखने को मिली. कांग्रेस के नरम तेवर अपनाए रखा तो सपा ने सख्त रुख अपनाया. अखिलेश ने कांग्रेस से बड़ा दिल दिखाने की बात कह कर 2027 के चुनाव के लिए सीट शेयरिंग का दांव चल दिया है. इंडिया ब्लॉक की सोमवार को लंबे अरसे के बाद दिल्ली में बैठक हुई. विपक्ष ने बीजेपी के खिलाफ एकजुटता का संदेश तो दिया गया, लेकिन दिल्ली के मंथन से यूपी में सियासी बिसात बिछाते सपा प्रमुख अखिलेश यादव नजर आए. अखिलेश ने कांग्रेस, खासकर राहुल गांधी को यह स्पष्ट संदेश दिया कि विपक्षी एकता तभी मजबूत रह सकती है, जब सहयोगी दलों को उनकी ताकत के अनुरूप स्थान दिया जाए. अखिलेश यादव ने डीएमके और आम आदमी पार्टी की अनुपस्थिति का मुद्दा उठाते हुए कहा कि विपक्षी खेमे से जुड़े दलों को साथ बनाए रखने की जिम्मेदारी कांग्रेस को निभानी होगी. उन्होंने संकेत दिया कि सबसे बड़ी राष्ट्रीय पार्टी होने के नाते कांग्रेस को अधिक उदार और समन्वयकारी भूमिका अपनानी चाहिए. इंडिया ब्लॉक की बैठक में अखिलेश यादव को राहुल गांधी के ठीक बगल में सीट दी गई थी. राहुल ने अखिलेश के साथ हाथ मिलाते हुए मुस्कुराते हुए तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की है. कांग्रेस का इशारा सपा के मिलकर चुनाव लड़ने के लिए है. सपा प्रमुख ने कांग्रेस से अपील की है कि वह बड़ा दिल दिखाए. अखिलेश के इस बयान को 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और सपा की सीट शेयरिंग से जोड़कर देखा जा रहा है. इंडिया ब्लॉक की बैठक में राहुल और अखिलेश यादव की सियासी केमिस्ट्री देखने को मिली, जो इस बात के संकेत है कि कांग्रेस और सपा मिलकर 2027 के चुनावी मैदान में उतरेंगी. अखिलेश यादव ने जिस तरह कांग्रेस से बड़ा दिख दिखाने की बात कहते हुए सियासी दांव चला. उत्तर प्रदेश का उदाहरण देते हुए कांग्रेस को पिछले लोकसभा चुनाव का गणित भी याद दिलाया.

कौशांबी में हेड कॉन्स्टेबल की करंट लगने से मौत, बाथरूम में मिला शव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कौशांबी। उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले में सैनी थाने में तैनात हेड कॉन्स्टेबल निरंजन कुशवाहा (40) की कथित तौर पर करंट लगने से मौत हो गई. उनका शव थाना परिसर स्थित आवासीय क्वार्टर के बाथरूम में मिला. परिजनों द्वारा संपर्क न होने पर पुलिस मौके पर पहुंची और बंद बाथरूम का दरवाजा तोड़ा. उन्हें सिराथू सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया. कौशांबी जिले के सैनी थाना क्षेत्र में तैनात एक हेड कॉन्स्टेबल की करंट लगने से संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई. एक एजेंसी के मुताबिक मृतक की पहचान 40 वर्षीय निरंजन कुशवाहा के रूप में हुई है, जो थाना परिसर स्थित आवासीय क्वार्टर में रहते थे. उनका शव मंगलवार को उनके कमरे के बाथरूम में मिला. जानकारी के मुताबिक निरंजन कुशवाहा के परिजन सुबह से लगातार उन्हें फोन कर रहे थे, लेकिन कई बार कॉल करने के बावजूद उनसे संपर्क नहीं हो सका. इसके बाद परिजनों ने सैनी थाने को सूचना दी. सूचना मिलते ही पुलिसकर्मी उनके आवास पर पहुंचे. कमरे के बाथरूम का दरवाजा अंदर से बंद था, जिसे तोड़कर पुलिस अंदर दाखिल हुई. वहां निरंजन कुशवाहा फर्श पर पड़े मिले.

2011 बैच के कॉन्स्टेबल थे निरंजन

पुलिस उन्हें तत्काल सिराथू सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंची, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. प्रारंभिक जांच में बाथरूम के दरवाजे में करंट आने की आशंका जताई जा रही है, जिसके कारण उनकी मौत हुई हो सकती है.

C के डिब्बो में छिपाई थी नशे की खेप! संभल पुलिस ने बरामद किया 1.60 करोड़ का केमिकल, 4 तस्कर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उत्तर प्रदेश। संभल में पुलिस और एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने नशे के कारोबार पर बड़ा प्रहार करते हुए 1.60 करोड़ रुपये का प्रतिबंधित केमिकल बरामद किया है। एसी और कंप्रेसर से भरे दिखने वाले कंटेनर में प्रतिबंधित केमिकल रखा गया था। इस केमिकल का इस्तेमाल खतरनाक मादक पदार्थ तैयार करने में किया जाता है। पुलिस की कार्रवाई में चार तस्कर गिरफ्तार हुए हैं। संभल-गवां मार्ग पर दबोचा गया कंटेनर एएनटीएफ लखनऊ-बरेली यूनिट और कैला देवी थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि मेरठ की ओर से आ रहा एक कंटेनर प्रतिबंधित रसायन की तस्करी कर रहा है। सूचना मिलते ही संयुक्त टीम ने रामपुर, संभल-गवां मार्ग पर जियो पेट्रोल पंप के सामने घेराबंदी कर वाहन को रोक लिया। तलाशी के दौरान कंटेनर में रखे एसी और कंप्रेसर के बक्सों के बीच 10 प्लास्टिक ड्रम बरामद हुए। इनमें 628.65 किलोग्राम एसीटिक एनहाइड्राइड छिपाकर रखा गया था।

नशे की फैक्ट्रियों का कच्चा माल

पुलिस के अनुसार बरामद प्रतिबंधित केमिकल की कीमत करीब एक करोड़ 60 लाख रूपये है। एसीटिक एनहाइड्राइड एक नियंत्रित रसायन है। इसका इस्तेमाल स्मैक, हेरोइन और अन्य मादक पदार्थों के निर्माण में किया जाता है। बिना वैध अनुमति इसके परिवहन और भंडारण पर प्रतिबंध है। पूछताछ में खुला तस्करी का तरीका गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि वे लोग इस केमिकल को खरीदते थे और ट्रांसपोर्ट वाहनों में सामान के बीच छिपाकर अलग-अलग स्थानों तक पहुंचाते थे। इसके बाद इसे ऊंचे दामों पर बेचकर मुनाफा आपस में बांट लेते थे। पुलिस को आंशका है कि इस नेटवर्क के तार कई जिलों और राज्यों तक जुड़े हो सकते हैं।

आपराधिक इतिहास ने बढ़ाई चिंता

गिरफ्तार आरोपियों में कुछ के खिलाफ पहले से हत्या के प्रयास, डकैती, गैंगस्टर एक्ट, एनडीपीएस एक्ट, आर्म्स एक्ट, गोकशी और अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। इससे साफ है कि यह कोई साधारण तस्करी का मामला नहीं बल्कि संगठित अपराध से जुड़ा नेटवर्क हो सकता है। गिरफ्तार तस्करों की पहचान संभल के रहने वाले मदनपाल, बरेली के रहने वाले राजपाल, संभल के रहने वाले मोहम्मद नाजिम और बदायूं के रहने वाले शोएब के रूप में हुई है। पकड़े गए तस्कर संभल,बदायूं और बरेली जिले के रहने वाले हैं।

मीट की दुकानें वाराणसी शहर से आउट, कारोबारी बोले- अब तो चेकिंग के नाम पर शोषण होगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वाराणसी। उत्तरप्रदेश के वाराणसी में शहर के भीतर संचालित मीट, मांस और मछली की दुकानों को बाहरी क्षेत्रों में स्थानांतरित करने के नगर निगम के फैसले का कारोबारियों ने विरोध शुरू कर दिया है. व्यापारियों का कहना है कि इससे उनकी रोजी-रोटी प्रभावित होगी और ग्राहकों को भी परेशानी होगी. वहीं नगर निगम इसे शहर के विकास, स्वच्छता और बेहतर व्यवस्थापन की दिशा में उठाया गया कदम बता रहा है. वाराणसी में नगर निगम की ओर से शहर सीमा के अंदर मीट मांस और मछली की दुकानों पर प्रतिबंध लगने और शहर से बाहर शिफ्ट करने के आदेश से हलचल है.इस आदेश को मीट मांस कारोबारी अन्यायपूर्ण निर्णय बता रहे हैं. उनका कहना है कि कई पीढ़ियों से किए जाने वाले इस कारोबार के अलावा उनके पास कमाई का कोई दूसरा विकल्प नहीं है.ऐसे में सरकार उनको शहर से बाहर करती है तो इसका उनके रोजी-रोटी पर बुरा असर पड़ेगा और तो और अभी से यह दिखने भी लगा है. मीट कारोबारियों ने बताया कि उनके आधे से ज्यादा कस्टमर हिंदू हैं और वह भी दुकानों को शहर के बाहर शिफ्ट करने के फैसले से नाराज हैं.स्थानीय मुसलमानों ने वाराणसी नगर निगम के निर्णय को गलत ठहराया और बताया कि बड़ी मीट कंपनियों को फायदा पहुंचाने के लिए इस तरह के निर्णय लिए गए हैं. एक ने बताया कि इससे न केवल पुलिसिया उत्पीड़न बढ़ेगा, बल्कि जगह-जगह पर चेकिंग और गाय के मांस के नाम पर वसूली भी शुरू हो जाएगी. बता दें कि हाल में धार्मिक और आध्यात्मिक पहचान रखने वाले काशी शहर में मीट,मांस और मछली के कारोबार को लेकर अहम निर्णय लिया गया है. नगर निगम की साधारण सभा की बैठक में

शहर के अंदर संचालित इन दुकानों को चरणबद्ध ढंग से नगर सीमा के बाहर स्थानांतरित करने पर सहमति बनी है. मैदागिन स्थित टाउनहाल में महापौर अशोक कुमार तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक के दौरान इस प्रस्ताव पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया.सदन में शहर के विकास, अतिक्रमण हटाने, स्वच्छता व्यवस्था और जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई, जिनमें मीट, मांस और मछली बाजारों को शहर के बाहरी हिस्सों में व्यवस्थित करने का मुद्दा प्रमुख रहा. नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने सदन को बताया कि योजना के पहले चरण के तहत पांच स्थानों की पहचान कर ली गई है. इनमें रामनगर, सूजाबाद, गणेशपुर, अवलेशपुर और शिवपुर क्षेत्र शामिल हैं. ये सभी स्थान शहर की बाहरी परिधि के करीब स्थित हैं, जिससे लोगों को खरीदारी के लिए किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा.

दिल्ली की सड़कों को 'डस्ट-फ्री' बनाने की तैयारी... सरकार प्रदूषण और धूल रोकने के लिए बनाएगी ग्रीन बेल्ट,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। सरकार अब सड़कों की देखभाल वैज्ञानिक तरीके से करेगी. मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को बताया कि दिल्ली में पहली बार एक खास सिस्टम बनाया जा रहा है जिसका नाम है रोड एसेट मैनेजमेंट सिस्टम यानी RAMS. इसके लिए सरकार ने दो बड़े संस्थानों के साथ करार किया है. टूटीसड़कों की हालत हम सब जानते हैं. जगह-जगह पानी भरना, धूल और धुआं.. ये सब बड़ी समस्याएं हैं. अब तक सड़कों की मरम्मत जब टूट जाती थी तब होती थी. यानी पहले टूटो, फिर ठीक करो. लेकिन अब दिल्ली सरकार इस पुराने तरीके को बदलना चाहती है. RAMS यानी रोड एसेट मैनेजमेंट सिस्टम दिल्ली की हर सड़क का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करेगा. सोचिए जैसे हर इंसान का मेडिकल रिकॉर्ड होता है, वैसे ही अब हर सड़क का रिकॉर्ड होगा. यह सिस्टम बताएगा कि कौन सी सड़क की हालत कैसी है, कहां मरम्मत की जरूरत है, और किसे पहले ठीक करना चाहिए. यानी अब काम डेटा के आधार पर होगा, अंदाजे से नहीं. दो बड़े संस्थानों से करार इस काम के लिए दिल्ली सरकार ने दो संस्थानों के साथ Mo यानी समझौता किया है. पहला है CSIR-CRRI यानी केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान. यह संस्था सड़क बनाने की तकनीक, सड़क की सेहत और सुरक्षा जैसे तकनीकी मामलों में मदद करेगी. दूसरा है SPA यानी स्कूल ऑफ़ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर. यह शहर के नजरिए से सड़कों की डिजाइन, हरियाली, सार्वजनिक जगहों को बेहतर बनाने में मदद करेगी. धूल और प्रदूषण से लड़ाई मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि इस पूरे प्रोजेक्ट का एक बड़ा मकसद दिल्ली की सड़कों को धूल से मुक्त करना है. इसके लिए सड़कों के किनारे वैज्ञानिक तरीके से हरे बेल्ट यानी पेड़-पौधे लगाए जाएंगे. खासतौर पर वही पौधे लगाए जाएंगे जो दिल्ली के मौसम में आसानी से उगते हैं और ज्यादा धूल रोक सकते हैं.

प्रोफेसर, CBI अधिकारी बता महिला वकील को दिया शादी का झांसा, 12 लाख रुपये ठगे; आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। सेंट्रल यूनिवर्सिटी में खुद को प्रोफेसर और CBI अधिकारी बताकर महिला वकील को शादी का झांसा देने, उससे लाखों रुपये ठगने और शारीरिक संबंध बनाने के आरोप में तिमारपुर थाना पुलिस ने आरोपी को नोएडा से गिरफ्तार किया है. आरोपी की पहचान गौरी शंकर गौर के रूप में हुई है. शुरुआती जांच में पता चला है कि वह कई युवतियों को इसी तरह अपना शिकार बना चुका है. उसके खिलाफ दिल्ली, नोएडा और चंडीगढ़ समेत विभिन्न स्थानों पर चार से अधिक मामले दर्ज बताए जा रहे हैं. पुलिस से बचने के लिए आरोपी लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था. उसकी गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित की गई थी। रविवार को उसे नोएडा से गिरफ्तार कर लिया गया। फिलहाल आरोपी को एक दिन की पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस को आशंका है कि जांच में और भी पीड़ित सामने आ सकते हैं। जानकारी के मुताबिक पीड़िता पेशे से अधिवक्ता है और तीस हजारी कोर्ट में प्रैक्टिस करती है। उनकी मुलाकात मई 2025 में एक मैरिज वेबसाइट के जरिए आरोपी से हुई थी। आरोपी ने खुद को एक सेंट्रल यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर बताया और दावा किया कि उसकी पहली पत्नी की कोविड काल में मृत्यु हो चुकी है और उसकी कोई संतान नहीं है। जून 2025 में वह पीड़िता के पैतृक घर भी गया और परिवार का विश्वास जीत लिया। बाद में उसने ग्रेटर नोएडा स्थित अपना फ्लैट दिखाया और कई शहरों में कोचिंग संस्थान चलाने का दावा किया। 20 जुलाई 2025 को दोनों की सगाई भी हुई।

11.72 लाख की ठगी का आरोप

पुलिस को दी शिकायत में पीड़िता ने बताया कि उसने अपनी बीमार मां, जमीन की रजिस्ट्री, कोर्ट सेटलमेंट और अन्य जरूरतों का हवाला देकर पीड़िता, उसके भाई और रिश्तेदारों से करीब 11.72 लाख रुपये हासिल कर लिए। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी लगातार नई-नई शादी की तारीख देता रहा, लेकिन हर बार कोई न कोई बहाना बनाकर उसे टाल देता था। 1 मई 2026 को पीड़िता को पता चला कि आरोपी पहले से शादीशुदा है आरोप है कि आरोपी की पत्नी ने खुद फोन कर यह जानकारी दी और उसके अन्य महिलाओं से संबंधों के बारे में भी बताया।

आप नेता संजीव अरोड़ा के दिल्ली-यूपी समेत 6 ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

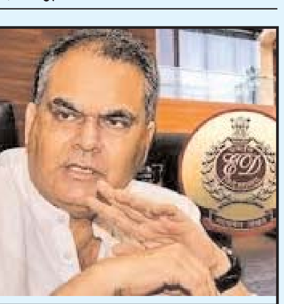

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के नेता संजीव अरोड़ा के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने मंगलवार सुबह अरोड़ा के दिल्ली, यूपी, पंजाब समेत 6 ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत चल रही जांच के सिलसिले में की जा रही है। प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने मंगलवार सुबह पंजाब के लुधियान और जालंधर, उत्तर प्रदेश के बरेली, दिल्ली-नोएडा में कुल 6 जगहों पर छापेमारी कर सर्च ऑपरेशन शुरू किया। जांच एजेंसी जिन परिसरों की तलाशी ले रही है, उनमें मामले से जुड़े व्यक्तियों और संस्थाओं के आवास तथा व्यावसायिक कार्यालय शामिल हैं।

हैम्पटन स्काई रियल्टी लिमिटेड से जुड़ा है मामला

जानकारी के मुताबिक, यह कार्रवाई हैम्पटन स्काई रियल्टी लिमिटेड से जुड़े कथित वित्तीय लेन-देन और मनी लॉन्ड्रिंग की जांच का हिस्सा है। नोएडा और ग्रेटर नोएडा में भी ईडी की टीम दस्तावेजों और डिजिटल रिकॉर्ड की जांच कर रही है। फिलहाल ईडी की ओर से छापेमारी को लेकर विस्तृत आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। ईडी की छापेमारी को लेकर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा, 'ईडी आज पंजाब में हिंदू व्यापारियों के यहां फिर से छापेमारी कर रही है। प्रवर्तन निदेशालय पंजाब में छोटे हिंदू व्यापारियों को परेशान कर रही है। मैं सभी व्यापारियों से अपील करता हूं - घबराने की कोई जरूरत नहीं है, पूरा पंजाब और पंजाब सरकार आपके साथ है, हम सब मिलकर ED का सामना करेंगे।

'क्या अपने अंतिम संस्कार का न्योता भेजूं?', रिटायर्ड जस्टिस का दर्द, पूरे परिवार को मारने की सुपारी किसने दी?

दाऊदी बोहरा उत्तराधिकार मामले में फैसला सुनाने वाले रिटायर्ड जस्टिस गौतम पटेल ने सनसनीखेज दावा किया है कि उन्हें और उनके परिवार को लगातार जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दाऊदी। बोहरा उत्तराधिकार विवाद से जुड़े मामले में 2024 में आए फैसले को लेकर रिटायर्ड जस्टिस गौतम पटेल को पिछले कुछ महीनों में कई धमकियां मिली हैं. धमकियों के अलावा, इस साल अप्रैल में लंदन में उनकी बेटी पर हमला भी हुआ था. रिटायर्ड जस्टिस भी फिलहाल लंदन में हैं. अप्रैल 2024 में, जस्टिस पटेल ने सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन को दाऊदी बोहरा समुदाय के 53वें दाई अल-मुल्क (नेता) के रूप में बरकरार रखा था, साथ ही यह भी कहा था कि उनकी नियुक्ति वैध थी. बॉम्बे बार एसोसिएशन ने बार-बार मिल रही धमकियों की निंदा करते हुए एक प्रस्ताव जारी किया है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है. हालांकि, इंडिया टुडे टीवी की विद्या से बात करते हुए जस्टिस पटेल ने कहा कि हमले और धमकियों पर एक्शन की जगह हर अधिकारी एक-दूसरे पर दोष मढ़ रहा है. उनसे हुई बातचीत के कुछ अंश- जस्टिस पटेल - मेरी पत्नी को सबसे पहले सितंबर में मुंबई में धमकी मिली थी. हमने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, मैंने भी शिकायत दी. मुझे सिक्योरिटी दी गई लेकिन 22 अप्रैल 2026 तक कुछ नहीं हुआ. मेरी बेटी पर उसके घर के ठीक बाहर हमला हुआ. हुडी पहने एक नकाबपोश व्यक्ति ने उसके चेहरे पर बार-बार घूंसे मारे. उसकी नाक टूट गई और वह जमीन पर गिर पड़ी. अब 5 जून को हमें एक पत्र मिला जिसमें लिखा था कि हमने मांगों का पालन नहीं किया है और अब हमें परिणाम भुगतने होंगे. उसमें लिखा था कि अगला कदम मेरे और मेरे परिवार के लिए अंतिम संस्कार (मार डालने की धमकी) होगा. यह अविश्वसनीय है. सवाल - धमकियों में क्या कहा गया था जस्टिस पटेल - सितंबर में मिली धमकी में दो-तीन बातें कही गई थीं. पहली, कि वे दाऊदी बोहरा समुदाय के भीतर एक शक्तिशाली संगठन हैं. दूसरी, कि उत्तराधिकार मामले में हारने वाले पक्ष, वादी द्वारा दायर अपील से उन्हें कोई लेना-देना नहीं है. लेकिन वे चाहते हैं कि मैं 'यूट्यूब के हाई कोर्ट' में जाऊं और एक वीडियो बनाकर अपने फैसले से मुकर जाऊं. यह बेतुका है. फैसले से मुकरने की कोई अवधारणा ही नहीं है.

एकनाथ शिंदे बनाम देवेंद्र फडणवीस, नवी मुंबई एयरपोर्ट के एक मिस इन्वाइट से खुलकर सामने आई महायुति की दरार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र में एक बार फिर महायुति के बीच खुलकर तनाव सामने आया है। विवाद नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक हाई-प्रोफाइल कार्यक्रम के निमंत्रण को लेकर हुआ। इस कार्यक्रम के आमंत्रण ने महाराष्ट्र के सत्ताधारी महायुति गठबंधन के भीतर अंदरूनी तनाव के बारे में नई अटकलों को जन्म दिया है। महाराष्ट्र स्थापना दिवस पर एयरपोर्ट पर छत्रपति शिवाजी महाराज की 20 फुट ऊंची प्रतिमा के अनावरण समारोह आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री और शहरी विकास मंत्री एकनाथ शिंदे को आमंत्रित नहीं किया गया था। दिलचस्प बात है कि एकनाथ शिंदे का मंत्रालय ही सीधे CIDCO की देखरेख करता है। मतलब सिडको एकनाथ शिंदे के मंत्रालय के अंडर आता है। सिडको इस प्रोजेक्ट से जुड़ी प्रमुख एजेंसियों में से एक है और उन्होंने अपने ही मंत्रालय के मंत्री को आमंत्रण नहीं भेजा। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, रायगढ़ की पूर्व प्रभारी मंत्री अदिति तटकरे और वन मंत्री गणेश नाइक शामिल हुए। सूत्रों का कहना है कि एकनाथशिंदे को इस कार्यक्रम के बारे में जानकारी नहीं दी गई थी, जबकि डिप्टी सीएम सुनेत्रा पवार का नाम भी मेहमानों की लिस्ट में शामिल नहीं था।

शिंदे गुट ने जताई नाराजगी

इस घटना से राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। एकनाथ शिंदे गुट की शिवसेना के नेताओं का आरोप है कि यह जानबूझकर किया गया था। राज्य मंत्री संजय शिरसाट ने इस पर कड़ी नाराजगी जताई और कहा कि प्रशासन का एक हिस्सा राजनीतिक दबाव में काम कर रहा है और इस प्रोजेक्ट का श्रेय नहीं देना चाहता। इस मुद्दे ने विपक्ष को भी हथियार दे दिया है। शिवसेना के MLC अंबादास दानवे ने सत्ताधारी गठबंधन में शिंदे की स्थिति का मज़ाक उड़ाया और इस घटना का इस्तेमाल महायुति सहयोगियों के बीच बढ़ती दरार को उजागर करने के लिए किया। दानवे ने कहा कि नवी मुंबई ठाणे ज़िले में आता है और शिंदे वहां के गार्जियन मिनिस्टर हैं।

हादसे के पीछे हत्या की साजिश! पत्नी, प्रेमी और सुपारी किलर ने रचा इंजीनियर के मर्डर का खेल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र । कराड में जलसंपदा विभाग के इंजीनियर की मौत ने अब एक ऐसे सनसनीखेज मर्डर केस का रूप ले लिया है, जिसने पूरे इलाके को हिला कर रख दिया है. पहले इसे सड़क हादसा माना गया, लेकिन पुलिस जांच में पत्नी, प्रेमी और सुपारी किलर की खौफनाक साजिश सामने आई है. CCTV, मोबाइल लोकेशन और फॉरेंसिक सबूतों के आधार पर पुलिस ने इस ब्लाइंड मर्डर केस की गुत्थी सुलझा ली है. देखिए कराड से हमारी ये खास रिपोर्ट.

कार से मर जाने तक रौंदा

जलसंपदा विभाग में कार्यरत इंजीनियर 54 साल के लक्ष्मण श्रीरंग मंडले 6 जून की सुबह मुंबई से कराड पहुंचे थे.सुबह करीब 5 बजकर 20 मिनट पर ट्रैवल्स बस से उतरने के बाद वो अपने घर की तरफ जा रहे थे, तभी पीछे से तेज रफ्तार अल्टो कार आई और उन्हें जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर इतनी भयानक थी कि लक्ष्मण मंडले की मौके पर ही मौत हो गई. शुरुआत में मामला सड़क हादसे का लग रहा था लेकिन कराड शहर पुलिस को इस घटना में कुछ गड़बड़ी नजर आई.पुलिस ने CCTV फुटेज, मोबाइल लोकेशन, तकनीकी विश्लेषण और फॉरेंसिक सबूतों के आधार पर जांच शुरू की और फिर जो सच सामने आया उसने हर किसी को चौंका दिया. जांच में खुलासा हुआ कि मृतक की पत्नी सारिका मंडले का साल 2023 से प्रथमेश थोरात नाम के युवक के साथ प्रेम संबंध था.पुलिस के मुताबिक, पति को रास्ते से हटाने के लिए पत्नी ने अपने प्रेमी और उसके साथी के साथ मिलकर मौत की साजिश रची. बताया जा रहा है कि हत्या को अंजाम देने के लिए खास तौर पर एक अल्टो कार खरीदी गई थी. पत्नी ने ही दी थी तीन लाख की सुपारी 6 जून की सुबह आरोपियों ने लक्ष्मण मंडले की लोकेशन ट्रैक की और सुपर मार्केट इलाके में पीछे से कार चढ़ाकर उन्हें कुचल दिया.पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि पहली टक्कर के बाद आरोपियों को शक हुआ कि लक्ष्मण मंडले अभी जिंदा हैं इसलिए उन्होंने दोबारा कार चढ़ाकर उनकी हत्या कर दी ताकि कोई सबूत या बचने की गुंजाइश न रहे. इस पूरे मर्डर प्लान के लिए तीन लाख रुपये की सुपारी दिए जाने की बात भी सामने आई है.हालांकि हत्या की कुल डील कितने में हुई थी.इसकी जांच अभी जारी है. मामले में पुलिस ने पहले मृतक की पत्नी सारिका मंडले और उसके भाई संग्राम चव्हाण को हिरासत में लिया. इसके बाद पूछताछ और तकनीकी जांच के आधार पर प्रथमेश थोरात और उसके साथी आकाश अशोक हेनसुरे को भी गिरफ्तार कर लिया गया.

राज्यसभा चुनाव : छगन भुजबल की एक शर्त से निकली राजेंद्र जैन की लॉटरी, सुनेत्रा पवार ने मानी प्रफुल्ल पटेल की सलाह

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र की सीएम सुनेत्रा पवार के इस्तीफे के कारण खाली हुई राज्यसभा सीट के लिए एनसीपी ने पूर्व एमएलसी राजेंद्र जैन ने सोमवार को नामांकन खिल किया। विपक्षी महाविकास आघाडी ने अपना उम्मीदवार नहीं उतारा है, इसलिए राजेंद्र जैन का निर्विरोध राज्यसभा सदस्य चुना जाना भी तय हो गया है। केंद्रीय चुनाव आयोग चुनाव परिणाम की आधिकारिक घोषणा 18 जून को करेगा। इस सीट के लिए एनसीपी के मंत्री छगन भुजबल ने दावेदारी की थी, मगर उनकी एक शर्त के कारण राजेंद्र जैन की लॉटरी निकल गई। इस दावों के बीच प्रफुल्ल पटेल ने अपने कैंडिडेट राजेंद्र जैन को उम्मीदवार बनवाकर संदेश भी दे दिया कि पवार फैमिली में अभी भी वह किनारे नहीं किए गए हैं।

भुजबल जाना चाहते थे दिल्ली

अजित पवार के रहते हुए मौजूदा डिप्टी सीएम सुनेत्रा पवार 21 जून 2024 को महाराष्ट्र से राज्यसभा सदस्य बनी थीं। उनका राज्यसभा कार्यकाल मूल रूप से 4 जुलाई 2028 तक था। लेकिन जनवरी में महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने 26 मई 2026 को राज्यसभा से इस्तीफा दे दिया था। इस तरह राजेंद्र जैन का राज्यसभा कार्यकाल 4 जुलाई 2028 तक रहेगा। छगन भुजबल इस सीट से दिल्ली की राजनीति में एंट्री चाहते थे, लेकिन बात नहीं बन पाई। इसकी जानकारी तब सामने आई जब छगन भुजबल ने सार्वजनिक रूप से प्रतिक्रिया दी। उनकी प्रतिक्रिया में भी झलकी। जब उन्होंने कहा कि मैं शतरंज नहीं कबड्डी का खिलाड़ी हूं। उधर जब सुनील तटकरे ने राजेंद्र जैन के नाम का ऐलान किया तो भुजबल की मौजूदगी में किया। उन्होंने कहा कि वे साफ बोलते हैं। पार्टी के उनकी वरिष्ठता का सम्मान करेगी। शर्त ने तोड़ा छगन भुजबल का प्लान सूत्रों के अनुसार एनसीपी की कोर कमेटी की बैठक में मंत्री छगन भुजबल ने स्वयं राज्यसभा जाने और बेटे समीर भुजबल को अपनी जगह राज्य में मंत्री बनाए जाने का प्रस्ताव रखा। इस पर कोर कमेटी में सहमति नहीं बन पाई। सूत्रों के मुताबिक सुनेत्रा पवार ने कहा कि जनता में इसका गलत मैसेज जाएगा। लोग कहेंगे कि एनसीपी पारिवारिक पार्टी बन गई है सभी नेता अपने परिवार को पार्टी में सेट करने में लगे हैं। आम कार्यकर्ताओं को पार्टी में उचित स्थान नहीं मिल रहा है। एक अन्य नेता ने कहा कि भुजबल यदि राज्यसभा जाना चाहते हैं तो जाएं लेकिन उनकी जगह बेटे को मंत्री बनाए जाने की शर्त न रखें। कोर कमेटी में काफी बहस हुई। इसी बीच प्रफुल्ल पटेल की ओर से राजेंद्र जैन का नाम आगे कर दिया गया।आखिरी में कोर कमेटी ने पूर्व एमएलसी राजेंद्र जैन को राज्यसभा भेजे जाने पर मुहर लगाई। राजेंद्र जैन प्रफुल्ल पटेल के करीबी हैं। प्रफुल्ल पटेल अपनी पकड़ साबित की अजित पवार के वक्त पर नंबर दो की हैसियत रखने वाले प्रफुल्ल पटेल ने राजेंद्र जैन का राज्यसभा का कैंडिडेट बनवाकर अपनी पकड़ दिखाई है। पिछले काफी समय से यह चर्चा चल रही थी कि सुनेत्रा पवार ने तटकरे और प्रफुल्ल पटेल को किनारे कर दिया है। जैन की उम्मीदवारी से प्रफुल्ल पटेल ने इस बन रही धारणा को तोड़ दिया है। राजेंद्र जैन मूल रूप से गोंदिया जिले से हैं। भंडारा-गोंदिया स्थानीय प्राधिकरण निर्वाचन क्षेत्र से दो बार वर्ष 2004 और 2010 में एमएलसी रहे। 2004 में राजेंद्र जैन के एमएलसी जीत को प्रफुल्ल पटेल के प्रभाव से जोड़कर देखा गया था।

दवाएं महंगी, फाइलें गायब... दिल्ली के अस्पतालों में 650 करोड़ का घोटाला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। सरकारी अस्पतालों में दवाओं और मेडिकल उपकरणों की खरीद में 650 करोड़ रुपए से ज्यादा के घोटाले का खुलासा हुआ है. सरकारी अस्पतालों के लिए की जाने वाली दवाओं, मेडिकल उपकरणों, मरीजों की चादरों, एक्स-रे मशीनों और एनेस्थीसिया से जुड़े उपकरणों की खरीद में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी की गई है. अब एसीबी इस मामले की जांच कर रही है. दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में दवाओं और मेडिकल उपकरणों की खरीद में एक बहुत बड़ा घोटाला सामने आया है. दिल्ली सरकार की सेंट्रल प्रोक्योरमेंट एजेंसी में हुए 650 करोड़ रुपये से ज्यादा के इस घोटाले की जांच अब एंटी करप्शन ब्यूरो को सौंप दी गई है. उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के संयुक्त निर्देशों के तहत एसीबी ने भ्रष्टाचार अधिनियम की अलग-अलग धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली है. शुरुआती जांच के मुताबिक, सरकारी अस्पतालों के लिए की जाने वाली दवाओं, मेडिकल उपकरणों, मरीजों की चादरों, एक्स-रे मशीनों और एनेस्थीसिया से जुड़े उपकरणों की खरीद में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी की गई है. आरोप है कि कई चीजों को जानबूझकर बाजार की सामान्य दरों से कहीं ज्यादा कीमतों पर खरीदा गया, जिससे सरकारी खजाने को करोड़ों रुपये का सीधा नुकसान पहुंचाया गया. अधिकारियों पर केंद्रीकृत खरीद व्यवस्था का गलत फायदा उठाकर संदिग्ध और मनमाने टेंडर जारी करने के भी आरोप है. मामले का खुलासा तब हुआ जब विजिलेंस विभाग की टीम ने इस खरीद से जुड़े दफ्तरों पर छापेमारी की. इस दौरान कई अहम टेंडरों से जुड़ी फाइलें गायब पाई गईं. इतना ही नहीं, जांच टीम ने जब संदिग्ध अधिकारियों के लॉकर खुलवाए, तो वहां से भी कई अहम दस्तावेज गायब मिले. कुछ अधिकारियों पर ये भी आरोप है कि उन्होंने अपनी पसंद के लोगों को पदों पर नियुक्त किया ताकि पूरी खरीद प्रणाली को प्रभावित किया जा सके. इसके अलावा, जिन टेंडरों को पहले रोक दिया गया था, उन्हें बाद में अचानक बहुत तेजी से मंजूरी दे दी गई, जिससे शक और गहरा गया है. 40 डॉक्टरों और अफसरों का ट्रांसफर इस घोटाले की गंभीरता और जांच को प्रभावित होने से बचाने के लिए प्रशासन ने हाल ही में स्वास्थ्य विभाग के सीनियर अधिकारियों समेत करीब 40 डॉक्टरों और कर्मचारियों का ट्रांसफर कर दिया था.

हाशिम बाबा गैंग का शूटर टिल्लन ढेर होने से बचा, शास्त्री पार्क में दिल्ली पुलिस ने दबोचा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। पुलिस की क्राइम ब्रांच ने कल रात शास्त्री पार्क इलाके से डबल मर्डर के मामले में वॉन्टेड बदमाश को एनकाउंटर के बाद गिरफ्तार किया है। आरोपी आमीर उर्फ सलीम उर्फ टिल्लन (34) है, जो पैर में गोली लगने से घायल हुआ है। आरोपी गैंगस्टर हाशिम बाबा के गैंग से है, जिस पर उत्तर-पूर्वी दिल्ली के कई और शाहदरा के दो थानों में 15 केस दर्ज हैं। आरोपी डबल मर्डर का भी केस था, जिसमें वह करीब पौने दो साल से फरार चल रहा था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि क्राइम ब्रांच की एंटी रॉबरी स्नैचिंग सेल टीम को कल रात सूचना मिली थी कि फर्श बाजार में 31 अक्टूबर 2024 (दिवाली की रात) हुई चाचा-भतीजे की हत्या के मामले में वॉन्टेड टिल्लन शास्त्री पार्क के मेट्रो डिपो के पास आएगा। सूचना के आधार पर इंस्पेक्टर मान सिंह के सुपरविजन में इंस्पेक्टर सुंदर गौतम, एसआई मनीष भारत सिंह, एएसआई नरेश, हेड कॉन्स्टेबल रामजस, मनोज, रविश, कपिल, सुमित यादव, कॉन्स्टेबल सोनू, फैजान, दीपक और महिला कॉन्स्टेबल इंदु की टीम को रेड के लिए भेजा गया। टीम ने मौके पर जाल बिछाया। रात करीब 10:48 बजे आरोपी वहां आया तो उसे जांच के लिए रोका गया, लेकिन आरोपी ने खुद को घिरा देखकर अपनी पिस्टल निकाली और पुलिस टीम पर गोलियां चला दीं।आरोपी के पास से .32 बोर की एक पिस्टल, चार जिंदा और चार खाली कारतूस बरामद किए गए हैं। खबर लिखे जाने तक पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही थी।बता दें कि साल 2024 की दिवाली वाली रात फर्श बाजार इलाके में आकाश शर्मा उर्फ छोटू, अपने भतीजे रिषभ शर्मा के साथ घर के बाहर पटाखे फोड़ रहे थे।

महाराष्ट्र: 5 छात्रों के नदी में डूबने से मौत की आशंका, एक का बरामद हुआ शव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

चंद्रपुर। महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले में घुग्घुस के पास वर्धा नदी में पांच युवकों के डूबने की आशंका से सनसनी फैल गई है. बचाव दल ने सर्च ऑपरेशन के दौरान एक युवक का शव बरामद कर लिया है, जबकि चार अन्य युवकों की तलाश अभी भी जारी है. घटना के बाद मृतक और लापता युवकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. घुग्घुस शहर के इंदिरा नगर निवासी 5 युवक रविवार दोपहर घर से निकले थे, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटे. जब परिवार वालों ने उनकी तलाश शुरू की तो माथारदेवी परिसर स्थित पानी की टंकी के पास वर्धा नदी किनारे युवकों के कपड़े, मोबाइल फोन और चप्पलें मिलीं. इसके बाद परिजनों ने तत्काल घुग्घुस पुलिस स्टेशन में सूचना दी. मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंच गया. हालांकि रात का अंधेरा होने के कारण सर्च ऑपरेशन प्रभावित हुआ. सोमवार सुबह विशेष खोजी दल को बुलाकर नदी में दोबारा तलाशी अभियान शुरू किया गया. नावों की मदद से चलाए गए अभियान के दौरान एक युवक का शव नदी से बरामद किया गया. जिसकी पहचान तन्मय पथाडे के रूप में हुई है. पुलिस के अनुसार नदी में डूबने वाले युवकों में तन्मय पथाडे, सम्यक सोनटक्के, नकुल केलजरकर, सन्नी आसमपल्ली और रोहित बोबले शामिल हैं. सभी की उम्र 18 से 19 वर्ष के बीच बताई जा रही है और वे कॉलेज में पढ़ाई कर रहे थे. प्रारंभिक आशंका है कि सभी युवक नदी में तैरने गए थे और गहरे पानी में चले जाने के कारण हादसे का शिकार हो गए.

महाराष्ट्र में भीषण सड़क हादसा, कार-बाइक टक्कर में 6 लोगों की मौत

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के जलगांव जिले में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना अमलनेर क्षेत्र के लोंढे फाटा के पास सुबह करीब सात बजे हुई। पुलिस के अनुसार गुजरात से एक सगाई समारोह में शामिल होने जा रहे लोगों की कार की सामने से आ रही मोटरसाइकिल से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर के बाद मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर सामने से आ रही बस से जा भिड़ी। इस दर्दनाक हादसे में कार सवार नंदलाल महाजन, अनीता महाजन, सुरेश महाजन और निर्मला महाजन की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं मोटरसाइकिल सवार निलेश तावड़े और फाल्गुनी भोई ने भी दम तोड़ दिया। कार चालक आदित्य महाजन के पैर में फ्रैक्चर हुआ है और उनका अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आप नेता अरोड़ा पर ईडी की रेड

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय ने मंगलवार को 100 करोड़ रुपए के कथित जीएसटी धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पंजाब, दिल्ली और उत्तर प्रदेश में कई स्थानों पर एक साथ छापेमारी की। जांच के तहत पंजाब के मंत्री संजीव अरोड़ा से जुड़ी कंपनी हैम्पटन स्काई रियल्टी लिमिटेड और उससे संबंधित व्यक्तियों एवं संस्थाओं के ठिकानों की तलाशी ली गई। अधिकारियों के अनुसार, जालंधर, लुधियाना, बरेली और नोएडा समेत कुल छह स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया गया। कार्रवाई के दौरान आवासीय और व्यावसायिक परिसरों से दस्तावेज, डिजिटल उपकरण और वित्तीय रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, ईडी हैम्पटन स्काई रियल्टी लिमिटेड से जुड़े वित्तीय लेन-देन और कथित मनी लॉन्ड्रिंग गतिविधियों की जांच कर रही है।

झारखंड राज्यसभा चुनाव में नया मोड़, भाजपा समर्थित उम्मीदवार का नामांकन फिलहाल होल्ड पर

रांची (एजेंसी)। झारखंड में राज्यसभा चुनाव के बीच एक बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया है। भारतीय जनता पार्टी समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नाथवानी के नामांकन पत्र को निर्वाचन अधिकारियों ने फिलहाल होल्ड पर रख दिया है। वहीं, झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस के उम्मीदवारों के नामांकन वैध पाए गए हैं। जानकारी के अनुसार, परिमल नाथवानी के नामांकन को लेकर कुछ आपत्तियां दर्ज कराई गई हैं। नामांकन पत्र से जुड़े तीन बिंदुओं पर सवाल उठाए गए हैं, जिनकी जांच निर्वाचन अधिकारी कर रहे हैं। इन आपत्तियों पर अंतिम फैसला होने तक उनके नामांकन को लंबित रखा गया है। राज्यसभा की दो सीटों के लिए हो रहे चुनाव में मुकाबला पहले ही रोचक बना हुआ है। झारखंड मुक्ति मोर्चा ने बैद्यनाथ राम को उम्मीदवार बनाया है, जबकि कांग्रेस ने प्रणव झा को मैदान में उतारा है। दूसरी ओर, परिमल नाथवानी निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं और उन्हें भारतीय जनता पार्टी का समर्थन प्राप्त है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि नाथवानी की उम्मीदवारी ने चुनावी गणित को और दिलचस्प बना दिया है। राज्य की दो सीटों के लिए त्रिकोणीय मुकाबले की स्थिति बन गई है और विभिन्न दलों के विधायकों के समर्थन को लेकर लगातार चर्चाएं जारी हैं। गौरतलब है कि झारखंड की इन दो राज्यसभा सीटों पर चुनाव 18 जून को होना है। एक सीट झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक शिबू सोरेन के निधन के कारण रिक्त हुई थी, जबकि दूसरी सीट पर भारतीय जनता पार्टी के दीपक प्रकाश का कार्यकाल समाप्त हो रहा है।

ट्रेनों की वेटिंग लिस्ट कब होगी खत्म? रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया रेलवे का रोडमैप

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रेलवे में यात्रा करने वाले करोड़ों यात्रियों के लिए सबसे बड़ी समस्या कन्फर्म टिकट की होती है। ट्रेनों में लंबी वेटिंग लिस्ट को लेकर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि रेलवे इस समस्या को दूर करने के लिए बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे का विस्तार कर रहा है और आने वाले वर्षों में स्थिति में काफी सुधार देखने को मिलेगा। एक विशेष साक्षात्कार में रेल मंत्री ने बताया कि वेटिंग लिस्ट की मुख्य वजह यात्रियों की भारी संख्या और उपलब्ध सीटों के बीच बड़ा अंतर है। उनके अनुसार, हर साल भारतीय रेलवे से करीब 750 करोड़ यात्री सफर करते हैं, जबकि सड़क परिवहन और हवाई यात्रा का आंकड़ा इससे काफी कम है। इसी कारण रेलवे पर अत्यधिक दबाव बना रहता है। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि इस समस्या के समाधान के लिए देश में दो से ढाई हजार नई ट्रेनें शुरू करने की आवश्यकता है। इसके लिए रेलवे लगातार नई पटरियां बिछा रहा है और मौजूदा नेटवर्क का विस्तार कर रहा है। उन्होंने बताया कि अब तक करीब 36 हजार किलोमीटर नई रेल लाइनें बिछाई जा चुकी हैं और लगभग 70 हजार किलोमीटर ट्रैक का उन्नयन किया गया है।

तीन साल में 731 मौतों के बाद भी शांत नहीं हुआ मणिपुर, नगा गांव में हमले के बाद बढ़ा तनाव, सुरक्षा बलों को लेकर नई शर्त

इम्फाल (एजेंसी)। मणिपुर में 3 साल से जातीय हिंसा चल रही है। राज्य में पूरी तरह शांति नहीं है। कांगपोकपी जिले के पोंग्रिंगलॉन्ग रोंग्मेई नगा गांव में कुकी उग्रवादी संगठन ने गोलीबारी की। इस घटना के बाद लापता चुन्जांग्लुंग पान्मेई नाम के नगा विलेज गार्ड का शव जंगलों से मिला है। उसके सिर पर गोली मारी गई थी। इसके बाद फैसला लिया गया है कि गांवों में सुरक्षा बलों की एंट्री पर विलेज अथॉरिटी को पहले खबर देनी होगी। गौरतलब है कि मणिपुर में जारी हिंसा-तनाव की वजह से बड़ी संख्या में लोग राहत शिविरों में रह रहे हैं। आरटीआई से मांगी गई जानकारी में सामने आया है कि तीन साल में 731 विस्थापित अपनी जान गंवा चुके हैं। चूराचांदपुर में सबसे ज्यादा 248, बिष्णुपुर में 151 और कंपोक्पी में 128 मौतें दर्ज हुईं हैं। जबकि राज्य के 9 जिलों में अभी भी 43,676 लोग विस्थापित हैं। इस बीच नगा समूहों का आरोप है कि केंद्र कुकी समूहों का इस्तेमाल शैडो वॉर (छाया युद्ध) के तौर पर कर रहा है। इसके अलावा चिंग मामांग गांव में अज्ञात हथियारबंद लोगों ने गोलीबारी की, जिसमें एक घायल हुआ है। नगा संगठनों ने सुरक्षा बलों पर पक्षपात का आरोप लगाया है। साथ ही निष्पक्ष जांच की मांग की है। इस बीच, नोने जिले के लोंग्जांग/टंगाल गांव की विलेज अथॉरिटी ने राज्य पुलिस, असम राइफल्स, सीआरपीएफ को नोटिस दिया है।

नेहरू के कार्यकाल का रिकॉर्ड तोड़ सकते हो उनके किए गए कार्यों का नहीं : राउत

-पीएम मोदी एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जनता को 12 साल के कार्यकाल की दें जानकारी

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने मंगलवार को मांग की कि पीएम नरेंद्र मोदी एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करें और जनता को अपने 12 साल के कार्यकाल में किए गए कार्यों के बारे में जानकारी दें। बता दें हाल ही में पीएम मोदी ने 12 साल का कार्यकाल पूरा किया है। पूर्व पीएम जवाहरलाल नेहरू और नरेंद्र मोदी की तुलना को लेकर बीजेपी की आलोचना करते हुए संजय राउत ने कहा कि मौजूदा सरकार पंडित नेहरू के कार्यों का रिकॉर्ड नहीं तोड़ सकती।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक संजय राउत ने कहा कि प्रधानमंत्री पद की दौड़ जारी है, लेकिन इसके चलते लोकतंत्र को कुचला जा रहा है। देश के चुनाव आयोग को भी कुचला जा रहा है। वे कई संवैधानिक संस्थाओं के कंधों पर सवार होकर चल रहे हैं। इसलिए उन्हें प्रेस कॉन्फ्रेंस करने का साहस दिखाना चाहिए। वैश्विक दबाव के कारण ही उन्हें ऑपरेशन सिंदूर को भी समाप्त करना पड़ा था। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी पंडित नेहरू के बिल्कुल विपरीत कार्य कर रहे हैं। पंडित नेहरू एक प्रतिभाशाली नेता थे जो देश के स्वतंत्रता संग्राम से उभरे थे। पंडित नेहरू ने अपनी सारी संपत्ति देश को दान कर दी थी। आज उनकी संपत्ति का मूल्य 80 हजार करोड़ रुपए है।

उन्होंने कहा कि पंडित नेहरू ने सार्वजनिक उद्यम स्थापित किए। तेल कंपनियां, एलआईसी, आईआईटी और भी बहुत कुछ। मोदी ने क्या किया? उन्हें आकर प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह बताना चाहिए...आपने भले ही पंडित नेहरू के कार्यकाल के रिकॉर्ड को तोड़ा हो, लेकिन पंडित नेहरू के कार्यों के रिकॉर्ड को तोड़ना संभव नहीं है। इस बीच नई दिल्ली में गठबंधन की बैठक के बाद जब राउत से पूछा गया कि इंडिया ब्लॉक के लिए प्रधानमंत्री पद का चेहरा कौन होगा, तो उन्होंने सुझाव दिया कि कोई भी आम आदमी प्रधानमंत्री बन सकता है।

उन्होंने कहा कि उद्धव ठाकरे, जो वर्चुअली बैठक में शामिल हुए, उन्होंने गठबंधन में एकता का आह्वान किया। राउत ने कहा कि उद्धव ठाकरे इंडिया ब्लॉक के लिए प्रधानमंत्री पद के चेहरे का फैसला नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि इंडिया ब्लॉक को एकजुट रहना चाहिए। अगर मोदी प्रधानमंत्री बन सकते हैं, तो कोई भी आम आदमी प्रधानमंत्री बन सकता है। बता दें इंडिया ब्लॉक ने सोमवार को एक बैठक की, जिसमें 25 पार्टियों के नेताओं ने भाग लिया था।

यूपी-बिहार के मंत्रियों ने कहा- पीएम के 12 साल जनकल्याण को समर्पित रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल को 12 साल पूरे हो गए। इन 12 सालों को विकास और जनकल्याण को पूरी तरह से समर्पित माना जा रहा है। उत्तर प्रदेश और बिहार के प्रमुख मंत्रियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल पूरा होने पर उन्हें बधाई दी है। इस अवसर पर मंत्रियों ने केंद्र सरकार की विभिन्न उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए इन वर्षों को देश के इतिहास में विश्वास, सुशासन और गरीब कल्याण का एक स्वर्णिम अध्याय बताया है। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने इस कार्यकाल को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि इन वर्षों में विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाया गया है। उन्होंने आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना, हर घर जल, उज्ज्वला योजना और मुफ्त राशन जैसी योजनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इन पहलों ने करोड़ों वंचित परिवारों को बुनियादी सुविधाएं देकर उनके जीवन में सुरक्षा और सम्मान का नया संचार किया है। पारदर्शी शासन की इस नई संस्कृति ने जनविश्वास को और मजबूत किया है। यूपी सरकार के मंत्री नंद गोपाल नंदी ने प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि राष्ट्र प्रथम के संकल्प के साथ बीते 12 वर्ष भारत के सर्वांगीण विकास के साक्षी रहे हैं। अंत्योदय की भावना से प्रेरित इस विकास मॉडल ने आर्थिक प्रगति, डिजिटल नवाचार और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं, जिससे वैश्विक मंच पर भी भारत की प्रतिष्ठा और मजबूत हुई है। वहीं, उत्तर प्रदेश के एक अन्य मंत्री कुंवर ब्रिजेश सिंह ने इन 12 वर्षों को देश की युवा शक्ति के सशक्तीकरण का कालखंड बताया। उन्होंने स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया और राष्ट्रीय शिक्षा नीति जैसी ऐतिहासिक पहलों का जिक्र करते हुए कहा कि आज का युवा नौकरी खोजने वाला नहीं, बल्कि रोजगार सृजित करने वाला और नवाचार का नेतृत्व करने वाला बन चुका है। भारत के युवाओं ने तकनीक, खेल और रक्षा जैसे हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहराया है।

खान सर को पटना सिविल कोर्ट से बड़ी राहत, गिरफ्तारी पर रोक

पटना (एजेंसी)। पटना के चर्चित शिक्षक फैजल खान उर्फ खान सर को पटना सिविल कोर्ट से एक बड़ी अंतरिम राहत मिल गई है। खान सर की अग्रिम जमानत याचिका पर सोमवार को अदालत में विस्तृत सुनवाई हुई थी, जिसके बाद न्यायालय ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। मंगलवार को अदालत ने अपना आदेश जारी करते हुए खान सर को अंतरिम सुरक्षा प्रदान की है। कोर्ट ने पुलिस प्रशासन को सख्त निर्देश देते हुए खान सर के खिलाफ किसी भी तरह की दंडात्मक कार्रवाई करने पर पूरी तरह रोक लगा दी है। अदालत के इस आदेश के बाद फिलहाल खान सर की गिरफ्तारी पर तलवार लटकना बंद हो गई है। इसके साथ ही माननीय न्यायालय ने पुलिस को खान सर का पूरा आपराधिक इतिहास और मामले से जुड़ी केस डायरी अगली तारीख तक उपलब्ध कराने का आदेश दिया है। अब इस पूरे मामले की अगली सुनवाई आगामी 30 जून को तय की गई है। बता दें कि यह पूरा विवाद तब गहराया जब पुलिस ने खान सर के खिलाफ हत्या का प्रयास और आर्म्स एक्ट जैसी कई गंभीर धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया था। इस मामले में नामजद होने के बाद खान सर अचानक से मुख्यधारा से गायब हो गए थे। उन्हें तलाशने के लिए पुलिस की टीमों ने उनके प्रसिद्ध संस्थान खान ग्लोबल कोचिंग सेंटर पर भी छापेमारी की थी, लेकिन खान सर पुलिस के हाथ नहीं आए। इसके बाद लगातार यह कयास लगाए जा रहे थे कि खान सर के वकील या तो कोर्ट में अग्रिम जमानत की अर्जी दाखिल करेंगे या फिर खान सर किसी भी समय अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण (सरेंडर) कर सकते हैं। हालांकि, उन्होंने सरेंडर करने के बजाय कानूनी रास्ता चुना और अपनी जमानत याचिका दायर की। सोमवार की बहस के बाद सुरक्षित रखे गए फैसले में मंगलवार को उन्हें कोर्ट से यह बड़ी राहत मिल गई, जिससे उनके प्रशंसकों और छात्रों ने राहत की सांस ली है।

अल-नीनो के बाद भी मॉनसून की रफ्तार तेज: कई राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

उत्तर भारत में आंधी-तूफान के साथ पश्चिमी विक्षोभ का असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अल-नीनो जैसी प्रतिकूल भौगोलिक परिस्थितियों की चुनौती के बावजूद देश में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून बेहद मूसलाधार बारिश करवाता हुआ तेजी से आगे बढ़ रहा है। मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त ताजा जानकारी के अनुसार, मॉनसून ने देश के एक बड़े हिस्से में अपनी मजबूत दस्तक दे दी है। यह अब तक महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना के साथ-साथ पूर्वोत्तर भारत के सभी राज्यों को पूरी तरह से कवर कर चुका है। हालांकि, मौसम वैज्ञानिकों ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि आने वाले सात दिन देश के कई राज्यों के लिए मौसम के लिहाज से काफी भारी पड़ सकते हैं। केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, सिक्किम, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, नागालैंड, मेघालय और पश्चिम बंगाल के उप-हिमालयी क्षेत्रों में अत्यंत भारी बारिश होने की प्रबल आशंका जताई गई है। इसके साथ ही, मौसम विभाग ने उत्तर प्रदेश, बिहार और देश की राजधानी दिल्ली में भी नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के चलते बारिश और ओलावृष्टि का अलर्ट जारी किया है। आगामी 11 से 12 जून के दौरान उत्तर भारत के कई मैदानी इलाकों में तेज हवाओं के साथ भारी उलटफेर देखने को मिल सकता है।

मौसम के इस बदलते मिजाज के बीच मॉनसून की अगली दिशा को लेकर वैज्ञानिकों का अनुमान है कि यह बहुत जल्द पूर्वोत्तर के बचे हुए हिस्सों को अपने प्रभाव में ले लेगा। इसके अतिरिक्त, अगले दो से तीन दिनों के भीतर मॉनसून के ओडिशा, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल के शेष इलाकों को भी पूरी तरह कवर करने की अनुकूल परिस्थितियां बनी हुई हैं। यदि मॉनसून की यही रफ्तार बनी रही, तो आगामी 5 जुलाई तक यह पूरे देश में सक्रिय हो जाएगा। वर्तमान में महाराष्ट्र के कई तटीय और आंतरिक हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के पहुंचने से झमाझम बारिश का दौर शुरू हो चुका है, जिससे स्थानीय लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली है। दूसरी तरफ, उत्तर और उत्तर-पश्चिमी भारत के मौसम को प्रभावित करने के लिए एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है। मौसम विभाग के अपडेट के मुताबिक, पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में दस्तक देने वाला यह विक्षोभ अगले तीन से चार दिनों के भीतर हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर के पहाड़ी इलाकों में मध्यम से भारी बारिश का कारण बनेगा। इन पर्वतीय राज्यों में 9 से 14 जून तक रुक-रुक कर बारिश होने की संभावना है। पहाड़ी इलाकों के अलावा मैदानी क्षेत्रों में भी इसका व्यापक असर दिखेगा, जिसके चलते 10 से 14 जून के बीच पूर्वी उत्तर प्रदेश, दिल्ली, चंडीगढ़, हरियाणा, पंजाब और पश्चिमी राजस्थान के हिस्सों में गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की उम्मीद है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और गिलगित-बाल्टिस्तान में 11 और 12 जून को विशेष रूप से तेज हवाओं के साथ भारी बारिश हो सकती है, जबकि दिल्ली, पंजाब और हरियाणा के मैदानी भागों में इन्हीं दो दिनों के दौरान 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से धूलभरी आंधियां चलने का अनुमान लगाया गया है।

उत्तर प्रदेश और बिहार के मौसम की बात करें, तो 10 से 14 जून के बीच उत्तर प्रदेश के विभिन्न अंचलों में बारिश का नया दौर शुरू होने जा रहा है। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी 9 से 14 जून के बीच मध्यम से भारी बारिश के आसार बने हुए हैं। पड़ोसी राज्य बिहार में 10 जून के बाद राजधानी पटना सहित सिवान, भागलपुर और मुंगेर जैसे जिलों में मध्यम स्तर की वर्षा दर्ज की जा सकती है। इसके साथ ही झारखंड, बिहार और गंगा नदी के मैदानी इलाकों में 10 से 15 जून के बीच आंधी-तूफान के साथ मूसलाधार बारिश की चेतावनी दी गई है। राजधानी दिल्ली में हालांकि बीते 24 घंटों में पालम और आयानगर जैसे कुछ सीमित स्थानों पर ही हल्की वर्षा दर्ज हुई थी और तापमान में आंशिक बढ़ोतरी देखी गई थी, लेकिन मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि 10 जून तक अधिकतम तापमान भले ही 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाए, परंतु 11 जून से आने वाली आंधी और बारिश के कारण तापमान में एक बार फिर बड़ी गिरावट दर्ज की जाएगी और लोगों को चिलचिलाती गर्मी से राहत मिलेगी।

ममता ने कल्याण बनर्जी को बनाया लोकसभा का चीफ व्हिप

-20 बागी सांसदों के अलग गुट बनाने के बाद स्पीकर को भेजा पत्र

-काकोली घोष दस्तीदार को चुन चुके हैं बागी सांसद

नई दिल्ली (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में जारी राजनीतिक उठापटक के बीच पार्टी प्रमुख और संसदीय दल की चेयरपर्सन ममता बनर्जी ने लोकसभा में वरिष्ठ सांसद कल्याण बनर्जी को पार्टी का नया चीफ व्हिप नियुक्त किया है। इस संबंध में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र भेजकर अनुरोध किया गया है कि इस नियुक्ति को तत्काल प्रभाव से रिकॉर्ड में दर्ज किया जाए और आवश्यक कार्रवाई की जाए। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब एक दिन पहले ही लोकसभा में टीएमसी के 28 सांसदों में से 20 सांसदों ने बगावत कर पार्टी नेतृत्व से अलग होने का दावा किया था। बागी सांसदों ने केंद्र की एनडीए सरकार को समर्थन देने की घोषणा करते हुए सांसद काकोली घोष दस्तीदार को अपना चीफ व्हिप चुना था। काकोली घोष दस्तीदार ने बागी सांसदों के हस्ताक्षर वाला पत्र लोकसभा अध्यक्ष को भेजकर अलग संसदीय ब्लॉक के रूप में मान्यता और सदन में अलग बैठने की व्यवस्था की मांग भी की थी।

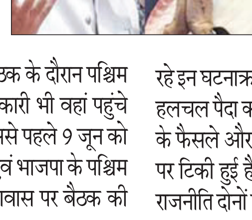

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, टीएमसी सांसद शताब्दी रॉय के आवास पर बागी सांसदों की महत्वपूर्ण बैठक हुई, जिसमें जून मालिया, बापी हलदर, अबू ताहिर खान और असित कुमार मल समेत कई सांसद शामिल हुए। बैठक के दौरान पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भी वहां पहुंचे और सांसदों से मुलाकात की। इससे पहले 9 जून को 11 बागी सांसदों ने केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा के पश्चिम बंगाल प्रभारी भूपेंद्र यादव के आवास पर बैठक की थी। उस बैठक में भी शुभेंदु अधिकारी की मौजूदगी चर्चा का विषय रही थी।

संसद में टीएमसी की स्थिति

लोकसभा में टीएमसी के वर्तमान में 28 और राज्यसभा में 13 सांसद हैं। इससे पहले 3 जून को पश्चिम बंगाल विधानसभा में भी बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया था, जब 80 में से 58 विधायकों ने अलग गुट बनाने का दावा किया था। इस समूह ने ऋतब्रत बनर्जी को अपना नेता चुना था। लगातार हो रहे इन घटनाक्रमों ने पश्चिम बंगाल की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। अब नजर लोकसभा अध्यक्ष के फैसले और बागी सांसदों की मान्यता संबंधी मांगों पर टिकी हुई है, जिनका असर संसद और राज्य की राजनीति दोनों पर पड़ सकता है।

टीएमसी में बड़ी बगावत, यूसुफ पठान भी कर रहे हैं एनडीए का समर्थन

लद्दाख (एजेंसी)। कोलकाता, (ईएमएस)। अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के संसदीय दल पर अचानक एक बड़ा संकट मंडराता नजर आ रहा है। अधिकांश सांसदों के समर्थन का दावा करने वाले पार्टी के एक बागी गुट ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का साथ छोड़कर केंद्र की सत्ताधारी एनडीए (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) को समर्थन देने का चौंकाने वाला फैसला किया है। राजनीतिक गलियारों में इस बात की पुरजोर चर्चा है कि इन बागी सांसदों के गुट में पूर्व भारतीय क्रिकेटर और वर्तमान लोकसभा सांसद यूसुफ पठान भी शामिल हैं। हालांकि, यूसुफ पठान की तरफ से अभी तक इस मुद्दे पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। यह सारा घटनाक्रम ठीक उस समय हुआ जब ममता बनर्जी विपक्षी इंडिया गठबंधन की एक महत्वपूर्ण बैठक में शामिल होने के लिए दिल्ली पहुंची हुई थीं।

इस पूरे राजनीतिक घटनाक्रम पर टीएमसी की वरिष्ठ नेता और सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने बड़ा बयान देते हुए बागी गुट में यूसुफ पठान का नाम होने के स्पष्ट संकेत दिए हैं। उन्होंने दावा किया कि पार्टी के कुल 20 सांसदों ने बगावत का रास्ता चुना है और अगर जरूरत पड़ी, तो वह सार्वजनिक रूप से एक-एक करके सभी के नामों का खुलासा कर सकती हैं। बागी गुट की प्रमुख बताई जा रहीं दस्तीदार ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर एनडीए को अपने औपचारिक समर्थन की जानकारी देने का फैसला किया है। उन्होंने फोन पर इस बात की पुष्टि की है कि उनके सहित लगभग बीस सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र भेजने का मन बना लिया है।

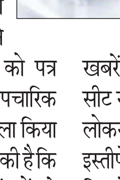

इस बगावत की खबरों के बीच सोमवार को टीएमसी की तेजतर्रार सांसद महुआ मोइत्रा ने यूसुफ पठान पर तीखा जुबानी हमला बोला। उन्होंने पठान पर निशाना साधते हुए कहा कि देश के लिए खेल चुके एक खिलाड़ी को अमित शाह का फोन आने पर इतनी जल्दी घुटने नहीं टेकने चाहिए। उन्होंने पठान को जिला की जनता द्वारा बड़े अंतर से जिताए जाने की याद दिलाते हुए अपनी राजनीतिक रीढ़ मजबूत रखने की नसीहत दी। उल्लेखनीय है कि हाल ही में ऐसी खबरें भी आई थीं कि टीएमसी ने बहरामपुर सीट से उपचुनाव लड़कर ममता बनर्जी को लोकसभा भेजने के लिए यूसुफ पठान को इस्तीफे के लिए मनाने की कोशिश की थी, जिसमें पूर्व क्रिकेटर सौरव गांगुली की भी मदद ली गई थी, लेकिन पठान ने इस्तीफा देने से साफ मना कर दिया था। हालांकि, बाद में सौरव गांगुली ने इन दावों को पूरी तरह खारिज कर दिया था।

दुनिया में परमाणु हथियारों की होड़ जारी, पाक को पीछे छोड़ भारत ने बढ़ाया जखीरा

-भारत के पास 190 तो पाकिस्तान के पास 170 वॉरहेड्स हैं, रुस सबसे आगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैश्विक स्तर पर बढ़ते जियो-पॉलिटिकल टेंशन और महाशक्तियों के बीच अविश्वास के माहौल में परमाणु हथियारों को लेकर बेहद चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आई है। रक्षा क्षेत्र पर नजर रखने वाली प्रतिष्ठित वैश्विक संस्था स्टॉकहोम ने अपनी सालाना सिपरी ईयरबुक 2026 जारी की है। परमाणु हथियारों की संख्या और उनके प्रभाव को कम करने के लिए दशकों से किए जा रहे अंतरराष्ट्रीय प्रयास उल्टे होते दिख रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया के कई देश अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक बार फिर परमाणु हथियारों पर निर्भरता बढ़ा रहे हैं। उनका मॉडर्न कर रहे हैं, जिससे वैश्विक स्तर पर परमाणु युद्ध या किसी गलतफहमी के कारण होने वाले परमाणु एस्केलेशन का खतरा बढ़ गया है। इस रिपोर्ट की सबसे बड़ी और खास बात यह है कि दक्षिण एशिया में रणनीतिक संतुलन के लिहाज से भारत ने एक नया मुकाम हासिल किया है। भारत का परमाणु हथियार भंडार साल 2025 के 180 वॉरहेड्स से बढ़कर 2026 में 190 वॉरहेड्स तक पहुंच गया है। इस बढ़ोतरी के साथ ही भारत रणनीतिक रूप से अपने पड़ोसी देश पाकिस्तान से आगे निकल गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक भारत और पाकिस्तान दोनों ही अपने परमाणु बलों और मिसाइल डिलीवरी सिस्टम को लगातार आधुनिक बना रहे हैं, लेकिन संख्या बल के मामले में भारत अब बढ़त बना चुका है। जहां भारत के पास अब 190 परमाणु हथियार हैं। वहीं पाकिस्तान के पास 170 वॉरहेड्स हैं। रिपोर्ट में भारत को लेकर एक बहुत ही अहम और ऑपरेशनल शिफ्ट का जिक्र किया गया है। भारत और चीन जैसे उभरते हुए परमाणु संपन्न देश अब शांति काल के दौरान भी अपनी मिसाइलों पर छोटी संख्या में परमाणु वॉरहेड तैनात कर सकते हैं। भारत अब किसी भी अप्रत्याशित संकट की स्थिति में बेहद कम समय में जवाबी कार्रवाई करने के लिए खुद को तैयार कर चुका है।

पूरी दुनिया के स्तर पर नजर डालें तो सिपरी का अनुमान है कि जनवरी 2026 तक दुनिया का कुल परमाणु भंडार 12187 वॉरहेड्स था। अगर इसकी तुलना एक साल पहले यानी 2025 से की जाए, तो तब यह संख्या 12241 थी। कुल संख्या में मामूली गिरावट जरूर दर्ज की गई है, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि यह गिरावट भ्रामक हो सकती है। देश अपने पुराने और सेवामुक्त हो चुके परमाणु हथियारों को नष्ट करने की प्रक्रिया को धीमा कर रहे हैं। नए, अधिक घातक परमाणु प्रणालियों की तैनाती को तेज कर रहे हैं, जिससे आने वाले समय में यह ट्रेंड पूरी तरह पलट सकता है और कुल संख्या फिर से बढ़ सकती है।

परमाणु हथियारों की होड़ में आज भी शीतयुद्ध के दो सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी यानी रूस और अमेरिका ही सबसे आगे हैं। वैश्विक स्तर पर इन दोनों देशों का ही दबदबा है। रूस इस समय दुनिया का सबसे बड़ा परमाणु शक्ति संपन्न देश है। जिसके पास कुल 5420 वॉरहेड्स है। वहीं अमेरिका इस सूची में दूसरे स्थान पर है, जिसके पास वर्तमान में 5,042 वारहेड्स हैं। चीन भी अपने परमाणु बेड़े को बहुत आक्रामक तरीके से बढ़ा रहा है। चीन का परमाणु भंडार 600 से बढ़कर 620 वॉरहेड्स हो गया है।

रिपोर्ट में फ्रांस ने सबको चौंकाया है। फ्रांस ने अपने भंडार में सबसे तेज बढ़ोतरी करते हुए इसे 290 से सीधे 370 वॉरहेड्स तक पहुंचा दिया है। यूनाइटेड किंगडम ने अपनी रणनीतिक क्षमता को स्थिर रखा है। उसके पास वर्तमान में 225 वॉरहेड्स हैं। इजरायल का अनुमानित परमाणु भंडार बिना किसी बदलाव के 90 वॉरहेड्स है। उत्तर कोरिया भी लगातार घातक हथियार बना रहा है। उसका भंडार 50 से बढ़कर 60 वॉरहेड्स हो गया है। दुनिया के ये देश अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस, चीन, भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया और इजराइल अपने परमाणु शस्त्रागार को नया रूप दे रहे हैं. कई नई परमाणु-सक्षम प्रणालियों को सेना में शामिल कर रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक सिपरी के निदेशक करीम हग्गाग ने स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए चेतावनी दी है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के उपकरण के रूप में परमाणु हथियारों पर बढ़ती निर्भरता वैश्विक शांति के लिए बड़ा खतरा है। सैन्य प्रौद्योगिकी में नए विकास, वैश्विक स्तर पर हथियारों के नियंत्रण के समझौतों का कमजोर होना और महाशक्तियों के बीच बढ़ती राजनीतिक और सैन्य प्रतिद्वंद्विता ने दुनिया को एक बेहद खतरनाक मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है।

कोल इंडिया का 2.15 लाख कर्मचारियों को तोहफा, वीडीए 25 फीसदी बढ़ा

बढ़ी हुई दरें 1 जून से प्रभावी, जून के वेतन में होगी बढ़ोतरी

धनबाद ।

कोल इंडिया और उसकी अनुषंगी कंपनियों ने अपने करीब 2.15 लाख वेज-बोर्ड कर्मचारियों को बड़ी राहत दी है। कंपनी ने वेरिएबल डियरनेस अलाउंस (वीडीए) की दर को बढ़ाकर 25 फीसदी कर दिया है, जिससे कर्मचारियों के जून महीने के वेतन में बढ़ोतरी होगी। कोल इंडिया मुख्यालय द्वारा जारी कार्यालय आदेश के अनुसार यह बढ़ी हुई दर 1 जून 2026 से 31 अगस्त 2026 तक लागू रहेगी। वीडीए का यह पुनरीक्षण जनवरी से मार्च 2026 की तिमाही के औसत अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (एआईसीपीआई) के आधार पर किया गया है। आंकड़ों के मुताबिक इस तिमाही में एआईसीपीआई में 1958.52 अंकों की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जबकि 1 जुलाई 2021 को आधार एआईसीपीआई संख्या 7819 थी। इसी वृद्धि के आधार पर नई 25 फीसदी वीडीए दर निर्धारित की गई है। कोल इंडिया में वीडीए का पुनरीक्षण हर साल चार बार होता है, जो पिछली तिमाही के औसत एआईसीपीआई पर निर्भर करता है।

सरकारी तेल कंपनियों को आंशिक राहत, पर घाटा अभी भी ज्यादा

हालिया मूल्य वृद्धि से डीजल-पेट्रोल पर घाटा घटा, पर एलपीजी व दैनिक नुकसान अब भी चिंताजनक

नई दिल्ली ।

सरकारी तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) को हालिया ईंधन मूल्य वृद्धि से थोड़ी राहत मिली है, जिससे डीजल और पेट्रोल पर उनका घाटा कम हुआ है। हालांकि, वैश्विक ऊर्जा कीमतों में वृद्धि और घरेलू उपभोक्ताओं को कम दरों पर ईंधन बेचने के कारण उन्हें अभी भी बड़े वित्तीय दबाव का सामना करना पड़ रहा है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के अनुसार पिछले एक महीने में ईंधन की कीमतों में लगभग 7.5 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि के बाद, डीजल पर ओएमसी का नुकसान 105 रुपये से घटकर 30 रुपये प्रति लीटर और पेट्रोल पर 24 रुपये से घटकर 6 रुपये प्रति लीटर रह गया है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने बताया कि यह कमी 1 अप्रैल की तुलना में उल्लेखनीय है। हालांकि चुनौतियां बरकरार हैं। तेल कंपनियां अभी भी 14.2 किलोग्राम एलपीजी सिलिंडर पर 700 रुपये का भारी नुकसान उठा रही हैं, जिससे उन्हें रोजाना लगभग 600-700 करोड़ रुपये का घाटा हो रहा है। होर्मुज स्ट्रेट में व्यवधान और पश्चिम एशिया संकट के कारण ऊर्जा की बढ़ती कीमतों के बावजूद, भारत की तेल एवं गैस कंपनियां घरेलू उपभोक्ताओं को कम दरों पर ईंधन उपलब्ध कराने के कारण वित्तीय दबाव में हैं। इस स्थिति से निपटने के लिए, 7 जून के बाद दूसरी बार, एलपीजी की कीमतों में 29 रुपये प्रति सिलिंडर का इजाफा किया गया है।

जैविक खाद की ओर किसानों का रुझान, बिक्री में 3.5 गुना उछाल

चालू खरीफ में 11.17 लाख टन जैविक खाद खरीदी गई

नई दिल्ली ।

चालू खरीफ सीजन में भारतीय किसानों का रुझान जैविक खेती की ओर बढ़ा है।

पिछले वर्ष की तुलना में जैविक खाद की खरीद में साढ़े तीन गुना वृद्धि दर्ज की गई है। केंद्र सरकार ने रासायनिक उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता का भी आश्वासन दिया है। केंद्र सरकार ने बताया कि चालू खरीफ सीजन में किसानों ने रिकॉर्ड 11.17 लाख टन जैविक खाद खरीदी है। यह पिछले साल की इसी अवधि के 3.2 लाख टन की तुलना में 3.5 गुना अधिक है, जो रासायनिक उर्वरकों के बजाय जैविक विकल्पों को अपनाने के किसानों के बढ़ते रुझान का स्पष्ट संकेत है। रसायन और उर्वरक मंत्रालय के एक अे धिकारी ने एक अंतर-मंत्रालयीय ब्रीफिंग में पुष्टि की कि देश में उर्वरकों का पर्याप्त भंडार मौजूद है। वर्तमान में 197.56 लाख टन उर्वरक स्टॉक उपलब्ध है, जो खरीफ की कुल मांग का 51 फीसदी है। यह सामान्य 33 फीसदी के स्तर से काफी अधिक है, जिससे किसानों को समय पर उर्वरक मिलते रहेंगे। उन्होंने बताया कि सरकार घरेलू उत्पादन और आयात पर लगातार नजर रख रही है। जून में ही 25 लाख टन से अधिक आयातित यूरिया, डीएपी और एनपीकेएस बंदरगाहों पर पहुंचे हैं, और 17 लाख टन यूरिया के लिए नई निविदा प्रक्रिया भी जारी है। उन्होंने जोर दिया कि किसानों को अपनी जरूरत के अनुसार उर्वरक मिलते रहेंगे।

एचडीएफसी बैंक ने एमसीएलआर आधारित उधारी दर 0.10 फीसदी तक बढ़ाई

नई दिल्ली ।

निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक ने सीमांत लागत आधारित उधारी दर (एमसीएलआर) में 0.10 प्रतिशत तक बढ़ा दी है। नई दरें आठ जून 2026 से प्रभावी हो गई हैं। एमसीएलआर वह आधार दर होती है जिस पर बैंक अपने अधिकांश कर्जों की ब्याज दर तय करते हैं। इस फैसले का असर ग्राहकों के आवासीय ऋण, वाहन ऋण और व्यक्तिगत ऋण की मासिक किस्तों पर पड़ सकता है। बैंक ने कहा कि दो साल की अवधि वाले कर्ज पर सबसे अधिक 0.10 प्रतिशत अंक की बढ़ोतरी की गई है। अब यह दर 8.45 प्रतिशत से बढ़कर 8.55 प्रतिशत हो गई है। वाहन, आवास एवं व्यक्तिगत ऋण जैसे अधिकांश उपभोक्ता ऋणों के लिए मानक माना जाने वाला एक-वर्षीय एमसीएलआर 0.05 प्रतिशत अंक बढ़कर 8.40 प्रतिशत हो गया है। इसी तरह 24 घंटे, तीन महीने, छह महीने और तीन साल की अवधि वाले कर्ज की दरों में भी 0.05

प्रतिशत अंक की बढ़ोतरी की गई है।

एचडीएफसी बैंक का यह कदम ऐसे समय में आया है जब रिजर्व बैंक ने रेपो दर में लगातार दूसरी बार कोई बदलाव नहीं किया। रेपो दर 5.25 प्रतिशत पर स्थिर बनी हुई है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को 33 पैसे की बढ़त के साथ ही 95.28 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपय 20 पैसे मजबूत होकर 95.41 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार इजराइल और ईरान के बीच तनाव में कमी के संकेतों के बाद बाजार धारणा में सुधार देखा गया, जिससे रुपये को समर्थन मिला। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.47 पर खुला और बाद में 95.41 तक पहुंच गया। यह पिछले बंद स्तर की तुलना में 20 पैसे की बढ़त दिखाता है। वहीं सोमवार को रुपया 43 पैसे कमजोर होकर 95.61 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 फीसदी की गिरावट के साथ 99.98 पर आ गया।

जेप्टो 11,000 करोड़ के आईपीओ की तैयारी में, नहीं बेचेंगे हिस्सेदारी

कंपनी ने सेबी के पास मसौदा दस्तावेज दाखिल किया

नई दिल्ली ।

क्विक कॉमर्स कंपनी जेप्टो ने करीब 11,000 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए सोमवार को बाजार नियामक सेबी के पास अद्यतन मसौदा दस्तावेज दाखिल किया है।

खास बात यह है कि कंपनी अपनी कोई भी हिस्सेदारी इस निर्गम में नहीं बेचेंगे, जिससे कंपनी के प्रति उनका भरोसा झलकता है। आईपीओ में कंपनी 8,010 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी कर पूंजी जुटाएगी। इसके अलावा शुरुआती निवेशक और उद्यम पूंजी कोष कुल करीब 11.35 करोड़ शेयरों की बिक्री खुली पेशकश (ओएफएस) के माध्यम से करेंगे। प्रवर्तक समूह के पास मौजूद 18.47 प्रतिशत हिस्सेदारी में से कोई भी हिस्सा बिक्री के लिए नहीं रखा जाएगा।

नैक्सस वेंचर्स सबसे बड़ा विक्रेता होगा, जो 8.77 करोड़ से अधिक शेयर बेचेगा। यह निर्गम जुलाई में आने की संभावना है। वित्तीय आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में जेप्टो का राजस्व दोगुने से अधिक बढ़कर 22,623.58 करोड़ रुपये रहा, हालांकि इसी अवधि में शुद्ध घाटा बढ़कर 5,905.19 करोड़ रुपये हो गया।

अच्छी खबर यह है कि जनवरी-मार्च तिमाही में राजस्व 75 फीसदी बढ़कर 7,497.64 करोड़ रुपये हुआ और घाटा कम होकर 1,538.67 करोड़ रुपये पर आ गया। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 में कुल 64 करोड़ ऑर्डर पूरे किए, जिसका दैनिक औसत 17 लाख से अधिक रहा। मार्च 2026 तक इसके वार्षिक उपयोगकर्ताओं की संख्या 4.79 करोड़ और स्टोरों की संख्या 1,139 हो गई।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 394, निफ्टी 119 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों और इजराइल-ईरान के बीच तनाव में कमी होने की संभावना से आई है। इससे आज बाजार में रिकवरी रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 394.50 अंकों की बढ़त के साथ ही 73,918.76 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 119.10 अंक उछलकर 23242.10 के स्तर पर बंद हुआ। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से भी बाजार धारणा मजबूत हुई है।

आज के कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 30 में से अधिकतर शेयर तेजी के साथ बंद हुए। सबसे ज्यादा बढ़त आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआईएन और बजाज फाइनेंस के शेयरों में रही जबकि टाइटन , पावर ग्रिड, टेक महिन्द्रा और भारती एयरटेल के शेयर गिरे। वहीं आज एनएसई पर मिडकैप ओर स्मॉलकैप शेयरों में तेजी रही। 100 इंडेक्स करीब 1.40 फीसदी तक उछल गया। वहीं निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स भी करीब 1.70 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ है।

आज ज्यादातर इंडेक्स बढ़त के साथ बंद हुए हैं। सबसे ज्यादा खरीदारी निफ्टी पीएसयू बैंक में रही । इसके अलावा निफ्टी प्राइवेट बैंक और रियल्टी इंडेक्स में भी तेजी रही। निफ्टी ऑटो में करीब 1.35 फीसदी की तेजी दर्ज की गयी। इसके अलावा निफ्टी एफएमसीजी, मेटल, फार्मा, हेल्थकेयर इंडेक्स और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स के शेयर ऊपर आये हैं जबकि निफ्टी आईटी और मीडिया

इंडेक्स के शेयर गिरे हैं।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी दर्ज की गई। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 350.57 अंक की बढ़त के साथ 73,874.83 अंक पर पहुंच गया। वहीं निफ्टी शुरुआती कारोबार में 114.50 अंक उछलकर 23,237.50 अंक पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में नरमी देखी गई। ब्रेंट क्रूड 1.15 फीसदी की गिरावट के साथ 93.17 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। एशिया के अन्य बाजारों में भी सुधार देखने को मिला।

दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की 225 और चीन का शंघाई कंपोजिट सूचकांक बढ़त में रहे, जबकि हांगकांग का हैंगसेंग मामूली गिरावट में रहा। अमेरिकी बाजार सोमवार को ज्यादातर बढ़त के साथ बंद हुए थे। आंकड़ों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 5,555.67 करोड़ रुपये के शेयरों की बिकवाली की।

केरल में कई दवाओं पर प्रतिबंध, गुणवत्ता परीक्षण में फेल

घटिया गुणवत्ता वाली कई दवाओं और सौंदर्य प्रसाधनों की बिक्री पर रोक

तिरुवनंतपुरम ।

केरल औषधि नियंत्रण विभाग ने राज्य में कई दवाओं और सौंदर्य प्रसाधनों की बिक्री व वितरण पर प्रतिबंध लगा दिया है। मई में किए गए गुणवत्ता परीक्षणों में ये उत्पाद निम्न गुणवत्ता वाले पाए गए थे। केरल औषधि नियंत्रण विभाग के एक अे धिकारी ने कहा कि प्रभावित उत्पाद निर्धारित गुणवत्ता मानकों को पूरा करने में विफल रहे, जिसके बाद जन स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के लिए यह कार्रवाई की गई है। प्रतिबंधित उत्पादों में उत्तराखंड स्थित यूनिक्योर इंडिया लिमिटेड द्वारा निर्मित फोलिक एसिड टैबलेट और उत्तर प्रदेश के नोएडा स्थित यूनिक्योर इंडिया द्वारा निर्मित एस्पिरिन गैस्ट्रो-रेसिस्टेंट टैबलेट के दो-दो बैच शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, अलाप्पुझा स्थित केरल स्टेट ड्रग्स एंड फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड (केएसपीडी) द्वारा निर्मित डाइक्लोफेनाक सोडियम टैबलेट और टेल्मिसर्टन टैबलेट के कुछ बैचों में भी गुणवत्ता संबंधी खामियां पाई गईं। हिमाचल प्रदेश के सिप्ला लिमिटेड द्वारा निर्मित और डोम्पार नाम से बेची जाने वाली पैरासिटामोल और डोम्पेरिडोन टैबलेट को भी घटिया गुणवत्ता का घोषित किया गया है। विभाग ने व्यापारियों, वितरकों, फार्मेसियों और अस्पतालों को

निर्देश दिया है कि वे चिन्हित बैचों का स्टॉक तुरंत अपने आपूर्तिकर्ताओं को लौटाएं और संबंधित जिला औषधि नियंत्रण प्राधिकरणों को सूचित करें।

चीन का निर्यात 19.4 प्रतिशत उछला

हांगकांग ।

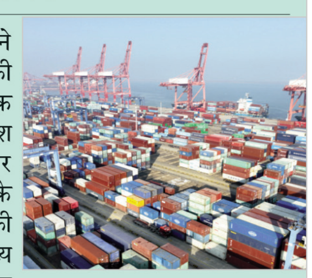

चीन ने मई महीने में अपने निर्यात में असाधारण वृद्धि दर्ज की है। मंगलवार को जारी सीमा-शुल्क एजेंसी के आंकड़ों के अनुसार, देश का निर्यात सालाना आधार पर 19.4 प्रतिशत बढ़ा, जो अप्रैल के 14.1 प्रतिशत की वृद्धि से काफी अधिक है। इस उछाल का मुख्य श्रेय प्रौद्योगिकी उत्पादों की मजबूत वैश्विक मांग और एआई व हरित प्रौद्योगिकियों के बढ़ते रुझान को दिया जा रहा है। आयात के मोर्चे पर भी चीन ने तेजी देखी, जहां अप्रैल के 25.3 प्रतिशत की तुलना में मई में यह 27.4 प्रतिशत बढ़ा। अमेरिका को होने वाले निर्यात में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई, जो अप्रैल के 11 प्रतिशत से बढ़कर मई में 35 प्रतिशत से अधिक हो गया। विशेषज्ञों का मानना है कि वाहन, सेमीकंडक्टर और कृत्रिम मेधा (एआई) से जुड़े उत्पादों की मजबूत मांग ने चीन के निर्यात को बढ़ावा दिया है। डच बैंक आईएनजी के मुख्य अर्थशास्त्री लिन सॉन्ग ने पुष्टि की कि जहाज, सेमीकंडक्टर चिप्स, वाहन और बैटरियों की बढ़ती वैश्विक मांग ने व्यापार मूल्य वृद्धि को मजबूत समर्थन दिया है।

फिच ने भारत की विकास दर घटाकर 6.4 फीसदी की

अमेरिका-ईरान संघर्ष व तेल संकट मुख्य वजह, महंगाई बढ़ने और रेपो रेट में बढ़ोतरी की आशंका

नई दिल्ली ।

फिच रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर के अनुमान को 6.7 प्रतिशत से घटाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया है। यह कटौती अमेरिका-ईरान संघर्ष और इससे जुड़े वैश्विक तेल संकट के गहरे होते प्रभावों के कारण की गई है। रेटिंग एजेंसी ने उच्च मुद्रास्फीति और उपभोक्ता खर्च पर संभावित दबाव की भी चेतावनी दी है। अपनी वैश्विक आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट में फिच ने कहा कि ब्रेंट क्रूड का अनुमान 70 डॉलर से बढ़कर 87 डॉलर प्रति बैरल हो गया है, साथ ही होर्मुज जलडमरूमध्य भी जुलाई तक बंद रह सकता है। फिच ने वित्त वर्ष 2026-27 में वृद्धि दर धीमी रहने की आशंका जताई है, हालांकि घरेलू मांग और निवेश से कुछ समर्थन मिलेगा। उच्च मुद्रास्फीति और ऊर्जा लागत वास्तविक आय पर दबाव डालेगी, जिससे उपभोक्ता खर्च प्रभावित होगा, खासकर 2026-27 की दूसरी और तीसरी तिमाही में। अप्रैल में थोक मुद्रास्फीति 8.3 फीसदी और

खुदरा 3.5 फीसदी रही, जो साल के अंत तक 5.3 फीसदी तक जा सकती है।

बढ़ते महंगाई दबाव के कारण, आरबीआई इस साल रेपो दर को 5.25 फीसदी से बढ़ाकर 5.5 फीसदी कर सकता है। रुपये में बड़ी गिरावट की संभावना सीमित है, औसत 97.50 प्रति डॉलर रह सकता है।

ओपनएआई ने एसईसी को सौंपे गोपनीय दस्तावेज

एआई क्षेत्र में बढ़ रही लिस्टिंग की होड़, ओपनएआई के कदम से बाजार में हलचल

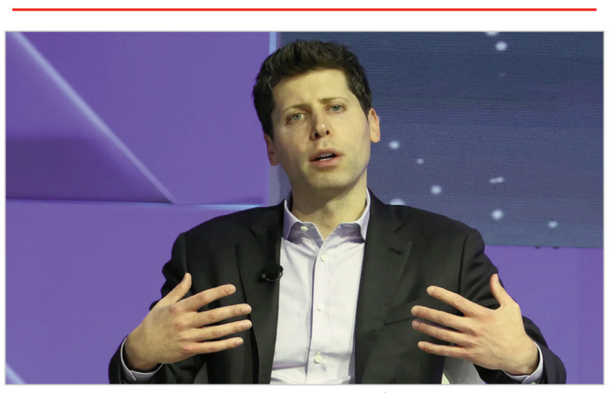

सैन फ्रांसिस्को।

कृत्रिम मेधा (एआई) मंच चैटजीपीटी का संचालन करने वाली कंपनी ओपनएआई ने अमेरिकी बाजार नियामक एसईसी के पास गोपनीय प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल कर दिए हैं। इस कदम से कंपनी के सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध होने का रास्ता खुल गया है, जो एआई क्षेत्र में बढ़ती आईपीओ की होड़ का संकेत देता है। कंपनी ने बताया कि उसने एसईसी के पास गोपनीय कागजात दाखिल किए हैं, हालांकि आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के समय पर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। ओपनएआई ने लीक की आशंका के चलते खुद ही यह घोषणा की। कंपनी ने कहा कि निजी तौर पर कुछ काम करना आसान होता है, लेकिन यह कदम जरूरत पड़ने पर जल्द सार्वजनिक होने का विकल्प देता है। यह कदम ऐसे समय आया है जब एंथ्रोपिक और एलन मस्क की स्पेसएक्स जैसी अन्य एआई कंपनियां भी लिस्टिंग की ओर बढ़ रही हैं। सीईओ सैम ऑल्टमैन पहले ही एआई विकास हेतु भारी पूंजी के लिए आईपीओ को 'सबसे संभावित रास्ता' बता चुके हैं।

2015 में गैर-लाभकारी संस्था के रूप में शुरू हुई ओपनएआई अब 852 अरब डॉलर की कंपनी बन चुकी है। कंपनी का लक्ष्य स्वचालित एआई शोधकर्ता और व्यक्तिगत एजीआई (कृत्रिम सामान्य मेधा) विकसित करना है।

की बढ़ी कीमतें बनीं ईवी की रफ्तार, मई में बिक्री रिकॉर्ड स्तर पर

मई में ईवी की बाजार हिस्सेदारी बढ़कर 11 फीसदी हुई

नई दिल्ली ।

पश्चिमी एशिया में जारी संकट के कारण पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों ने भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की बिक्री को अभूतपूर्व बढ़ावा दिया है। वाहन डीलरों के संगठन फाडा के अनुसार, मई में ईवी की बाजार हिस्सेदारी बढ़कर 11 फीसदी के अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई, जबकि वित्त वर्ष 2025-26 में यह 7 फीसदी थी। ईंधन की कीमतों में लगभग 7.5 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी के बाद यह रुझान देखा गया। फाडा के एक अे धिकारी ने बताया कि दोपहिया वाहनों में ईवी की हिस्सेदारी 6.11 फीसदी से 9.25 फीसदी, तिपहिया में 61.46 से 64.45 फीसदी, यात्री वाहनों में 4.51 से 6.63 फीसदी और वाणिज्यिक वाहनों में 1.37 से 2.86 फीसदी हो गई। मई में कुल वाहन खुदरा बिक्री सालाना आधार पर 10 फीसदी बढ़कर 25.3 लाख इकाई रही, जो मजबूत ग्रामीण मांग से प्रेरित थी। यात्री वाहनों की बिक्री 23 फीसदी, ट्रैक्टरों की 11 फीसदी और दोपहिया वाहनों की 8 फीसदी बढ़ी। मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स और महिंद्रा जैसे प्रमुख निर्माताओं ने भी दमदार वृद्धि दर्ज की।

वैकल्पिक ईंधन (सीएनजी और ईवी सहित) की कुल हिस्सेदारी 38 फीसदी रही। हालांकि, भीषण गर्मी और कुछ मॉडलों की आपूर्ति कमी ने बिक्री की रफ्तार को कुछ हद तक प्रभावित किया।

एनएलसी इंडिया ओएफएस शुरू

गैर-खुदरा निवेशकों की शुरुआती प्रतिक्रिया सुस्त

नई दिल्ली ।

सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी एनएलसी इंडिया में केंद्र सरकार की तीन प्रतिशत तक हिस्सेदारी बिक्री के लिए मंगलवार को खुली पेशकश (ओएफएस) शुरू हो गई। पहले दिन गैर-खुदरा निवेशकों की तरफ से इसे उम्मीद से कम प्रतिक्रिया मिली। आंकड़ों के अनुसार गैर-खुदरा निवेशकों ने अपने लिए आरक्षित 2.49 करोड़ शेयरों में से केवल 1.09 लाख से अधिक शेयरों (0.44 प्रतिशत) के लिए बोली लगाई। यह बोली 304.92 रुपये प्रति शेयर के सांकेतिक मूल्य पर लगी। सरकार एनएलसी इंडिया में अधिकतम तीन प्रतिशत या लगभग 4.16 करोड़ शेयर बेच रही है, जिसका आधार मूल्य 303 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। इस हिस्सेदारी बिक्री से सरकार को करीब 1,200 करोड़ रुपये मिलने का

अनुमान है। यह पेशकश दो प्रतिशत के आधार और अतिरिक्त एक प्रतिशत के ग्रीन शू विकल्प के साथ है। खुदरा निवेशकों के लिए यह निर्गम 10 जून को खुलेगा। वर्तमान में एनएलसी इंडिया में सरकार की 72.20 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

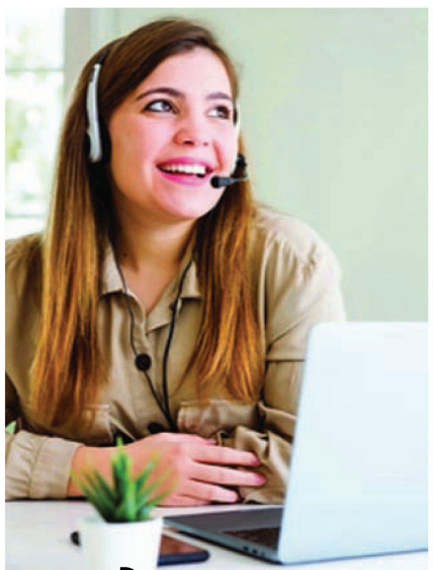

ये हैं दुनिया की 5 सबसे कठिन डिग्रियां

अगर आप अपने करियर को ऊंचाइयों तक ले जाना चाहते हैं और शानदार कमाई करना चाहते हैं, तो इस आर्टिकल में बताए गई कठिन डिग्रियों में से किसी एक को चुन सकते हैं। हालांकि, इन डिग्रियों को हासिल करना आसान नहीं होता, लेकिन मेहनत और लगन से इन्हें पूरा करके आप अपने भविष्य को सुरक्षित और शानदार बना सकते हैं। अगर आप करियर में ऊंचाइयों को छूना चाहते हैं और अच्छी कमाई का सपना देख रहे हैं, तो आपके लिए सही डिग्री चुनना बेहद जरूरी है। दुनिया में कई डिग्रियां ऐसी हैं, जिन्हें पूरा करना आसान नहीं होता है, लेकिन एक बार हासिल करने के बाद इनका स्कोप और सैलरी पैकेज जबरदस्त मिलता है। कठिनाई के बावजूद, इन डिग्रियों की डिमांड हमेशा बनी रहती है। तो आइए दुनिया की 10 सबसे कठिन डिग्रियों के बारे में जानते हैं, जिन्हें पाकर आप लाखों की कमाई कर सकते हैं।

बैचलर ऑफ मेडिसिन एंड बैचलर ऑफ सर्जरी

अगर आप डॉक्टर बनना चाहते हैं, तो MBBS दुनिया की सबसे कठिन डिग्रियों में से एक मानी जाती है। इसमें लंबे समय तक पढ़ाई, इंटर्नशिप और प्रैक्टिकल ट्रेनिंग करनी होती है। लेकिन इस फील्ड में करियर बना लिया, तो कमाई की कोई सीमा नहीं होती।

इंजीनियरिंग

इंजीनियरिंग डिग्री कोर्स काफी कठिन होता है, खासकर तब जब आप टॉप ब्रांच जैसे कंप्यूटर साइंस, इलेक्ट्रिकल या मैकेनिकल इंजीनियरिंग में पढ़ाई कर रहे हों। इसमें थ्योरी, प्रैक्टिकल, प्रोजेक्ट्स और इंटर्नशिप का कॉम्बिनेशन होता है, जो इसे और भी चैलेंजिंग बना देता है।

चार्टर्ड अकाउंटेंसी

CA कोर्स दुनिया के सबसे कठिन कोर्सों में से एक है। इसमें कई स्तर के एग्जाम होते हैं और पास करने की दर भी काफी कम होती है। लेकिन अगर आप इसे पूरा कर लेते हैं, तो बड़े कॉरपोरेट हाउस में लाखों-करोड़ों के पैकेज पर जॉब पा सकते हैं या खुद की फर्म शुरू कर सकते हैं।

एस्ट्रोनॉमी और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग

अगर आपको अंतरिक्ष और विमानन विज्ञान में रुचि है, तो यह डिग्री आपके लिए है। लेकिन यह बहुत ही कठिन होती है, क्योंकि इसमें गणित, भौतिकी और तकनीकी ज्ञान की गहरी समझ जरूरी होती है। नासा, इसरो जैसी एजेंसियों में काम करने का सपना देखने वालों के लिए यह एक बेहतरीन करियर ऑप्शन है।

लॉ के बाद जज बनने और वकालत करने के अलावा भी हैं ढेर सारे विकल्प

यदि आप अपनी बातों को प्रभावी ढंग से सामने वाले के सामने रख सकते हैं और जिसे भारत के कानून के बारे में नई-नई बात जानने की उत्सुकता बनी रहती है, आपके मन में अक्सर किसी व्यवस्था को लेकर उदगार पैदा होते हैं और आप समझते हैं कि यदि आपके हाथ में कानून होता तो इसे ठीक करने की कोशिश करते , तो फिर लॉ का क्षेत्र आपके लिए ही है। अगर आप लॉ के बाद इसमें करियर बनाने की सोच रहे हैं तो आपको बता दें कि इसमें काफी अच्छी संभावनाएं हैं।

लॉ में करियर लंबे समय से युवाओं के बीच पॉपुलर रहा है और अब इसमें विकल्पों के बढ़ने आपके लिए मनमाफिक विकल्प चुनना भी आसान हो गया है। दरअसल कानूनी पेचिदगियों और समाज के विस्तार के चलते कानून के जानकार प्रोफेशनल्स की जरूरत हर जगह बढ़ गई है। आज के समय में आम लोगों अपने अधिकारों के प्रति काफी जागरूक हैं, वे कानूनी प्रक्रियाओं को समझना चाहते हैं, ऐसे में लॉ में करियर बनाने वालों का महत्व और भी ज्यादा बढ़ गया है। साथ ही हर दिन किसी नई खोज या तकनीकी विकास के चलते पुराने और प्रचलित कानूनों में संशोधन करने की जरूरत होती है। और इस लिहाज से भी कानून के जानकारों की मांग में में इजाफा हुआ है।

लॉ का ये है पाठ्यक्रम

लॉ से सम्बंधित 2 पाठ्यक्रम होते हैं पहला, 10+2 के बाद पांच वर्षीय इंटिग्रेटेड लॉ पाठ्यक्रम और ग्रेजुएशन के बाद तीन वर्षीय लॉ पाठ्यक्रम। पांच वर्षीय इंटिग्रेटेड लॉ पाठ्यक्रमों में भी अब पाँच प्रकार के पाठ्यक्रम हो गए हैं - आर्ट्स के छात्रों के लिए बीए एलएलबी, साइंस के छात्रों के लिए बीएससी एलएलबी, कॉमर्स के छात्रों के लिए बीकॉम एलएलबी, कंप्यूटर साइंस के छात्रों के लिए बीसीए एलएलबी और मैनेजमेंट के छात्रों के लिए बीबीए एलएलबी। उक्त पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए आपको क्लैट यानि कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट से गुजरना होगा, जो वर्ष में एक बार होता है। आपकी रैंकिंग के आधार पर आपको कॉलेज अलॉट किए जायेंगे। देश में कई ऐसे सरकारी विश्वविद्यालय हैं, जहाँ केवल लॉ की ही पढ़ाई होती है। ग्रेजुएशन के बाद के लॉ पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए विश्वविद्यालय अपना-अपना एंट्रेंस टेस्ट संचालित करते हैं।

इस तरह बनें लायर

वह समय ख़त्म हो गया, जब आप लॉ की परीक्षा पास कर काला कोट पहन कर सीधे वकालत में सकते हैं। लॉ के बाद आपको बार काउन्सिल ऑफ़ इंडिया द्वारा संचालित आल इंडिया बार एग्जामिनेशन यानि एआईबीई देना होगा, जिसके बाद ही आप वकालत के लिए योग्य घोषित कर दी जाएंगी। इसके बाद आपका रजिस्ट्रेशन बार काउन्सिल ऑफ़ इंडिया में हो जायेगा और तब आप वकील के तौर पर काम करने की योग्यता प्राप्त कर लेंगीं।

एकेडमिक्स में जाएं

यदि आपका ध्येय केवल एक वकील की तरह भारत के किसी भी न्यायलय में वकालत को अपना करियर बनाना है, तो इसमें एलएलएम (लॉ में पोस्ट ग्रैजुएट) की कोई भूमिका नहीं है। इसके लिए आपकी एलएलबी की डिग्री ही पर्याप्त है। एलएलएम और पीएचडी मुख्य रूप से वे महिलाएं करती हैं, जो लॉ के क्षेत्र में एकाडेमिक्स में जाना चाहती हैं और आगे चलकर किसी लॉ कॉलेज में एक लेक्चरर के रूप में अपना करियर बनाना चाहती हैं। अगर आप किसी कानून विशेष में स्पेशलाइजेशन करना चाहती हैं, तो पीजी और पीजी डिप्लोमा स्तर पर स्पेशलाइजेशन के लिए कई विकल्प उपलब्ध हैं।

एनवायरमेंटल लॉयर

अगर आप प्रकृति के संरक्षण के बारे में गंभीरता से सोचती हैं तो एन्वायरमेंटल लॉयर बनने के बारे में सोच सकती हैं। इसके जरिए आप प्राकृतिक संपदा के नष्ट होने से जुड़ी चीजों को बचाने की बात कह सकती हैं। इसके तहत आप पब्लिक इंट्रस्ट लिटिगेशन भी डाल सकती हैं। इसके अलावा एन्वायरमेंटल लॉयर्स की जरूरत एनजीओज में भी होती है, जो प्रकृति को होने वाले नुकसान पर आवाज उठाते हैं।

साइबर लॉयर

टेक्निकल एडवांसमेंट के दौर में साइबर अपराध भी तेजी से बढ़ रहे हैं और इन पर काबू पाने के लिए साइबर लॉयर्स की मांग तेजी से बढ़ रही है। खासतौर पर फर्जी ई-मेल भेजना, सोशल अकाउंट हैक करना, कंपनियों के साथ फ्रॉड, खातों से फर्जी तरीके से पैसे निकालना, एसएमएस हैकिंग, मोबाइल क्लोनिंग जैसे मामले सामने आ रहे हैं। इसे देखते हुए कंप्यूटर और नेटवर्क सिक्योरिटी पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसे देखते हुए आप कंप्यूटर एंड डिजिटल फॉरेंसिक एक्सपर्ट बनने के बारे में भी सोच सकती हैं।

पेटेंट एंड कॉपीराइट लॉयर

कई बार लोग अवैध रूप से किसी अन्य व्यक्ति की खोज को अपना नाम दे देते हैं, इससे सुरक्षा देता है पेटेंट एंड कॉपीराइट लॉ। कानूनी तौर पर अगर कोई थर्ड पार्टी मूल प्रॉडक्ट को बनाना चाहती है, तो उसे इसके लिए लाइसेंस लेने की जरूरत होती है और उस पर रॉयल्टी शुल्क देना पड़ता है। बौद्धिक संपदा यानी Intellectual Property बिजनेस के उभरते हुए क्षेत्रों में से एक है और इसमें यंग प्रोफेशनल्स की अच्छी खासी मांग है।

लेबर लॉयर

कंपनियों में काम करने वाले कर्मचारियों के अधिकार लेबर लॉ के तहत आते हैं। अक्सर कंपनियों में काम कर रहे इंप्लॉई अपने अधिकार और अन्य विवादों को लेकर अदालत में पहुंच जाते हैं। लेबर लॉ से जुड़े मामलों में इजाफा होने की वजह से इसमें भी आपके लिए आपके लिए अच्छी संभावनाएं हो सकती हैं।

इंटरनेशनल लॉयर

अगर आपकी अंग्रेजी अच्छी है और आपकी अंतरराष्ट्रीय घटनाओं में रुचि है तो आप इंटरनेशनल लॉयर बनने के बारे में भी सोच सकती हैं। इसके तहत विभिन्न राष्ट्रों के राष्ट्रीय हितों से जुड़ी समस्याओं का कानूनी तरीके से हल निकाला जाता है।

कॉरपोरेट लॉयर

देश में कंपनियों के बढ़ते प्रसार के बीच आजकल कॉरपोरेट लॉ का स्कोप भी काफी अच्छा है। इसके तहत कंपनियां ऐसे प्रोफेशनल्स अपने यहां रखती हैं, जो उन्हें अपनी कानूनी अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में सलाह दे सकें। कॉरपोरेट लॉयर्स के तौर पर अच्छा तजुर्बा हासिल होने पर अच्छा पे-पैकेज भी मिलता है।

ये हैं जरूरी गुण

- बेहतर संवाद क्षमता
- अच्छी मेमोरी
- हाजिरजवाब
- तार्किक और चीजों का विश्लेषण करने में निपुण
- धैर्यवान होने का गुण
- समस्याओं के अनूठे हल निकालने में सक्षम
- कानूनी पहलुओं की अच्छी जानकारी
- समर्पण और कड़ी मेहनत

बीसीए के बाद अच्छी जॉब के लिए बेहतरीन करियर ऑप्शंस

बीसीए, एक पॉपुलर अंडरग्रेजुएट कोर्स है, जिसे कंप्यूटर साइंस और आईटी फील्ड में करियर बनाने के लिए किया जाता है। हालांकि, इस कोर्स को करेने के बाद, आगे क्या करें सोच कर आप भी परेशान चल रहे हैं, तो चलिए हम आपको यहां बीसीए के बाद के कुछ बेहतरीन करियर ऑप्शंस के बारे में बताते हैं।

अगर आपने अंडरग्रेजुएट कोर्स बीसीए कर लिया है और अब समझ नहीं आ रहा कि आगे क्या करें, तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। भले ही, अक्सर स्टूडेंट्स बीसीए के बाद क्या करें? इस सवाल को लेकर कंफ्यूज हो जाते हैं, पर आपको इतना सोचने की जरूरत अब तो बिल्कुल भी नहीं है, क्योंकि बीसीए के बाद आपके पास करियर के कई बेहतरीन विकल्प होते हैं, जिनमें उच्च शिक्षा, सरकारी नौकरियां और प्राइवेट सेक्टर में हाई-सैलरी जॉब्स शामिल हैं। सही करियर ऑप्शन का चुनाव आप अपने स्किल्स, इंटरेस्ट और करियर गोल्स के आधार पर कर सकते हैं।

इसी क्रम में आइए हम आपकी दुविधा को दूर करते हैं। दरअसल, इस आर्टिकल में हम आपको बीसीए के बाद मिलने वाले टॉप करियर ऑप्शंस के बारे में विस्तार से बताएंगे, जिससे आप अपने फ्यूचर के लिए सही फैसला ले सकें और आगे जाकर आप एक अच्छी जॉब व हाई सैलरी पा सकें। बीसीए के बाद बेहतरीन करियर ऑप्शंस -

MCA (Master of Computer Applications)

अगर आप अपनी तकनीकी स्किल्स को और मजबूत करना चाहते हैं, तो MCA करना एक बेहतरीन ऑप्शन है। यह कोर्स आपको सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा साइंस जैसे एडवांस्ड टॉपिक्स सिखाता है। रही बात इस कोर्स के बाद जॉब ऑप्शंस की तो आप इससे सॉफ्टवेयर इंजीनियर, वेब डेवलपर, डेटा साइंटिस्ट, आईटी कंसल्टेंट आदि बन सकते हैं। इसमें आपको लगभग रू 5-12 लाख प्रति वर्ष का पैकेज भी मिल सकता है।

MBA (Master of Business Administration)

अगर आप मैनेजमेंट और लीडरशिप में करियर बनाना चाहते हैं, तो स्क्कआपके लिए सही रहेगा। खासकर IT Management, Business Analytics और Digital Marketing में MBA करने से आपको कॉर्पोरेट सेक्टर में अच्छी जॉब मिल सकती है। इस जॉब में आपको शुरुआत में कम से कम रू 6-15 लाख प्रति वर्ष का पैकेज मिल सकता है।

डेटा साइंस और मशीन लर्निंग में बनाएं करियर

बीसीए के बाद डेटा साइंस और मशीन लर्निंग में करियर बनाना आज के समय में बहुत अच्छा विकल्प है। इस फील्ड में जॉब्स की डिमांड तेजी से बढ़ रही है और सैलरी भी काफी अच्छी है। बीसीए करने के बाद, आप डेटा साइंटिस्ट, एआई इंजीनियर, मशीन लर्निंग डेवलपर आदि बन सकते हैं। बात अगर सैलरी पैकेज की करें तो आपको रू 8-20 लाख प्रति वर्ष का पैकेज मिल सकता है।

डिजिटल मार्केटिंग और SEO में हाथ आजमाएं

अगर आपको क्रिएटिविटी और मार्केटिंग में रुचि है, तो डिजिटल मार्केटिंग एक बेहतरीन करियर ऑप्शन हो सकता है, जो आप बीसीए करने के बाद आराम से कर सकते हैं। कंपनियां अपने बिजनेस को ऑनलाइन प्रमोट करने के लिए डिजिटल मार्केटर्स को हायर कर रही हैं। ऐसे में, आपको डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर, SEO एक्सपर्ट, कंटेंट मार्केटर की पोस्ट मिल सकती है। साथ ही, रू 4-12 लाख प्रति वर्ष का पैकेज मिल सकता है।

ऋतुराज के शतक के बाद गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन से भारत ए टीम ने श्रीलंका ए को हराया

दांबुला (एजेंसी)। ऋतुराज गायकवाड़ के शानदार शतक के बाद गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन से भारत ए टीम ने श्रीलंका ए को त्रिकोणीय एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में 8 रनों से हरा दिय। इस मैच में ऋतुराज के शतक से भारतीय टीम ने श्रीलंका ए को जीत के लिए 278 रनों का लक्ष्य दिया था। जिसके जवाब में श्रीलंका ए टीम 269 रनों पर ही सिमट गयी। इस प्रकार भारतीय टीम ने 8 रनों से मुकाबला जीत लिया। श्रीलंका की ओर से सबसे अधिक 74 रन साहन अराचिगे ने बनाये। । 48वें ओवर में अंशुल कांबोज ने सहान अराचिगे को पेवेलियन भेज दिया। . उस समय श्रीलंका ए को जीत के लिए केवल 10 गेंदों में 9 रन चाहिए थे और उसके पास तीन विकेट थे पर इसके बाद उसके बल्लेबाज टिक नहीं पाये। वानुजा सहान 23 रन बनाकर रनआउट हो गए। वहीं . मोहम्मद शिराज खाता खोले बिना आउट हुए और श्रीलंका ए की पूरी टीम 48.5 ओवर में 269 रन पर आउट हो गयी। भारत ए की ओर से से अरशद खान, अनुकूल रॉय, आयुष बदोनी, वपराज निगल ने दो-दो विकेट लिए। वहीं इससे पहले ऋतुराज के शानदार शतक से भारत ए टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 277 बनाये हैं। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह 2 और वैभव सूर्यवंशी 14 रन बनाकर ही पेवेलियन लौट गये। इसके बाद प्रियांश आर्य और ऋतुराज गायकवाड़ ने पारी को संभाला। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 53 रन बनाये। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए प्रियांश ने 32 गेंदों पर 32 रन बनाये। प्रियांश के आउट होने के बाद ऋतुराज और कप्तान तिलक वर्मा ने पारी संभाली और चौथे विकेट के लिए 150 रन बनाये। ऋतुराज ने 114 गेंदों पर 3 छक्कों और 6 चौकों की सहायता से 101 रन बनाये। कप्तान

तिलक वर्मा ने भी 97 गेंदों पर 60 बनाये। आयुष बडोनी ने 24 और सुर्यांश शेड्गे ने 26 रन बनाए। इस प्रकार भारत ए टीम ने 50 ओवर में 6 विकेट पर 277 रन बनाए।

वहीं श्रीलंका ए की ओर से मोहम्मद शिराज ने 2 विकेट जबकि चमिका करुणारत्ने, गारुका संकेथ, और वानुजा सहान ने 1-1 विकेट लिए।

आयरलैंड-इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए सिराज को आराम, कृष्णा शामिल

पेरिस (एजेंसी)। मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की जगह पर प्रसिद्ध कृष्णा को शामिल किया है। टीम प्रबंधन ने बीसीसीआई की मेडिकल टीम के साथ बातचीत के बाद सिराज को कार्यभार प्रबंधन के तहत आराम देते हुए ये फैसला किया है। इस फैसले से पता चलता है कि बीसीसीआई अपने खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर पूरी सतर्कता रखता है।

इसी कारण बोर्ड की मेडिकल टीम और टीम प्रबंधन के बीच गहन विचार-विमर्श के बाद, यह निर्णय लिया गया कि सिराज को एक लंबे अंतरराष्ट्रीय सत्र से पहले पूरी तरह से तरोताजा होने का मौका दिया जाए। यह कदम उन्हें भविष्य में होने वाली एकदिवसीय और टेस्ट सीरीज के लिए पूरी तरह फिट बनाये रखने की रणनीति का हिस्सा है। सिराज हाल ही में हुए टी20 विश्व कप में भारतीय टीम का हिस्सा रहे थे, जहां उन्होंने अपनी तेज गेंदबाजी से अहम योगदान दिया था। इसके अतिरिक्त, उन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच में भी हिस्सा लिया था। हालांकि, अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवीसय सीरीज के लिए उन्हें आराम दिया गया था, जो उनके कार्यभार को प्रबंधित करने की दिशा में एक और कदम था। अपने छोटे टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर में सिराज ने अब तक 17 मैचों में 17 विकेट हासिल किए हैं।

सिराज की अनुपस्थिति में प्रसिद्ध कृष्णा को आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे पर भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा। कृष्णा ने अपने पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 8 विकेट लिएहैं, जो उनकी विकेट लेने की क्षमता को दिखाता है। इसके अलवा आईपीएल 2026 में गुजरात टाइटंस के लिए भी उन्होंने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए 12 मैचों में 16 विकेट लिए थे।

भारतीय टीम अपने दौरे में आयरलैंड में दो टी20 जबकि इंग्लैंड में पांच मैचों की टी20 सीरीज खिलेगी।

टीम इस प्रकार है

श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, तिलक वर्मा (उपकप्तान), नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव, वैभव सूर्यवंशी, प्रसिद्ध कृष्णा।

महिला टी20 विश्व कप के प्रबल दावेदारों में न्यूजीलैंड सहित ये चार टीमें

–ऑस्ट्रेलिया के नाम रहा है सबसे अधिक बार खिताब

लंदन (एजेंसी)। 12 जून से इंग्लैंड में शुरु हो रहे महिला विश्वकप क्रिकेट को लेकर सभी टीमें अपनी तैयारियों को अंतिम

रुप देने में लगी हैं। इसको लेकर प्रशंसकों में भी जबरदस्त उत्साह है। इस बार खिताब की बड़ी दावेदारों में मौजूद चैम्पियन न्यूजीलैंड सहित कुल चार टीमें ऑस्ट्रेलिया, मेजबान इंग्लैंड और भारत भी है। न्यूजीलैंड टीम का लक्ष्य अपने खिताब को बनाये रखना रहेगा। वहीं भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड भी इस बार खिताब अपने नाम करने उतरेंगी। पिछले आंकड़ों पर नजर डालें तो महिला टी20 विश्व कप में सबसे अधिक बार ऑस्ट्रेलिया की टीम जीती है। उसने सबसे अधिक सात बार इस टूर्नामेंट का फाइनल अपने नाम किया है। ऑस्ट्रेलिया केवल एक बार, साल 2016 में वेस्टइंडीज के खिलाफ हुए फाइनल में हारी है। इसलिएइस बार भी कंगारुओं को खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है।

वहीं ऑस्ट्रेलिया के बाद, इंग्लैंड की टीम टी20 विश्व कप के फाइनल में सबसे अधिक चार बार फाइनल तक पहुंची है, हालांकि वह केवल एक बार, 2009 में जीत दर्ज करने में सफल रही है। वहीं साल 2012, 2014 और 2018 के फाइनलों में उसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। दूसरी ओर न्यूजीलैंड की टीम तीन बार फाइनल में पहुंची है। कीवी टीम ने साल 2009 और साल 2010 में फाइनल खेला है पर उसे दोनों बार इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार का सामना करना पड़ेगा। वहीं साल 2024 में न्यूजीलैंड ने पहली बार इस ट्रॉफी को अपने नाम किया और फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराया था। पिछले कुछ समय में दक्षिण अफ्रीका की टीम ने भी प्रभावित किया है। है। पिछले दो महिला टी20 विश्व कप के फाइनल में साउथ अफ्रीका ने जगह बनाई है, लेकिन दोनों ही बार वे चैंपियन बनने से रह गईं। साल 2023 में उन्हें ऑस्ट्रेलिया ने और 2024 में न्यूजीलैंड ने हराया था। वहीं भारतीय टीम का पिछले कुछ समय से प्रदर्शन लगातार बेहतर हुआ है। भारतीय टीम साल 2020 विश्व कप में फाइनल में पहुंची थी पर उसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार का सामना करन पड़ा था। इस बार भारतीय टीम का लक्ष्य खिताब जीतना रहेगा।

वैभव सूर्यवंशी का अनूठा डाइट प्लान: स्वाद से समझौता नहीं, प्रदर्शन में कोई कमी नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। आधुनिक क्रिकेट में अब खिलाड़ियों का प्रदर्शन केवल उनके कौशल तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि फिटनेस भी टीम में चयन का एक महत्वपूर्ण पैमाना बन चुकी है। खिलाड़ी न केवल घंटों नेट पर पसीना बहाते हैं, बल्कि जिम में कठोर वर्कआउट करते हुए अनुशासित डाइट प्लान का भी पालन करते हैं पर उभरते क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी का अंदाज इससे अलग है। महज 15 साल की उम्र में अपने प्रदर्शन से सबका ध्यान खींचने वाले वैभव खाने के बहुत शौकीन हैं और किसी प्रकार का परहेज नहीं रकते। उनके इस शौक के कारण कई बार उनकी फिटनेस पर सवाल भी उठे, लेकिन मैदान पर उनके धमाकेदार खेल पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। ऐसे में क्रिकेट प्रेमी यह जरूर जानना चाहेंगे कि आखिर 15 साल के इस उभरते हुए बल्लेबाज को किस तरह का खाना पसंद है और उनका डाइट प्लान क्या है।

वैभव अपने एक बार कहा था कि उन्हें घर का बना खाना बेहद पसंद है। खासतौर पर नॉनवेज फूड में उन्हें मटन खाने का बहुत शौक है, जिसे वह बेहद चाव से खाते हैं। इसके अलावा, चिकन और हाई प्रोटीन के लिए मछली भी उनकी डाइट का हिस्सा हैं। सिर्फ मांसाहारी भोजन ही नहीं, वैभव मिठाई के भी बहुत बड़े शौकीन हैं। जब भी उन्हें मौका मिलता है, वह स्वादिष्ट राजभोग का स्वाद लेते हैं। इसके साथ ही आइसक्रीम भी उनकी पसंदीदा चीजों में से एक है। फिलहाल, वैभव खाने-पीने में कोई खास परहेज नहीं करते और जो उन्हें पसंद आता है, उसे खाते हैं। उनका यह बेपरवाह अंदाज आज के युवा खिलाड़ियों के सख्त डाइट रूटीन से काफी अलग है।

यह भी ध्यान देने योग्य बात है कि आईपीएल 2026 के दौरान जब वैभव से उनकी फिटनेस के बारे में पूछा गया था, तो उन्होंने इस बात को स्वीकार किया था कि वह धीरे-धीरे अपने डाइट प्लान में बदलाव करेंगे। उनका मानना है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए उन्हें अपनी फिटनेस को और बेहतर बनाना होगा। हालांकि, वैभव दिखने में भले ही थोड़े भारी लगते हों, लेकिन मैदान पर जब उनका बल्ला बोलता है, तो पता चलता है कि वह पूरी तरफ से फिट हैं। यही कारण है कि कई क्रिकेट विशेषज्ञों ने उन्हें अपने खान-पान में तत्काल कोई बड़ा बदलाव न करने की सलाह भी दी है, ताकि उनके स्वाभाविक खेल पर कोई नकारात्मक प्रभाव न पड़े। वैभव अपने खेल और खाने के बीच एक ऐसा संतुलन बनाए हुए हैं, जो उन्हें एक विशिष्ट पहचान देता है और भविष्य में जब वह अपनी फिटनेस पर और काम करेंगे, तो निश्चित रूप से और भी खतरनाक बल्लेबाज बनकर उभरेंगे।

रोहित और हार्दिक अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए फिट हो जायेंगे : कोटक

मुम्बई ।भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या पूरी तरह फिट होने के करीब हैं। ऐसे में ये दोनो अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से वापसी कर सकते हैं। कोटक ने कहा कि उन्हें दोनों खिलाड़ियों की मेडिकल रिपोर्ट की पूरी जानकारी नहीं पर जो जानकारी मिली है। उससे साफ है कि इन दोनो की फिटनेस पहले से ठीक हुई है। उन्होंने भरोसा जताया कि दोनों खिलाड़ी शीघ्र ही पूरी फिटनेस हासिल कर लेंगे। कोटक के इस बयान से भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों भी भी राहत है क्योंकि सभी को उम्मीद है कि रोहित इस सीरीज ही नहीं साल 2027 विश्व कप में भी खेलेंगे। रोहित आईपीएल के 19 वें सत्र के दौरान ही हैमस्ट्रिंग के दर्द से परेशान थे। इसी कारण कारण वह कुछ महत्वपूर्ण मुकाबलों से बाहर थे। वहीं ऑलराउंडर पांड्या भी पीठ में जकड़न के कारण तीन मैचों से बाहर रहे थे। हालांकि, दोनों ही खिलाड़ी अपनी चोटों से उबरते हुए सत्र के अंतिम चरण में अपनी फ्रेंचाइजी मुंबई इंडियंस के लिए मैदान पर वापसी करने में सफल रहे थे। हालांकि अभी भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से रोहित और हार्दिक की फिटनेस को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। इसका कारण है कि अभी तक इन दोनो को बेंगलुरु स्थित नेशनल क्रिकेट एकेडमी से फिटनेस मंजूरी नहीं मिली है पर सोशल मीडिया पर इनकी ट्रेनिंग की कुछ तस्वीरें सामने आने के बाद से ही उनकी वापसी को लेकर अटकलें और चर्चाएं तेज हो गई हैं, जिससे प्रशंसकों में उत्साह का माहौल है।

डेब्यू टेस्ट में छाए मानव सुथार, भारतीय क्रिकेट को मिला नया स्पिन सितारा

न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट को युवा स्पिनर मानव सुथार के रुप में एक नया स्पिन सितारा मिल गया है। सुथार ने अफगानिस्तान के खिलाफ अपने डेब्यू टेस्ट मैच में सनसनीखेज प्रदर्शन करते हुए सभी को प्रभावित किया है। मुल्लांपुर स्थित महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहे इस एकमात्र टेस्ट मुकाबले में सुथार ने अपनी करिश्माई गेंदबाजी से विपक्षी बल्लेबाजों के लिए एक अबूझ पहेली साबित हुए। उन्होंने अपनी पहली ही उपस्थिति में कुल सात विकेट झटककर भारतीय टीम को मजबूती प्रदान की है।

मानव ने पहली पारी में सिर्फ 33 रन खर्च करते हुए 6 बहुमूल्य विकेट चटकाए, जो उनके शानदार नियंत्रण और विकेट लेने की क्षमता का प्रमाण है। दूसरी पारी में भी उन्होंने एक विकेट अपने नाम किया। यह प्रदर्शन न केवल टीम के लिए महत्वपूर्ण साबित हुआ है, बल्कि भारतीय क्रिकेट के लिए एक नई और होनहार स्पिन प्रतिभा के उभरने का स्पष्ट संकेत भी है। उनके इस दमदार आगाज से टीम प्रबंधन और प्रशंसकों दोनों में उत्साह का माहौल है।

इस बेहतरीन प्रदर्शन के साथ ही मानव सुथार ने भारत के

लिए टेस्ट डेब्यू पर तीसरा सबसे सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़ा दर्ज करने का ऐतिहासिक रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। वह इस विशिष्ट सूची में केवल महान स्पिनर नरेंद्र हिरवानी से पीछे हैं, जिन्होंने 1988 में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने पहले ही टेस्ट मैच की दोनों पारियों में 8-8 विकेट लेकर कुल 16 विकेट चटकाए थे। सुथार का यह प्रदर्शन उन्हें भारतीय क्रिकेट इतिहास के पन्नों में दर्ज करा गया है और उन्हें भविष्य के लिए एक उज्ज्वल संभावना के रूप में स्थापित करता है।

अपने इस यादगार प्रदर्शन के बाद मानव सुथार ने मैच के दौरान अपनी घबराहट पर काबू पाने और अफगानिस्तान के बल्लेबाजों को लाचार करने के अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया, जब मैं पहली पारी में बल्लेबाजी करने उतरा, तो मैं काफी सहज महसूस कर रहा था। कुछ गेंदे खेलने के बाद ही मुझे यह समझ आ गया था कि इस विकेट पर स्पिनरों के लिए थोड़ी मदद मौजूद है। उन्होंने आगे कहा, इसके बाद जब मैं गेंदबाजी करने आया और अपना पहला ओवर डाला, तो मुझे वही अहसास हुआ। उसके बाद मेरा पूरा ध्यान केवल सही लाइन, लेंथ और अपनी गति पर नियंत्रण रखने पर था, ताकि मैं लगातार दबाव बना सकूं और विकेट ले सकूं। उनका यह बयान उनकी परिपक्वता और खेल के प्रति उनकी गहरी समझ को दर्शाता है। मानव सुथार के इस चमकदार डेब्यू ने भारतीय चयनकर्ताओं और प्रशंसकों दोनों को एक नई उम्मीद दी है, जिससे आने वाले समय में उन्हें बड़े मंच पर और अवसर मिलने की संभावना बढ़ गई है।

ईरान के फुटबॉल महासंघ का दावा, अमेरिका में होने वाले मुकाबलों के लिए प्रशंसकों के टिकट रद्द

तिजुआना (मैक्सिको) । ईरान के फुटबॉल महासंघ ने मंगलवार को दावा किया कि फीफा ने अमेरिका में होने वाले देश के तीन विश्व कप मुकाबलों के लिए ईरानी प्रशंसकों को मिलने वाले टिकट रद्द कर दिए हैं। विश्व कप में हिस्सा लेने वाली 48 टीम में से हर महासंघ को स्टेडियम की क्षमता के आठ प्रतिशत टिकट मिलते हैं और उसके पास उन्हें बांटने का अधिकार होता है, यानी हर मैच के लिए कई हजार टिकट। ईरान को विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत 15 जून को लॉस एंजिलिस रैम्स के स्टेडियम इंगलवुड में न्यूजीलैंड के खिलाफ करनी है और इससे कुछ दिन पहले महासंघ ने एक बयान में कहा कि वह अपने समर्थकों को कोई भी टिकट नहीं दे पाएगा। इस मामले में प्रतिक्रिया के लिए फीफा से संपर्क किया गया था। इस दावे से ईरानी फुटबॉल, फीफा और टूर्नामेंट के सह मेजबान अमेरिका के बीच चल रही उथल–पुथल और बढ़ गई है। अमेरिका ने 28 फरवरी को ईरान पर सैन्य हमले शुरू किए थे। ईरान की टीम युद्ध पूर्व के कार्यक्रम के तहत एरिजोना के टक्सन की जगह मैक्सिको की सीमा पर बसे शहर तिजुआना में ट्रेनिंग कर रही है। महासंघ के कुछ अधिकारियों को भी अमेरिका में प्रवेश के लिए वीजा नहीं मिला है जहां ईरान 21 जून को इंगलवुड में बेल्जियम और फिर 26 जून को सिएटल में मिस्र के खिलाफ भी खेलेगा। पिछले साल से ही अमेरिकी सरकार ने ईरान के निवासियों पर यात्रा प्रतिबंध लगा रखा था और उन्हें विश्व कप के लिए प्रवेश वीजा मिलने की संभावना कम थी।

महिला टी20 विश्व कप : क्या भारत लगातार दूसरा खिताब जीत पाएगा?, 10वें सत्र में कई रोमांचक संभावनाएं

बेंगलुरु (एजेंसी)। क्या भारत ऐतिहासिक 'डबल' (दो बड़े खिताब एक साथ जीतना) पूरा कर पाएगा? क्या ऑस्ट्रेलिया अपनी खोई हुई जगह वापस पा सकेगा? क्या हमेशा अंतिम पड़ाव पर चूकने वाला दक्षिण अफ्रीका इस बार सुर्खियां बटोरेगा? या कोई कमजोर मानी जाने वाली टीम रोमांचक जीत हासिल करेगी? इंग्लैंड में 12 जून से शुरू हो रहे आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के 10वें सत्र में कई रोमांचक संभावनाएं हैं। आइए दावेदारों और उनकी चुनौतियों पर नजर डालते हैं-

भारत

पिछले साल एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय विश्व कप जीतने के बाद भारत टी20 प्रारूप में जीत दर्ज करके शानदार 'डबल' पूरा करने के लिए उत्सुक होगा। ऐसा कमाल सिर्फ ऑस्ट्रेलिया ही कर पाया है। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली टीम में ऐसा करने की क्षमता है जैसा कि पिछले छह महीने में श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में उनकी जीत से साबित हुआ है। लेकिन दक्षिण अफ्रीका (4-1) और इंग्लैंड (2-1) के खिलाफ उनकी सरजमीं पर भारत को हार झेलनी पड़ी।

टीम को तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर अमनजोत कौर की कमी भी खलेगी जो इंग्लैंड की परिस्थितियों में अहम भूमिका निभा सकती थीं। भारतीय टीम को उम्मीद होगी कि बल्लेबाज शुरू से ही लय पकड़ लेंगी और रेणुका सिंह, अरुंधति रेड्डी और क्रांति गौड़ की तेज गेंदबाजी तिकड़ी शानदार स्पेल डाल पाएंगी। स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स, हरमनप्रीत, दीप्ति शर्मा और ऋचा घोष जैसी कुछ प्रमुख खिलाड़ियों ने 'द हंड्रेड' और 'किया सुपर लीग' में खेला है और वह अनुभव काम आएगा।

ऑस्ट्रेलिया

छह बार की चैंपियन टीम को एलिसा हीली के संन्यास के बाद सोफी मोलिन्यु के रूप में नई कप्तान मिली है। लेकिन ऑस्ट्रेलिया की असली ताकत उनकी जानी-पहचानी और भरोसेमंद कोर टीम है जिसमें एलिस पेरी, ताहलिया मैकग्रा, एशले गार्डनर, मेगन शूट, एलेना किंग और बेथ मूनी शामिल हैं। सलामी बल्लेबाज जॉर्जिया वोल और बाएं हाथ की तेज गेंदबाज लूसी हैमिल्टन के आने से टीम और मजबूत हुई है। ऑस्ट्रेलियाई टीम 2017 के बाद पहली बार बिना किसी ट्रॉफी के आईसीसी प्रतियोगिता में उतर रही है और वे निश्चित रूप से इस स्थिति को बदलना चाहेंगे।

न्यूजीलैंड

मौजूदा चैंपियन ऐसी टीम के साथ आ रहे हैं

जिसमें अनुभव और युवा जोश का सही मिश्रण है और उन्हें हराना आसान नहीं होगा। न्यूजीलैंड की उम्मीदें मुख्य रूप से सोफी डिवाइन, सूजी बेट्स और लिया ताहुहू पर टिकी होंगी। टीम इस तिकड़ी के लिए खिताब जीतना चाहती है क्योंकि वे इस टूर्नामेंट के बाद इस प्रारूप से अलग हो जाएंगी। टीम को ऑलराउंडर अमेलिया केर से काफी उम्मीदें हैं क्योंकि हाल ही में बल्ले से उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। वह 2024 में फाइनल और टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रही थीं। पिछले दो वर्षों में उनकी साख और कौशल में और निखार आया है।

इंग्लैंड

मेजबान टीम नियमित कप्तान नैट स्काइवर ब्रंट की फिटनेस पर नजर रखेगी जो भारत के खिलाफ हालिया श्रृंखला में नहीं खेल पाई थीं। उम्मीद है कि वह टूर्नामेंट के लिए फिट हो जाएंगी। लेकिन चार्ली डीन की कप्तानी में इंग्लैंड ने उस श्रृंखला में साबित कर दिया कि वे स्काइवर ब्रंट के बिना भी जीत सकते हैं। टीम ने 0-1 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 2-1 से जीत हासिल की थी। टीम के पास एलिस कैपसी, सोफी एक्लेस्टोन, लिंडसे स्मिथ, फ्रेया केम्प और अनुभवी खिलाड़ी हीथर नाइट और डैनी वाट-हॉज जैसे बेहतरीन खिलाड़ी भी हैं।

दक्षिण अफ्रीका

अपना पहला खिताब जीतने की कोशिश में दक्षिण अफ्रीका ने अनुभवी तेज गेंदबाज शबनिम इस्माइल को टीम में शामिल किया है लेकिन उनकी असली ताकत नेदिन डि क्लर्क, सुने लूस, क्लो ट्रायोन और डेन वान नीकर्क जैसी खिलाड़ी हैं जो खेल के किसी भी चरण में शानदार प्रदर्शन कर सकती हैं। शांत स्वभाव वाली लॉरा वोलवार्ट की कप्तानी वाले दक्षिण अफ्रीका के पास मारिजेन कैप, अयाबोंगा खाका और एनेरी डर्कसेन के रूप में एक काबिल गेंदबाजी इकाई है। टीम को भारत और ऑस्ट्रेलिया के ग्रुप में जगह मिली है इसलिए सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए उन्हें हर समय सतर्क रहना होगा।

छुपा रुस्तम :श्रीलंका

विश्व कप से पहले श्रीलंका की टीम शानदार फॉर्म में है। टीम ने बांग्लादेश और वेस्टइंडीज के खिलाफ उनके घर पर पांच मैच जीते हैं। श्रीलंका की सबसे बड़ी स्टार कप्तान चामरी अटापट्टू हैं जिन्हें टूर्नामेंट में बल्ले से अहम भूमिका निभानी होगी। टीम हालांकि पिछले कुछ वर्षों में अपनी इस स्टार खिलाड़ी पर निर्भरता कम करने में कामयाब रही है।

श्रीलंका ने हसिनी परेरा, विश्मी गुणरत्ने, हर्षिता समरविक्रमा, नीलाक्षिका सिल्वा और कविशा दिलहारी जैसी प्रतिभावान खिलाड़ियों को तैयार किया है। हालांकि टीम के पास भरोसेमंद तेज गेंदबाजी आक्रमण नहीं है इसलिए स्पिनरों से उम्मीद की जाएगी कि वे विरोधी टीम पर लगाम कसें। इंग्लैंड में धीमे गेंदबाज कितना असर डाल पाएंगे यह बहस का विषय है। टूर्नामेंट में यह टीम की कमजोरी साबित हो सकती है।

पाक क्रिकेटर खुशदिल शाह का विवादास्पद आरोप : भारत के पक्ष में जाते हैं अधिकांश अंपायरिंग फैसले

लाहौर । शाहिद अफरीदी सहित कई पाकिस्तानी क्रिकेटर हमेशा ही भारत के खिलाफ विवादास्पद बयान देते रहते है। अब इनमें ऑलराउंडर खुशदिल शाह भी शामिल हो गये हैं। जाने खुशदिल ने अब कहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले बड़े मुकाबलों में अंपायरिंग को लेकर अधिकतर फैसले भारत के पक्ष में जाते हैं। यह बयान ऐसे समय में आया है जब दोनों देशों के बीच क्रिकेट संबंध तनावपूर्ण हैं। ऐसे में खुशदिल के इस प्रकार के आरोप माहौल को और गर्मा सकते हैं। खुशदिल शाह ने सिर्फ अंपायरिंग पर ही सवाल नहीं उठाए, बल्कि उन्होंने मैचों के आयोजन स्थल के चयन पर भी अपनी आपत्ति जताई है। शाह के अनुसार, अक्सर मैच स्थल भी भारत की पसंद के हिसाब से तय किए जाते हैं, जिससे उन्हें खेल में लाभ मिलता है। पाकिस्तानी क्रिकेटरों की ओर से भारत के खिलाफ इस तरह के आलोचनात्मक बयान नये नहीं हैं और पहले भी कई क्रिकेटर भारत के खिलाफ बयानबाजी करते आये हैं। एक कार्यक्रम में जब इस क्रिकेटर से भार–पाक मुकाबलों को लेकर पूछा गया तो उसने कहा, मैच में दबाव तो ज्यादा नहीं होता परन्तु इस मैच से भावनाएं बहुत गहराई से जुड़ी होती हैं। दूसरी बात यह है कि मैच में जो चीजें होती हैं, वे अक्सर टीम इंडिया के पक्ष में जाती हैं। जैसे कभी–कभी अंपायर का फैसला उनके पक्ष में चला जाता है, और ड्रेसिंग रूम के कुछ फैसले होते हैं वे भी भारत के पक्ष में होते हैं। कई बार ऐसा भी होता है कि मैच भी उनकी मर्जी से आयोजित होते हैं।

इमेज से ज्यादा कहानी मायने रखती है

अभिनेता अली फजल ने अपनी पत्नी ऋचा चड्ढा के साथ अपनी क्रिएटिव पार्टनरशिप पर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि दोनों कभी भी किसी खास इमेज में फिट होने की कोशिश नहीं करते। उनका फोकस हमेशा अच्छे और चुनौतीपूर्ण किरदारों पर रहता है।

अली फजल और ऋचा चड्ढा दोनों ही अपनी अलग-अलग फिल्मों में चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं के लिए जाने जाते हैं। अली फजल ने बताया, 'ऋचा और मैं हमेशा से ऐसे किरदारों की तरफ आकर्षित होते हैं जो हमें चुनौती दे और दर्शकों के दिल में जगह बना सकें, उन्हें पसंद आए। हमारे लिए ग्लैमरस इमेज बनाए रखना कभी प्राथमिकता नहीं रहा।'

उन्होंने इसे अपनी खुशकिस्मती बताया कि उन्हें ऐसे रोल मिले जो स्क्रीन से बाहर निकलकर पॉप कल्चर का हिस्सा बन गए। अली फजल के अनुसार, एक अभिनेता के लिए यह सबसे खूबसूरत एहसास होता है कि दर्शक उनकी बनाई हुई चीज से इतना जुड़ जाते हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि ऋचा की 'फुकरे' वाली भोली पंजाबन और उनकी 'मिर्जापुर' वाली गुड्डू पंडित की भूमिका आज भी लोग याद करते हैं। ये किरदार इतने लोकप्रिय हुए कि लोग उनके डायलॉग दोहराते हैं और बार-बार फिल्म देखते हैं। अली फजल ने बताया कि किरदारों के चुनाव को लेकर उनमें अच्छी समझ है। दोनों ही इस बात का सम्मान करते हैं कि एक्टिंग का पेशा अनिश्चितताओं से भरा है। कभी रिस्क लेना पड़ता है, तो कभी सब्र रखना पड़ता है। लेकिन सबसे जरूरी बात है कहानी कहने में ईमानदारी। उन्होंने बताया, 'हमारी कोशिश हमेशा ऐसी कहानियों और किरदारों का हिस्सा बनने की रहती है जो लोगों के यादों में लंबे समय तक रहें। सिर्फ सफलता नहीं, बल्कि प्रासंगिकता बनाए रखना हमारा लक्ष्य है।' अली फजल जल्द ही 'मिर्जापुर- द मूवी' में नजर आने वाले हैं, जो 4 सितंबर को रिलीज होगी।

समाज आज भी दोहरे मानदंड अपनाता है

अभिनेत्री माधुरी दीक्षित नेटफ्लिक्स पर अपनी हालिया रिलीज ड्रामा क्राइम कॉमेडी फिल्म 'मां बहन' को लेकर उत्साहित हैं। प्रमोशन में व्यस्त अभिनेत्री ने समाज में महिलाओं और पुरुषों के प्रति अलग-अलग नजरिए की बात करते हुए पितृसत्तात्मक सोच पर सवाल उठाया है। माधुरी ने कहा कि प्यार और रिश्तों के मामलों में समाज आज भी दोहरे मानदंड अपनाता है। माधुरी दीक्षित ने बातचीत में कहा, 'यह एक पितृसत्तात्मक समाज है। शुरू से ही ऐसा होता आया है। अगर कोई पुरुष गर्लफ्रेंड बनाता है तो उसे 'कैसानोवा' या रोमियो कहा जाता है। लेकिन अगर कोई महिला वैसा ही करती है तो उसे बुरा-भला कहा जाता है और नकारात्मक नजरिए से देखा जाता है।' अभिनेत्री ने कहा कि उनकी फिल्म 'मां बहन' इन्हीं पुरानी परंपराओं और नियमों को चुनौती देती है। फिल्म में दिखाए गए किरदार कमियों से भरे, उलझे हुए और बिल्कुल असल जिंदगी जैसे हैं। फिल्म में महिलाओं को मजबूत और पारंपरिक नियमों को तोड़ने वाला किरदार दिया गया है। उन्होंने जोर दिया कि हर महिला सम्मान और गरिमा के साथ जीने की हकदार है। माधुरी ने बताया, 'इस फिल्म में हमने समाज द्वारा बनाए गए हर नियम को तोड़ा है और हमें इसमें मजा भी आया। किरदार बहुत उलझे हुए हैं, लेकिन बेहद असली हैं। आप खुद से जुड़ाव महसूस करेंगे।' 'मां बहन' का निर्देशन सुरेश त्रिवेणी ने किया है। इसमें माधुरी दीक्षित रेखा नाम की मां का किरदार निभा रही हैं। कहानी रेखा के इर्द-गिर्द घूमती है, जो पहले से कई मुश्किलों से जूझ रही होती है। अचानक उसके किचन में एक लाश मिल जाती है। अपनी दो बेटियों जिम्मेदार जया और बेबाक सुष्मा के साथ वह इस मुसीबत से निपटने के लिए तेजी से सोचती है, झूठ बोलती है और पड़ोसियों से सच छुपाती है। फिल्म में माधुरी के साथ तृप्ति डिमरी, धारणा दुर्गा, रवि किशन, गीतांजलि कुलकर्णी, अरुणोदय सिंह और शार्दुल भारद्वाज भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म फिलहाल नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है।

विशाल जेठवा ने 'शक्ति शालिनी' के लिए बदला लुक, बढ़ाया वजन

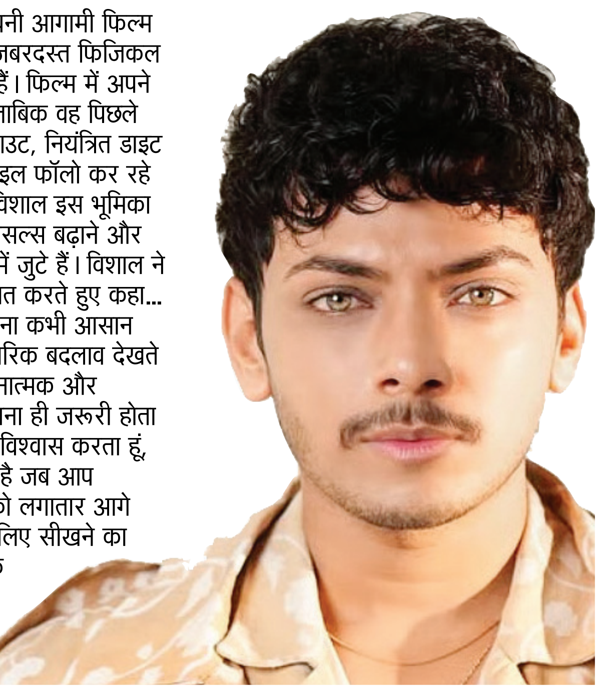

विशाल जेठवा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'शक्ति शालिनी' के लिए जबरदस्त फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन से गुजर रहे हैं। फिल्म में अपने किरदार की जरूरत के मुताबिक वह पिछले कई महीनों से सख्त वर्कआउट, नियंत्रित डाइट और अनुशासित लाइफस्टाइल फॉलो कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, विशाल इस भूमिका के लिए खास - तौर पर मसल्स बढ़ाने और खुद को बल्क-अप करने में जुटे हैं। विशाल ने अपनी फिटनेस जर्नी पर बात करते हुए कहा... 'पीक फिटनेस हासिल करना कभी आसान नहीं होता। लोग सिर्फ शारीरिक बदलाव देखते हैं, लेकिन इसके पीछे भावनात्मक और मानसिक अनुशासन भी उतना ही जरूरी होता है। मैं 'नो पेन, नो गेन' में विश्वास करता हूं, क्योंकि बदलाव तभी आता है जब आप मुश्किल दिनों में भी खुद को लगातार आगे बढ़ाते हैं। पूरी प्रक्रिया मेरे लिए सीखने का अनुभव रही है।' बता दें कि विशाल को हाल ही में 'होमबाउंड' के लिए खूब सराहना मिली थी।

शिल्पा शिंदे ने पोस्ट की क्रिप्टिक वीडियो, उत्पीड़न विवाद के बीच ट्रोल्स को दिया जवाब

भारती सिंह के पॉडकास्ट में यौन उत्पीड़न के झूठे आरोप लगाने की बात को स्वीकार करने के बाद टीवी एक्ट्रेस शिल्पा शिंदे सुर्खियों में आ गई हैं। इस मामले को लेकर सोशल मीडिया यूजर्स और सेलेब्स उनको खरी-खोटी सुना रहे हैं। यह सब देखकर शिल्पा चुप नहीं बैठ रही हैं, उन्होंने ट्रोलिंग करने वालों को क्रिप्टिक पोस्ट के जरिए अपना जवाब दिया है। शिल्पा ने जलने वाले लोगों का जिक्र किया शनिवार को एक इंस्टाग्राम पोस्ट करते हुए शिल्पा शिंदे लिखती हैं, 'जलने वालों जलते रहो, अपना खून किसी जरूरतमंद को मत दो, जला जला के खत्म कर दो।' इसके अलावा एक और फनी वीडियो पोस्ट वह शेयर करती हैं। इसमें एक रील उन्होंने बनाई है। इसमें वह एक फनी डायलॉग को बोल रही हैं, 'साफ साफ बोलने के चक्कर में, जिंदगी से लोग ही साफ हो गए।'

क्या था पूरा मामला?

टीवी एक्ट्रेस शिल्पा शिंदे ने हाल ही में एक चौंकाने वाला खुलासा किया था। उन्होंने भारती सिंह के पॉडकास्ट में बताया कि सीरियल 'भाबीजी घर पर हैं' के प्रोड्यूसर संजय कोहली के खिलाफ झूठा यौन उत्पीड़न का केस दर्ज कराया था। लेकिन बाद में मामला सुलझ गया था। इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर शिल्पा की खूब ट्रोलिंग हुई, टीवी इंडस्ट्री से हिना खान भी उनके खिलाफ बातें कर रही हैं। कई लोगों को मानना है कि ऐसे झूठे केस की वजह से ही असल पीड़ित महिलाओं को न्याय नहीं मिलता है।

साथ फिल्म करेंगे टाइगर श्रॉफ और विद्युत जामवाल

'बागी' फ्रैंचाइज की फिल्मों के जरिए टाइगर श्रॉफ ने दर्शकों के बीच अपने लिए एक खास जगह बनाई है। वहीं 'कमांडो' फेम एक्टर विद्युत जामवाल भी अपने जबरदस्त एक्शन के लिए फिल्मों में जाने जाते हैं। अब यह दोनों ही एक साथ फैंस को बड़े पर्दे पर नजर आ सकते हैं। जानिए, यह दोनों किस फिल्म प्रोजेक्ट का हिस्सा बन रहे हैं।

टाइगर श्रॉफ और विद्युत जामवाल ने एक पोस्ट इंस्टाग्राम पर फैंस के साथ शेयर की। इस पोस्ट में एआई इमेज से पोस्टर बनाया गया था, जिसमें दोनों एक्टर्स नजर आ रहे हैं। पोस्टर पर लिखा, 'दो लीजेंड, एक एपिक शोडाउन'। साथ ही टाइगर श्रॉफ वर्सेस विद्युत भी लिखा है। पोस्टर में दोनों एक्शन मोड में दिखाई दे रहे हैं। इस प्रोजेक्ट या फिल्म को टी-सीरीज पेश करेगा, इस बात का जिक्र भी पोस्टर पर किया गया है। इससे ज्यादा कोई जानकारी पोस्टर पर साझा नहीं की गई। फिल्म के नाम का भी जिक्र नहीं है। दोनों एक्टर्स के पोस्टर शेयर करने के बाद फैंस के बीच हलचल बढ़ गई। बता दें कि टाइगर श्रॉफ और विद्युत जामवाल को टी-सीरीज के ऑफिस के बाहर भी देखा गया था। ऐसा लगता है कि दोनों अपनी अपकमिंग फिल्म को लेकर चर्चा करने के लिए दोनों वहां पहुंचे थे। टाइगर और विद्युत अपने करियर फ्रंट पर और क्या रहे हैं? टाइगर श्रॉफ के करियर फ्रंट की बात करें तो पिछले साल वह फिल्म 'बागी 4' में दिखाई दिए थे। इस फिल्म को दर्शकों से अच्छा रेस्पॉन्स मिला था। वहीं विद्युत एक हॉलीवुड फिल्म 'स्ट्रीट फाइटर' में जल्द ही नजर आएंगे, इसमें भी वह जबरदस्त एक्शन करते हुए नजर आएंगे।

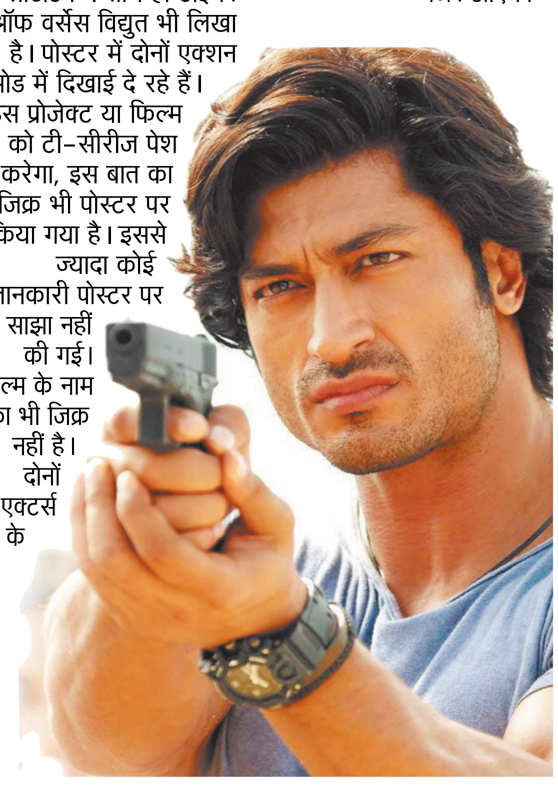

हल्की फुल्की फिल्में करना चाहती हैं रसिका दुग्गल

रसिका दुग्गल बॉलीवुड की उन गिनी चुनी एक्ट्रेसेस में से हैं, जिन्होंने पर्दे पर ग्लैमर से ज्यादा गंभीर, संवेदनशील, इंटेंस वाली फिल्मों और किरदारों को तरजीह दी है। साल 2007 में 'अनवर' से डेब्यू करने वाली रसिका की फिल्मोग्राफी में आपको ऐसी कई फिल्में मिल जाती हैं, जो लीक से हटकर, अंडररेटेड, लेकिन क्लासिक हैं। फिर चाहे 'किस्सा' के नीली का किरदार हो या 'मंटो' में बेगम साफिया का।

जब ओटीटी का दौर आया, तो वहां भी 'मिर्जापुर' से लेकर 'देल्ही क्राइम', 'आउट ऑफ लव' जैसी वेब सीरीज ने रसिका नाम एक समर्थ अभिनेत्री के रूप में दर्ज किया। 41 साल की रसिका हाल ही सैफ अली खान के साथ फिल्म 'कर्तव्य' में नजर आई, जहां वह कर्म और धर्म के बीच अपना कर्तव्य निभाने की जद्दोजहद में जूझ रहे जीवनसाथी का संबल बनती हैं। खास बातचीत में जब रसिका ने यह जानने की कोशिश की गई कि क्या ऐसे गंभीर विषय ही उन्हें लुभाते हैं या कभी हल्के-फुल्के, कमर्शल प्रॉजेक्ट करने का भी मन होता है? तो उन्होंने तपाक से जवाब दिया, 'मैं खुद कुछ हल्का-फुल्का या कॉमेडी कॉन्टेंट तलाश रही हूं। लेकिन साड़ी लहराने वाले रोल मुझे ऑफर ही नहीं होते।'

जमशेदपुर, झारखंड में पैदा हुई रसिका दुग्गल सिर्फ एक बेहतरीन एक्ट्रेस ही नहीं, बल्कि होनहार स्टूडेंट भी रही हैं। उन्होंने 2004 में दिल्ली के प्रतिष्ठित लेडी श्री राम कॉलेज फॉर वुमन से गणित में ग्रेजुएशन की डिग्री ली है। वह सोशल कम्युनिकेशंस मीडिया में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा और एक्टिंग में पीजी डिप्लोमा कर चुकी हैं। 'नो स्मोकिंग', 'हाइजैक' और 'तहान' जैसी फिल्मों से छाप छोड़ चुकीं रसिका कहती हैं, 'मुझे हल्की फुल्की फिल्में भी चलेंगी। कमर्शियल न हो भी हो तो ठीक है।'

मैं भी चाहती हूं कि लोगों की इस धारणा को तोड़ सकूं

बकौल रसिका दुग्गल, 'मैं भी चाहती हूं कि ये जो धारणा है कि मैं किसी चीज में काम कर रही हूं तो वो इंटेंस ही होगी, उसे तोड़ तोड़ सकूं। आप सही हैं कि काफी बार मुझे ऐसे ही रोल मिलते हैं। कुछ हल्के फुल्के भी मिले हैं जैसे 'लूटकेस' या 'ह्यूमरसली योर्स', लेकिन मुझे और ऐसे रोल करने को मिले तो मुझे बहुत खुशी होगी। असल में मैं खुद ऐसा कुछ ढूंढ रही हूं। जैसे अगर कॉमेडी में कुछ करने को मिले तो बहुत मजेदार होगा। क्या रसिका दुग्गल कभी पर्दे पर रूमानी अंदाज में पहाड़ों पर साड़ी का पल्लू लहराने वाली हीरोइन की तरह नजर आएंगी? इस पर वह कहती हैं, 'क्यों नहीं, बतौर एक्टर हम किसी चीज के लिए मना नहीं करते। हम सब अलग-अलग तरह का ही काम करना चाहते हैं, तो अगर ऐसा भी काम मिले तो कोई परहेज नहीं है। मैंने तो कभी ना नहीं कहा। मुझे कभी ऐसे रोल के ऑफर ही नहीं आए।'

लगातार अच्छा काम मिलना भी बड़ी बात

रसिका बॉलीवुड में एक इमेज में बांध दिए जाने के बाबत आगे कहती हैं, 'मुझे लगता है कि उस इंटेंस-सीरियस वाले लेबल के अंदर भी हमें काफी कुछ करने को मिलता है। ऐसा नहीं है कि सारे इंटेंस रोल एक जैसे होते हैं। उसमें भी काफी विविधता होती है। वह भी बहुत अच्छी बात है। ऐसा सबकी लाइफ में नहीं होता कि आपको लगातार काम मिलता रहे और अच्छी स्क्रिप्ट मिलती रहे। साथ ही हर एक्टर चाहता है कि आपको एक अलग पहलू भी लोगों को दिखाने का मौका मिले लेकिन वो ऑफर मिलने की बात है।'

संक्षिप्त समाचार

इंग्लैंड के वर्ल्ड कप बेस कैंप के पास फायरिंग में 9 घायल

कैनसस सिटी, एजेंसी। अमेरिका के कैनसस सिटी में इंग्लैंड की फीफा वर्ल्ड कप-2026 बेस कैंप साइट के पास शनिवार को गोलीबारी हुई, जिसमें 9 लोग घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक सभी घायलों की हालत खतरे से बाहर है। घटना ऐसे समय हुई है जब इसी अमेरिका में फीफा वर्ल्ड कप-2026 शुरू होने में कुछ ही दिन बाकी हैं। गोलीबारी कैनसस सिटी स्थित स्वोप सॉकर विलेज के करीब हुई, जिसे वर्ल्ड कप के दौरान इंग्लैंड टीम का ट्रेनिंग बेस कैंप बनाया गया है। घटना स्थल बेस कैंप से करीब 4 मील दूर बताया गया है। हालांकि, इंग्लैंड की टीम अभी वहां नहीं पहुंची है। टीम बुधवार को ऑरलैंडो में कोस्टा रिका के खिलाफ प्री-टूर्नामेंट फ्रेंडली मैच खेलेगी। कैनसस सिटी पुलिस के अनुसार फायरिंग में घायल सभी 9 लोगों की जान को कोई खतरा नहीं है। इनमें से कम से कम 3 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि अभी तक किसी संदिग्ध को गिरफ्तार नहीं किया गया है और जांच जारी है। इंग्लैंड वर्ल्ड कप-2026 में ग्रुप एल में क्रोएशिया, घाना और पनामा के साथ खेल रहा है। टीम अपना पहला मुकाबला 17 जून को क्रोएशिया के खिलाफ खेलेगी। 1966 की विश्व विजेता इंग्लैंड इस बार दूसरा विश्व कप खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेगी।

बांग्लादेश में आठ साल की बच्ची से दुष्कर्म-हत्या में दंपती को मृत्युदंड

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की एक अदालत ने आठ साल की बच्ची से दुष्कर्म और हत्या के मामले में एक दंपती को मौत की सजा सुनाई। अदालत ने सिर्फ पांच दिन की सुनवाई के बाद अपना फैसला सुनाया। अभियोजकों ने इसे देश में हत्या के किसी मुकदमे का सबसे तेजी से निपटारा बताया है। ढाका मेट्रोपॉलिटन बाल उत्पीड़न रोकथाम न्यायाधिकरण ने घटना के 19 दिन बाद दोषियों की सजा का एलान किया। जस्टिस मसरूर सालेकिन ने रविवार को सोहेल राणा और उसकी पत्नी स्वप्ना खातून को मौत की सजा सुनाई और क्रमशः पांच लाख टका और दो लाख टका का जुर्माना भी लगाया। उन्होंने जुर्माने की राशि पीड़ित परिवार को देने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि कोई भी निजी वकील दंपती की पैरवी करने को तैयार नहीं हुआ, जिसके बाद अदालत ने उनके प्रतिनिधित्व के लिए एक सरकारी वकील नियुक्त किया। बांग्लादेशी कानून के तहत, निचली अदालतों की ओर से दी गई मौत की सजा को अमल में लाने से पहले उच्च न्यायालय की ओर से फैसले की समीक्षा और पुष्टि किया जाना जरूरी है।

उत्तरी वजीरिस्तान में पाकिस्तानी सेना का ऑपरेशन, 27 आतंकियों के मारे जाने का दावा; सुरक्षा हालात तनावपूर्ण

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत उत्तरी वजीरिस्तान क्षेत्र में सुरक्षा बलों ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए 27 आतंकवादियों को मार गिराया है। यह कार्रवाई पिछले 72 घंटों में कई खुफिया-आधारित अभियानों के तहत की गई। पाकिस्तान सेना के मीडिया विंग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस के अनुसार, यह ऑपरेशन मीर अली और मीरानशाह इलाकों में आतंकियों के ठिकानों पर केंद्रित था। कई ठिकानों पर एक साथ कार्रवाई सूत्रों के मुताबिक, सुरक्षा बलों ने खुफिया जानकारी के आधार पर एक साथ कई ठिकानों पर कार्रवाई की। इस दौरान भीषण मुठभेड़ हुई, जिसमें 27 आतंकवादी मारे गए। इन आतंकियों के पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया है। बताया गया है कि ये आतंकी कई आपराधिक और आतंकवादी गतिविधियों में शामिल थे। निर्दोष नागरिकों की हत्या में शामिल थे आतंकी आईएसपीआर के बयान के अनुसार, मारे गए आतंकियों पर निर्दोष नागरिकों की लक्षित हत्याओं में शामिल होने का आरोप था। सुरक्षा बलों ने उन्हें विदेशी समर्थित आतंकवाद से जुड़ा बताया है। सेना ने यह भी दावा किया कि इस ऑपरेशन के दौरान स्थानीय नेता शहीद मलिक सैफुल्लाह दावर की हत्या का बदला भी लिया गया। मीरानशाह में हुई इस घटना के जिम्मेदार आतंकियों को इस कार्रवाई में मार गिराया गया। आतंकवाद के खिलाफ अभियान जारी रहेगा सुरक्षा एजेंसियों ने कहा है कि इलाके में अभी भी तलाशी और सफाई अभियान जारी है, ताकि किसी भी छिपे हुए आतंकी को खत्म किया जा सके। पाकिस्तानी सेना और सुरक्षा बलों ने स्पष्ट किया है कि 'अज्म-ए-इस्तेहकाम' अभियान के तहत आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। सरकार का लक्ष्य देश से विदेशी समर्थित आतंकवाद को पूरी तरह खत्म करना है।

टूट गया सीजफायर? ईरान ने इस्राइल पर दागीं मिसाइलें, तेहरान में एयरस्पेस बंद; सऊदी में खतरा टला

तेहरान / तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल ने दावा किया है कि ईरान ने उस पर मिसाइलों से हमला किया है। अप्रैल की शुरुआत में लागू हुए युद्धविराम के बाद यह पहली बार है जब ईरान की ओर से ऐसा हमला किया गया है। इस घटनाक्रम से युद्ध समाप्त करने के लिए चल रहे कूटनीतिक प्रयासों को बड़ा झटका लग सकता है।

ईरान की मिसाइल बौछारों के बाद इजरायल ने भी जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी है। इजरायल डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने दावा किया कि इजरायली वायु सेना ने पश्चिमी और मध्य ईरान में सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं। आईडीएफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, 'कुछ देर पहले इजरायली वायु सेना ने पश्चिमी और मध्य ईरान में ईरानी शासन के सैन्य ठिकानों पर हमला किया।' इजरायल ने दावा किया कि उसके लड़ाकू विमान ईरान के भीतर स्थित सैन्य ठिकानों को निशाना बना रहे थे। इजरायल ने सोमवार तड़के पश्चिमी और मध्य ईरान में सैन्य ठिकानों पर हमले किए। इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी (आईआरएनए) की रिपोर्ट के मुताबिक, तेहरान में कम से कम दो जोरदार धमाकों की आवाजें सुनी गईं। तेहरान अग्निशमन विभाग के हवाले से आईआरएनए ने बताया कि पश्चिमी तेहरान के निवासियों ने तड़के लगभग 4:43 बजे और 4:45 बजे दो धमाकों की आवाजें सुनीं। हालांकि, शहर के किसी भी शहरी क्षेत्र में विस्फोट की पुष्टि नहीं हुई। आईआरएनए के अनुसार, इजरायली सेना ने दावा किया कि

इजरायली वायु सेना ने पश्चिमी और मध्य ईरान में स्थित इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान से संबंधित कई सैन्य ठिकानों और केंद्रों को निशाना बनाया है। आईआरएनए के मुताबिक, ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने कहा कि इजरायल ने अपने नवीनतम हमलों में हवाई-लॉन्च बैलिस्टिक मिसाइलों का इस्तेमाल किया। इजरायली सेना ने रविवार रात ईरान के हमलों की जानकारी देते हुए कहा था कि वह किसी भी संभावित मिसाइल हमले और आगे की कार्रवाई के लिए पूरी तरह तैयार है। आईडीएफ के प्रवक्ता एफी डेफ्रिन ने रविवार को कहा कि मिसाइलें दागकर ईरान ने 'बहुत बड़ी गलती' की है। बीती रात ईरान ने इजरायल की ओर चार बार मिसाइलों की बौछार की थी। इसके बाद इजरायल ने जवाबी कार्रवाई की। ईरान के नजफाबाद के पास इजरायली हमलों के बाद धुआं उठता हुआ दिखाई दिया। अल-मायादीन की रिपोर्ट के अनुसार, इजरायली सेना के एक प्रवक्ता ने कहा कि सैन्य खुफिया जानकारी के आधार पर इजरायली वायु सेना ने पश्चिमी और मध्य ईरान में सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया।

ईरान बोला- सऊदी एयर बेस पर हमने कोई मिसाइल नहीं दागी : ईरान बोला- सऊदी एयर बेस पर हमने कोई मिसाइल नहीं दागी ईरान ने सऊदी अरब के अल-खार्ज एयर बेस पर हमले की खबरों को खारिज कर दिया है। ईरानी सरकारी प्रसारक आईआरआईबी के मुताबिक एक सैन्य अधिकारी ने कहा कि ईरान ने अल-खार्ज एयर बेस की ओर कोई भी गोली या मिसाइल नहीं दागी है। यह बयान उस समय आया जब अल-खार्ज इलाके में धमाके जैसी खबरें सामने आईं और सऊदी सिविल डिफेंस ने संभावित खतरे को लेकर अलर्ट जारी किया था। अधिकारियों ने लोगों से सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की थी। हालांकि बाद में सऊदी अरब ने कहा कि खतरा टल गया है। फिलहाल घटना को लेकर तनाव बना हुआ है।

यमन की ओर से इस्राइल पर दागी गई मिसाइल : इस्राइल की सेना ने दावा किया है कि यमन की दिशा से उसकी सीमा की ओर एक मिसाइल दागी गई है। सेना के अनुसार मिसाइल का पता लगते ही रक्षा प्रणाली को तुरंत सक्रिय कर दिया गया और खतरे को रोकने के लिए इंटरसेप्टर सिस्टम काम में लगाए गए।इस्राइली सेना ने कहा कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर हैं। फिलहाल किसी बड़े नुकसान या हताहत की जानकारी सामने नहीं आई है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच इस हमले ने क्षेत्र की सुरक्षा चिंताओं को और बढ़ा दिया है।

सऊदी अरब ने हटाया अलर्ट, अल-खर्ज में खतरा टला : सऊदी अरब के सिविल डिफेंस विभाग ने अल-खर्ज गवर्नरेट में जारी संभावित खतरे का अलर्ट वापस ले लिया है। विभाग ने कहा कि अब स्थिति सामान्य है और खतरा टल चुका है। इससे कुछ देर पहले प्रशासन ने लोगों को घरों में रहने और सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी थी। हालांकि अधिकारियों ने अब तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि खतरा किस प्रकार का था। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच इस अलर्ट ने लोगों की चिंता बढ़ा दी थी। फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां इलाके में निगरानी बनाए हुए हैं और हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है। सऊदी अरब में अलर्ट जारी सऊदी अरब के सिविल डिफेंस विभाग ने अल-खर्ज गवर्नरेट में संभावित खतरे को लेकर चेतावनी जारी की है। अधिकारियों ने लोगों से तुरंत सुरक्षित स्थानों पर जाने और अगली सूचना तक घरों से बाहर न निकलने की अपील की है।

दक्षिण कोरिया: चुनाव में धांधली के आरोपों के बीच दोबारा मतदान की मांग, सड़कों पर उतरे हजारों प्रदर्शनकारी

सियोल , एजेंसी। दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल में पिछले सप्ताह हुए स्थानीय चुनावों में कथित धांधली के दावों ने देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। राजधानी के पूर्वी हिस्से में स्थित सोंगपा जिले के एसके ओलंपिक हैंडबॉल जिम्नेजियम के बाहर हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारी पिछले तीन दिनों से डेरा डाले हुए हैं। इन प्रदर्शनकारियों का स्पष्ट रूप से मानना है कि चुनाव प्रक्रिया पारदर्शी नहीं थी और वे अब नए सिरे से चुनाव कराने की मांग कर रहे हैं।

प्रदर्शनकारियों ने किया घेराव : जानकारी के अनुसार, रविवार दोपहर तक लगभग 3,000 लोग धरना स्थल पर जमा थे, हालांकि शनिवार को यह संख्या 30,000 के करीब पहुंच गई थी। प्रदर्शनकारियों ने जिम्नेजियम परिसर के सभी आठ प्रवेश द्वारों को घेर रखा है ताकि अंदर रखी मतपेटियों के साथ कोई छेड़छाड़ न हो सके। वे लगातार चुनाव दोबारा कराने के समर्थन में नारेबाजी कर रहे हैं। इस तनावपूर्ण स्थिति के बीच शनिवार को करीब 20 से 30 चुनाव अधिकारी वहां से निकलने में कामयाब रहे लेकिन राष्ट्रीय चुनाव आयोग (एनईसी) ने अब तक इस पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

बैलेट पेपर की कमी : राजधानी सियोल में चुनाव के दौरान अव्यवस्था की खबरें बुधवार को ही सामने आने लगी थीं, जब सियोल के सोंगपा और गंगनम जैसे प्रमुख क्षेत्रों सहित 12 से अधिक

मतदान केंद्रों पर बैलेट पेपर कम पड़ गए थे। इस कमी के कारण कई घंटों तक मतदान रोकना पड़ा और निराश होकर कई मतदाता बिना वोट डाले ही वापस लौट गए। इस प्रशासनिक विफलता की जिम्मेदारी लेते हुए राष्ट्रीय चुनाव आयोग के अध्यक्ष रोह ताए-अक और महासचिव हेओ चेओल-हून ने शुक्रवार को अपने पदों से इस्तीफे की पेशकश कर दी है। मुख्य विपक्षी दल, पीपल पावर पार्टी (पीपीपी) ने इस विरोध प्रदर्शन को 'शांतिपूर्ण नागरिक प्रतिरोध आंदोलन' करार दिया है। पार्टी नेता जांग डोंग-ह्योक ने नेशनल असेंबली में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मांग की है कि केवल जांच या अधिकारियों को बदलने से जनता का गुस्सा शांत नहीं होगा, बल्कि दोबारा चुनाव ही एकमात्र समाधान है। उन्होंने राष्ट्रपति ली जे-म्युंग से इस मुद्दे पर तत्काल वार्ता का प्रस्ताव रखा है। विपक्ष ने राष्ट्रपति को चेतावनी भी दी है कि यदि वे इस संकट को सुलझाए बिना अपनी निर्धारित यूरोप यात्रा पर जाते हैं, तो उन्हें और अधिक व्यापक जन-विरोध का सामना करना पड़ेगा। राष्ट्रपति ली जे-म्युंग ने भी चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर कड़ी नाराजगी जाहिर करते हुए इस पूरी घटना पर खेद जताया है।

शीर्ष नेतृत्व में फूट की अटकलों को ईरान ने किया खारिज

तेहरान, एजेंसी। हाल ही में अमेरिकी मीडिया ने दावा किया कि ईरान की सेना और शीर्ष नेतृत्व में सीजफायर मसौदे को लेकर भारी मतभेद है। अब देश के उप राष्ट्रपति मोहम्मद रेजा आरेफ ने इसे सिरे से नकारा है। उन्होंने इसे अफवाह करार दिया है। ईरान के प्रथम उपराष्ट्रपति मोहम्मद रेजा आरेफ ने इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी (आईआरएनए) बातचीत में कहा कि देश के सभी वरिष्ठ अधिकारी वार्ता प्रस्तावों को लेकर पूरी तरह एकजुट हैं और बातचीत के मसौदे या प्रस्तावों पर किसी भी तरह के मतभेद की संभावना को खारिज किया है। आईआरएनए के अनुसार, ईरानी सीमा शुल्क प्रशासन के दौरे के दौरान आरिफ ने कहा कि अमेरिका के साथ वार्ताओं में तेहरान ने एक स्पष्ट और समन्वित रणनीति अपनाई है। उन्होंने कहा, 'इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ने वार्ताओं में एक निश्चित रणनीति अपनाई है और सभी अधिकारियों ने पूर्ण समन्वय के साथ उसका पालन किया है। आरिफ ने आगे कहा कि वार्ता के पाठ और प्रस्तावों को लेकर अधिकारियों के बीच 'कोई मतभेद नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान युद्ध और पिछले वर्ष 12-दिवसीय संघर्ष से ईरान ने संकट प्रबंधन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण अनुभव और सबक हासिल किए हैं। आरिफ के अनुसार, इन अनुभवों ने देश की निर्णय-प्रक्रिया और राष्ट्रीय रणनीतियों को और अधिक मजबूत बनाने में मदद की है। आरिफ का यह बयान ईरान और अमेरिका के बीच चल रही अप्रत्यक्ष वार्ताओं के संदर्भ में आया है, जिनका उद्देश्य देश के खिलाफ अमेरिका-इजरायल द्वारा छेड़े गए युद्ध को स्थायी रूप से समाप्त करना है। संघर्ष 28 फरवरी को अमेरिका-इजरायल के संयुक्त हवाई हमले से शुरू हुआ था। आरिफ ने 'दो थोपे गए युद्धों' के प्रबंधन में ईरान के अनुभव का उल्लेख करते हुए कहा कि देश ने संकट प्रबंधन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सबक सीखे हैं। उन्होंने कहा कि युद्धकाल के दौरान कई नौकरशाही प्रक्रियाओं को सरल बनाया गया और सरकारी अधिकारों का उपयोग कर आयात, माल की उतराई तथा सीमा शुल्क निकासी की प्रक्रिया को तेज किया गया।

गाजा में इस्राइली हमलों में नौ फलस्तीनियों की मौत; बेन ग्वीर के सोशल मीडिया पोस्ट पर छिड़ा विवाद

गाजा, एजेंसी। गाजा में रविवार को इस्राइल के हवाई हमलों में कम से कम नौ फलस्तीनी मारे गए। फलस्तीनी रेड क्रिसेंट के अनुसार, दक्षिणी गाजा के खान यूनिस शहर में एक पुलिस चौकी पर हुए इस्राइली हवाई हमले में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों और मृतकों को रेड क्रिसेंट द्वारा संचालित फील्ड अस्पताल में ले जाया गया। इसके बाद दिन में गाजा सिटी के पश्चिमी इलाके में एक वाहन पर हुए इस्राइली हमले में कम से कम चार और फलस्तीनियों की मौत हो गई। शिफा अस्पताल ने इन मृतकों के शव प्राप्त होने की पुष्टि की है।

इस्राइली सेना ने हमलों पर नहीं की टिप्पणी : इन दोनों हमलों पर इस्राइली सेना की ओर से तत्काल कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की गई। हालांकि, इस्राइल पहले भी कहता रहा है कि वह उन लड़ाकों को निशाना बनाता है जो उसकी सेना के लिए खतरा बन सकते हैं। पिछले साल अक्तूबर में अमेरिका की मध्यस्थता से हुए युद्धविराम समझौते के बाद बड़े पैमाने की लड़ाई में कमी आई है, लेकिन इसके बावजूद लगभग रोजाना इस्राइली गोलीबारी और हमलों की घटनाएं सामने आ रही हैं।

'गाजा के 70% हिस्से पर होगा इस्राइल का नियंत्रण : इस बीच, ईरान द्वारा इस्राइल पर मिसाइलें दागे जाने के बाद सुरक्षा स्थिति बिगड़ने का हवाला देते हुए इस्राइल ने गाजा के साथ सभी सीमा पार मार्गों को अगली सूचना तक बंद कर दिया है। गाजा में मानवीय सहायता की निगरानी करने वाली इस्राइली रक्षा एजेंसी ने इसकी जानकारी दी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कैबिनेट बैठक के दौरान कहा कि इस्राइल जल्द ही गाजा के 70 प्रतिशत हिस्से पर नियंत्रण हासिल कर लेगा। उन्होंने कहा, 'इस समय हमारे नियंत्रण में गाजा का 60 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र है और जल्द ही हम 70 प्रतिशत तक पहुंच जाएंगे'। नेतन्याहू ने यह भी कहा कि इस्राइल हमास को दोबारा हथियार जुटाने या इस्राइल को नुकसान पहुंचाने की अनुमति नहीं देगा। वहीं, अमेरिका द्वारा गठित बोर्ड ऑफ पीस के प्रमुख ने पिछले महीने माना था कि युद्धविराम प्रक्रिया का अगला चरण फिलहाल रुका हुआ है। इसका सबसे बड़ा कारण हमास को निरस्त्र करने के मुद्दे पर दोनों पक्षों के बीच सहमति न बन पाना बताया गया है।

हमलावर को मारने के बाद मंत्री का वीडियो विवादों में : एक अलग घटना में इस्राइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने सुरक्षा बलों की सराहना की, जिन्होंने एक हमलावर को मार गिराया था। इस्राइल के सार्वजनिक सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-गवीर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया, जिसमें वह मृत हमलावर के शव के पास खड़े दिखाई दिए। वीडियो में बेन-गवीर ने कहा, 'हर आतंकवादी का यही अंत होना चाहिए'। बेन-गवीर हाल ही में फलस्तीनी हमलावरों के लिए मृत्युदंड लागू करने संबंधी कानून को आगे बढ़ाने की कोशिश कर चुके हैं, हालांकि इस कानून को कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। बेन-गवीर इससे पहले भी कई विवादित वीडियो और बयानों को लेकर आलोचनाओं में रहे हैं। गाजा की समुद्री नाकेबंदी तोड़ने की कोशिश करने वाले कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी से जुड़े उनके वीडियो पर भी काफी विवाद हुआ था। गाजा युद्ध शुरू होने के बाद से वेस्ट बैंक में भी हिंसा में तेजी आई है। इस्राइल ने वहां सैन्य अभियानों को बढ़ाया है, जिनमें सैकड़ों लोग मारे गए हैं।

डोनाल्ड ट्रंप का दावा, ईरान का खतरा काफी हद तक बेअसर हो गया है

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान की सैन्य क्षमताएं काफी कमजोर हो गई हैं और यह संघर्ष 'अंतहीन युद्ध' नहीं बनेगा। उन्होंने तर्क दिया कि संयुक्त राज्य अमेरिका तेहरान के साथ परमाणु समझौते को सुरक्षित करने या सैन्य साधनों के माध्यम से अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने के करीब है। एनबीसी के 'मीट द प्रेस' कार्यक्रम में एक साक्षात्कार में ट्रंप ने कहा कि ईरान के पास अब केवल अपने मिसाइल भंडार का एक छोटा सा हिस्सा ही बचा है। महीनों तक चली अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के बाद ईरान से उत्पन्न खतरा काफी हद तक कम हो गया है। ईरान की शेष सैन्य क्षमता के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा, 'शायद उनके पास 21-22 प्रतिशत मिसाइलें बची हैं। यह काफी संख्या में मिसाइलें हैं। लेकिन यह वैसी नहीं हैं, जैसी तब थीं जब हमने पहली बार हमला किया था। जब उनसे

पूछा गया कि क्या अमेरिका एक और लंबे मध्य पूर्व संघर्ष में फंसने के खतरे का सामना कर रहा है, तो ट्रंप ने इस तुलना को खारिज कर दिया और कहा कि ईरान के खिलाफ चलाया गया अभियान इस क्षेत्र में पहले हुए अमेरिकी युद्धों से बहुत अलग है। उन्होंने कहा, 'मुझे ये अंतहीन युद्ध पसंद नहीं हैं। यह कोई अंतहीन युद्ध नहीं है।' यह साक्षात्कार ऐसे समय हुआ जब संघर्ष को 100 दिन पूरे हो चुके थे और प्रशासन की दीर्घकालिक रणनीति और वार्ता के माध्यम से समाधान की संभावनाओं पर सवाल उठते जा रहे थे। ट्रंप ने तर्क दिया कि अमेरिकी सैन्य अभियानों ने पहले ही प्रमुख लक्ष्य हासिल कर लिए हैं। उन्होंने कहा, 'हमने उनकी सेना को पूरी तरह नष्ट कर दिया है, ईरान के अधिकांश ड्रोन कारखाने, प्रक्षेपण स्थल और मिसाइल उत्पादन ठिकाने नष्ट कर दी गई हैं। राष्ट्रपति ने यह भी दावा किया कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने ईरान की सैन्य अवसंरचना को शीघ्रता से पुनर्निर्मित करने की क्षमता को प्रभावी रूप से समाप्त कर दिया है। ट्रंप ने कहा, 'उन्हें पुनर्निर्माण में 15 या 20 साल लगेंगे। लेकिन मैं उन्हें यह मौका भी नहीं देने वाला। हम ईरान को परमाणु हथियार नहीं रखने दे सकते। और हम ऐसा होने नहीं देंगे। जब उनसे पूछा गया कि यदि वार्ता विफल हो जाती है तो पुनः सैन्य कार्रवाई किस आधार पर की जाएगी, तो ट्रंप ने कहा, 'मेरी लक्ष्मण रेखा तब होगी जब मुझे लगेगा कि मैं कोई समझौता नहीं कर पाऊंगा, या अगर मैं पर्याप्त तेज़ी से समझौता नहीं कर पाऊंगा।' राष्ट्रपति ने विश्वास व्यक्त किया कि वार्ता समापन के करीब है। ट्रंप ने कहा, 'मुझे लगता है कि हम बहुत करीब हैं, अगर कूटनीति विफल रही, तो हम इसे सैन्य रूप से समाप्त कर देंगे। ट्रंप ने उन सुझावों को भी खारिज कर दिया कि यह संघर्ष नए युद्धों से बचने के उनके लंबे समय से चले आ रहे चुनावी वादे के विपरीत है। उन्होंने कहा, 'मैंने कुछ भी वादा नहीं किया था। मुझे ये अंतहीन युद्ध पसंद नहीं हैं, यह अभियान आवश्यक था, क्योंकि ईरान परमाणु हथियार हासिल करने की ओर बढ़ रहा था। जब उनसे पूछा गया कि उन्हें किस बात का भरोसा है कि संघर्ष दलदल में नहीं बदलेगा, तो ट्रंप ने जवाब दिया, 'हम उस स्थिति में नहीं पहुंचने वाले हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका 'लगभग तैयार' है और उसे या तो एक 'मजबूत समझौता' या टकराव का निर्णायक निष्कर्ष मिलने की उम्मीद है।

डोमिनिकन रिपब्लिक में विमान हादसा, टेक ऑफ के समय क्रैश हुआ विमान

सैंटो डोमिंगो , एजेंसी। डोमिनिकन रिपब्लिक के ला रोमाना अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक निजी विमान क्रैश हो गया। अमेरिका में पंजीकृत यह बिजनेस जेट रविवार को आपात लैंडिंग के समय दुर्घटनाग्रस्त हुआ। दुर्घटना के बाद विमान में आग लग गई। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि एयरस्ट्रिप से टकराने के बाद विमान आग के बड़े गोले में बदल गया। इस हादसे में विमान में सवार चालक दल के दोनों सदस्यों की मौत हो गई।

दुर्घटना का मंजर विचलित करने वाले : प्रत्यक्षदर्शियों ने सोशल मीडिया पर कई वीडियो साझा किए हैं। इन तस्वीरों और वीडियो में विमान आपातकालीन लैंडिंग का प्रयास करता देखा जा सकता है। दुर्घटना से ठीक पहले विमान तेज गति से रनवे पर घिसटता हुआ देखा गया। इसके बाद विमान रनवे से फिसलकर हवाई अड्डा परिसर में ही घास वाले क्षेत्र में चला गया और इसी समय भीषण आग लग गई।

विमान में सवार पायलट और सह-पायलट की मौत : डोमिनिकन नागरिक उड्डयन संस्थान (आईडीएसी) ने इस घटना की पुष्टि की है। संस्थान ने बताया कि पायलट और सह-पायलट ही विमान में एकमात्र सवार थे। दुर्घटना के समय विमान में कोई यात्री मौजूद नहीं था। इसलिए बड़ी संख्या में लोग हताहत नहीं हुए। विमान के मॉडल को लेकर आईडीएसी ने कहा, यह एक गल्फस्ट्रीम जी200 दो इंजन वाला बिजनेस जेट था। अमेरिका में पंजीकरण के बाद इसे एन318जेएफ नंबर आवंटित हुआ था।

टेक्सास जा रही थी फ्लाइट : मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हादसे से पहले विमान ला रोमाना से टेकऑफ हुआ था। ला रोमाना देश की राजधानी सैंटो डोमिंगो से लगभग 130 किलोमीटर पूर्व में स्थित लोकप्रिय पर्यटन शहर है। यह विमान अमेरिका के टेक्सास में ऑस्टिन जा रहा था। उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग के दौरान आग लग गई। क्या गंभीर यांत्रिक खराबी के कारण हुई दुर्घटना? विमानन अधिकारियों की तरफ से जारी प्रारंभिक रिपोर्ट्स के अनुसार, विमान दुर्घटना से पहले चालक दल के सदस्यों ने आपात स्थिति की सूचना दी थी। विमान में आई गंभीर यांत्रिक खराबी के कारण आपात स्थिति की सूचना दी गई। उस समय विमान ला रोमाना से लगभग 16 समुद्री मील दक्षिण-पश्चिम में था। हादसे की आशंका को देखते हुए पायलटों ने विमान को तत्काल नजदीकी वापस हवाई अड्डे पर लाने का प्रयास किया। आपातकालीन लैंडिंग का प्रयास करने के दौरान विमान क्रैश हो गया।

फिलीपींस में 7.8 तीव्रता का भूकंप, कई बिल्डिंग गिरीं:एक की मौत

मनीला, एजेंसी। फिलीपींस में सोमवार सुबह 7.8 तीव्रता का भूकंप आया। इसके बाद फिलीपींस, इंडोनेशिया और मलेशिया के तटीय इलाकों में सुनामी की चेतावनी जारी की गई। शुरुआती रिपोर्टों के मुताबिक कई मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं और एक व्यक्ति की मौत हुई है।

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के मुताबिक भूकंप भारतीय समयानुसार सुबह 5:07 बजे आया। भूकंप का केंद्र मिंडानाओ द्वीप के जनरल सैंटोस शहर से करीब 13 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में था। फिलीपींस के भूकंप संस्थान के अनुसार भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किमी नीचे गहराई 10 में था, जबकि स्त्रस ने 55 किलोमीटर गहराई दर्ज की। पैसिफिक सुनामी वार्निंग सेंटर ने चेतावनी दी है कि फिलीपींस के कुछ तटीय इलाकों में 3 मीटर तक ऊंची लहरें उठ सकती हैं। वहीं, इंडोनेशिया और मलेशिया के कुछ तटों पर 1 मीटर तक ऊंची लहरों का खतरा है।

जनरल सैंटोस के पास था भूकंप का केंद्र : फिलीपींस इंस्टीट्यूट ऑफ वोल्केनोलॉजी एंड सीस्मोलॉजी के अनुसार, भूकंप का केंद्र मिंडानाओ द्वीप पर जनरल सैंटोस शहर से लगभग 13 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में स्थित था। इसकी गहराई लगभग 10 किलोमीटर थी। भूकंप स्थानीय समयानुसार सुबह 7:37 बजे आया, जिससे पूरे क्षेत्र में तेज झटके महसूस किए गए।

भूकंप के बाद कई इलाकों में बिजली गुल : जनरल सैंटोस सिटी पुलिस के मास्टर सार्जेंट रॉबर्ट डैगन ने बताया कि कई भवन प्रभावित हुए हैं और राहत-बचाव का काम लगातार जारी है। शहर के कुछ हिस्सों में बिजली भी चली गई। भूकंप के झटके इतने तेज थे कि लोग घरों और दफ्तरों से बाहर निकलकर सड़कों पर आ गए। जनरल सैंटोस सिटी प्रशासन ने दुकानों और

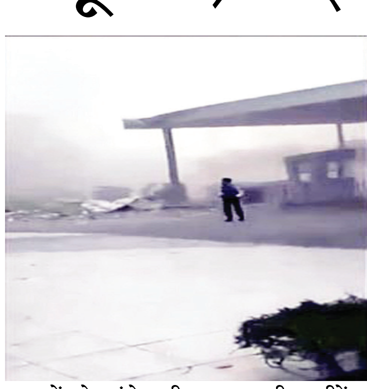

इमारतों को पहुंचे भारी नुकसान की तस्वीरें जारी की हैं। सरंगानी प्रांत के अलाबेल कस्बे के पुलिस प्रमुख बेंजी एंचेटा ने बताया कि पुलिस स्टेशन की इमारत में भी दरारें आ गई हैं। एंचेटा ने रॉयटर्स से कहा, 'यह सबसे शक्तिशाली भूकंप है जिसे हमने यहां महसूस किया है।' उनके मुताबिक झटकों के दौरान कुछ लोग डर के कारण बेहोश हो गए। फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने कहा कि उन्होंने सभी संबंधित सरकारी एजेंसियों को तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने प्रभावित इलाकों में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और राहत-बचाव अभियान शुरू करने को कहा है। लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह फिलीपींस भूकंप संस्थान के प्रमुख टेरेसिटो बाकोलकोल ने तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को तुरंत सुरक्षित स्थानों या ऊंचे इलाकों में जाने की सलाह दी है। अधिकारियों ने कहा है कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और राहत एवं बचाव दल को अलर्ट कर दिया गया है।

सुनामी का अलर्ट जारी : भूकंप के तुरंत बाद प्रशांत सुनामी चेतावनी केंद्र ने कई देशों के लिए सुनामी अलर्ट जारी किया। केंद्र ने चेतावनी दी कि अगले तीन घंटों के भीतर इंडोनेशिया, फिलीपींस, पलाऊ, ताइवान और पापुआ न्यू गिनी के कुछ तटीय इलाकों में सुनामी की लहरें पहुंच सकती हैं। इसके बाद संबंधित क्षेत्रों में प्रशासन ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी।

कई देशों में महसूस हुए झटके : भूकंप के झटके सिर्फ फिलीपींस तक सीमित नहीं रहे। इंडोनेशिया के उत्तरी सुलावेसी और नॉर्थ मालुकू प्रांतों में भी कंपन महसूस किया गया।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.